रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं

www.lagatar.in | * * | रांची, सोमवार 19 अगस्त 2024 ● श्रावण पूर्णिमा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 131 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,500
चांदी (किलो)	87,000

ब्रीफ खबरें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रक्षाबंधन की बधाई दी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को रविवार को रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने उम्मीद जताई की कि यह त्योहार समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान बढ़ाएगा. उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के बीच अनोखे बंधन का उत्सव है, जो प्रेम और आपसी विश्वास की भावना को मजबूत करता है.

पैतोंगतार्न शिनावात्रा थाईलैंड की पीएम बनीं

नयी दिल्ली। थाईलैंड के पूर्व राष्ट्रपति थाकसिन शिनावात्रा की बेटी पैतोंगतार्न शिनावात्रा रविवार को शाही समर्थन पत्र मिलने के बाद थाईलैंड की प्रधानमंत्री बन गईं. भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री बनने पर पैतोंगतार्न शिनावात्रा को बधाई दी. उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए आशान्वित हैं.

पुडुचेरी को राज्य का दर्जा देने की मांग

पुडुचेरी। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी को राज्य का दर्जा देने की मांग इस सप्ताह की शुरुआत में एक बार फिर विधानसभा में उठाई गई. सदन ने इस मामले में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया. हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब पुडुचेरी विधानसभा ने इस तरह का प्रस्ताव पारित किया हो. इससे पहले भी पुडुचेरी विधानसभा में 15 बार प्रस्ताव पारित करके केंद्र सरकार से पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग की जा चुकी है.

जम्मू-कश्मीर में भाजपा गठबंधन नहीं करेगी

जम्मू। भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविन्द्र रैना ने कहा है कि पार्टी जम्मू कश्मीर में चुनाव पूर्व कोई गठबंधन नहीं करेगी. रैना ने बताया कि कश्मीर घाटी में आठ से 10 निर्दलीय उम्मीदवारों से बातचीत हो रही है. अगर ये चर्चाएं सफल होती हैं तो हम संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने की रणनीति तैयार करेंगे. उन्होंने कहा कि पार्टी जम्मू-कश्मीर में विस चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है और जल्द ही उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की जाएगी.

करुणानिधि की पुण्यतिथि पर सिक्का जारी हुआ

चेन्नई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को चेन्नई में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व अध्यक्ष एम करुणानिधि की 100वीं पुण्यतिथि पर 100 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी किया. राजनाथ ने कलैवनार अरन्गम में आयोजित कार्यक्रम में करुणानिधि के बेटे एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में 'मुथमिझ अरिगनार कलैगनार सेंटेनरी कमेमोरेटिव कॉइन' जारी किया. मौके पर राज्य के कई मंत्री मौजूद थे.

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने बयां किया अपना दर्द, अपमान के बाद वैकल्पिक राह तलाशने को मजबूर

चंपाई बोले- हुआ अपमान झामुमो में मचा घमासान

पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के कद्दावर नेता चंपाई सोरेन के रविवार को कोलकाता होते हुए दोपहर 12.15 बजे दिल्ली पहुंचते ही झारखंड का सियासी पारा चढ़ गया. चंपाई ने दिल्ली में स्पष्ट किया कि वे निजी दौरे पर आये हैं. लेकिन ज्यो-ज्यों दिन ढलता गया, त्यों-त्यों चंपाई को लेकर तरह-तरह की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल होने लगीं. कभी उनके साथ झामुमो के कुछ और विधायकों के भी भाजपा में शामिल होने की खबर वायरल होती, तो कभी कुछ और. हालांकि उनके साथ जिन विधायकों के भाजपा में शामिल होने की खबरें वायरल हो रही थीं, उनमें से अधिकांश ने ऐसी खबरों का खंडन किया. उधर चंपाई के 'एक्स' से झामुमो का टैग हटने, घर से पार्टी का झंडा हटने की खबरें भी सोशल मीडिया पर दिन भर तैरती रहीं. शाम होते-होते चंपाई ने अपने 'एक्स' हैंडल पर अपना दर्द बयां किया. चंपाई ने खुद के अपमान की बातों का जिक्र किया.

प्रमुख संवाददाता। रांची

सूबे की सियासी हलचल के बीच पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द बयां किया है. उन्होंने कहा है कि आज आप सभी के मन में कई सवाल उमड़ रहे होंगे. आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसने कोल्हान के एक छोटे से गांव में रहने वाले एक गरीब किसान के बेटे को इस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है. पिछले चार दशकों के अपने बेदाग राजनैतिक सफर में, मैं पहली बार भीतर से टूट गया. समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं? दो दिन तक, चुपचाप आत्म-मंथन करता रहा. सत्ता का लोभ रत्ती भर भी नहीं था, लेकिन आत्म-सम्मान पर लगी इस चोट को मैं किसे दिखाता? अपनों द्वारा दिए दर्द को कहां जाहिर करता?

मेरे मुख्यमंत्रित्व काल का मूल्यांकन जनता करेगी : चंपाई सोरेन ने कहा कि 31 जनवरी को एक अभूतपूर्व घटनाक्रम के बाद, 'इंडिया' गठबंधन ने मुझे झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री के तौर पर राज्य की सेवा करने के लिए चुना. अपने कार्यकाल के पहले दिन से लेकर आखिरी दिन तक, पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया. इस दौरान हमने जनहित में कई फैसले लिए, जिसका मूल्यांकन राज्य की जनता करेगी.

अपमानजनक घटनाओं का जिक्र करना नहीं चाहता : चंपाई ने आगे कहा कि तीन दिनों से हो रहे अपमानजनक व्यवहार से भावुक होकर मैं आंसुओं को संभालने में लगा था, लेकिन उन्हें सिर्फ कुर्सी से मतलब था. मुझे ऐसा लगा, मानो उस पार्टी में मेरा कोई वजूद, कोई अस्तित्व ही नहीं है, इस बीच कई ऐसी अपमानजनक घटनाएं हुईं, जिसका जिक्र फिलहाल नहीं करना चाहता. इतने अपमान एवं तिरस्कार के बाद मैं वैकल्पिक राह तलाशने को मजबूर हो गया.

अपने बेदाग राजनैतिक सफर में पहली बार भीतर से टूट गया हूं

▪ सत्ता का रत्ती भर लोभ नहीं था, फिर भी मेरा अपमान किया गया

किसके पास जाकर अपनी तकलीफ बताता

पूर्व सीएम ने कहा कि वर्षों से पार्टी के केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक नहीं हो रही है और एकतरफा आदेश पारित किए जाते हैं. ऐसे में किसके पास अपनी तकलीफ बताता? इस पार्टी में मेरी गिनती वरिष्ठ सदस्यों में होती है. मुझसे सीनियर सुप्रीमो हैं, जो अब स्वास्थ्य की वजह से राजनीति में सक्रिय नहीं हैं, फिर मेरे पास क्या विकल्प था? कहने को तो विधायक दल की बैठक बुलाने का अधिकार मुख्यमंत्री का होता है, लेकिन मुझे बैठक का एजेंडा तक नहीं बताया गया था. बैठक के दौरान मुझसे इस्तीफा मांगा गया. मुझे सत्ता का मोह नहीं था, मैंने तुरंत इस्तीफा दे दिया. पर, आत्म-सम्मान पर लगी चोट से दिल भावुक था.

विधानसभा चुनाव तक मेरे पास तीन विकल्प खुले हैं

चंपाई ने कहा कि मेरे पास तीन विकल्प हैं- पहला, राजनीति से सन्यास, दूसरा अपना अलग संगठन खड़ा करना और तीसरा इस राह में अगर कोई साथी मिले, तो उसके साथ आगे का सफर तय करना. आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव तक, मेरे लिए सभी विकल्प खुले हुए हैं. उन्होंने वर्तमान हालात को निजी संघर्ष बताते हुए कहा कि इस संघर्ष में पार्टी के किसी सदस्य को शामिल करने अथवा संगठन को किसी प्रकार की क्षति पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं है. जिस पार्टी को हमने अपने खून-पसीने से सींचा है, उसका नुकसान करने के बारे में तो कभी सोच भी नहीं सकते. लेकिन, हालात ऐसे बना दिए गए हैं...

मैंने न किसी के साथ गलत किया, न ही होने दिया

चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड का बच्चा- बच्चा जानता है कि अपने कार्यकाल के दौरान, मैंने कभी भी किसी के साथ न गलत किया और न ही होने दिया. इसी बीच, हूल दिवस के अगले दिन, मुझे पता चला कि अगले दो दिनों के मेरे सभी कार्यक्रमों को पार्टी नेतृत्व द्वारा स्थगित करवा दिया गया है. पूछने पर पता चला कि गठबंधन द्वारा तीन जुलाई को विधायक दल की एक बैठक बुलाई गई है, तब तक आप सीएम के तौर पर किसी कार्यक्रम में नहीं जा सकते. क्या लोकतंत्र में इससे अपमानजनक कुछ हो सकता है कि एक मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों को कोई अन्य व्यक्ति रद्द करवा दे?

- पेज 7 भी देखें

क्या है विधानसभा का अंकगणित

सत्ता पक्ष		विपक्ष	
झामुमो	27	भाजपा	24
कांग्रेस	17	आजसू	03
राजद	01	निर्दल	03
माले	01		
कुल	46	कुल	30

वर्तमान में विधायकों की संख्या -76 क्योंकि... झामुमो के नलिन सोरेन, जोबा मांझी सांसद बने. सीता सोरेन ने इस्तीफा दिया. भाजपा के ढुल्लू महतो, मनीष जायसवाल भी सांसद बने.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोले- हमारे पास ऐसी कोई जानकारी ही नहीं

रांची। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि हमारे पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है. हमारे पास सिर्फ यह जानकारी है कि वह अपनी बेटी से मिलने दिल्ली गये हैं. ये सब अफवाहें हैं, चंपाई सोरेन के नाराज होने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हेमंत सोरेन के सीएम बनने के बाद चंपाई सोरेन को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है.

सीएम ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा

पैसे के दम पर तोड़ी जा रही घर और पार्टी : हेमंत

पाकुड़ में मंईयां सम्मान योजना का सीएम से चेक पाकर प्रसन्न महिला.

प्रमुख संवाददाता। रांची

सीएम बोले

- चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था नहीं, भाजपा की संस्था
- संथाल को झारखंड से अलग करना चाहती है भाजपा

सीएम हेमंत सोरेन ने रविवार को गोड्डा में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने स्पष्ट कहा कि हम चुनौती देते हैं कि आज घंटी बजाओ, कल इनका हम सफाया करेंगे. घर और पार्टी, पैसे के दम पर तोड़ी जा रही है. भाजपा पार्टी तोड़ने का काम करती है. उन्होंने चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा, कहा कि यह संवैधानिक संस्था नहीं रही, अब भाजपा की संस्था हो गई है. जल्द ही चुनाव की घंटी बजने वाली है. चुनाव की घंटी हमारे विरोधी भाजपा के पास है.

झाड़ू पोछा मार कर गुजरात भेज देना होगा : सीएम ने कहा कि झाड़ू पोछा मार कर भाजपावालों को गुजरात भेज देना होगा. ये गुजरात, असम, महाराष्ट्र से लोगों को लाकर यहां आदिवासी, दलित, पिछड़े अल्पसंख्यों में जहर बोने का काम करते हैं. समाज को तोड़ने के साथ घर भी फोड़ने का काम करते हैं. पार्टी तोड़ने का काम करते हैं. आए दिन कभी इस विधायक को खरीद ले, तो कभी उस विधायक को खरीद लो. पैसा ऐसा चीज है कि नेताओं को इधर से उधर जाने में देरी नहीं लगती है.

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी 'इंडिया' गठबंधन की सरकार 2019 से निरंतर जनता के बीच में खड़ी है. उन्होंने कहा कि संथाल की महान पावन धरा को भाजपा झारखंड से अलग करना चाहती है, लेकिन उनका यह सपना हम कभी पूरा नहीं होने देंगे. भाजपा में कई बड़े-बड़े वकील हैं, इनके कई लोग जज बनकर भी बैठे हैं. हमलोग नियोजन नीति बनाते हैं, तो इनके लोग हमें रोकने का काम करते हैं.

चंपाई को गद्दी से उतारना सही नहीं था : संजय सेठ

रांची। चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ ने कहा कि कि इस खबर में कितनी सच्चाई है, मुझे नहीं पता है. लेकिन, चंपाई एक अच्छे राजनेता हैं, काफी ईमानदार छवि है उनकी. सेठ ने कहा कि इस तरह उन्हें गद्दी से उतरना कहीं से भी सही नहीं था. वे अपने पद और कामों को बखूबी निभा रहे थे. वह एक ईमानदार और मास लीडर हैं.

कोलकाता कांड पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई कल

एजेंसी। नयी दिल्ली/कोलकाता

कोलकाला के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहा है. इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया है. सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की तीन जजों की पीठ मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करेगी. बता दें कि 17 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष इस मामले पर एक याचिका दायर की गई थी.

सीबीआई ने पूर्व प्राचार्य को कॉल डिटेल देने को कहा

सीबीआई के अधिकारी कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य डॉ संदीप घोष की कॉल डिटेल और चैट की जानकारियां जुटा रहे हैं. लगातार तीसरे दिन रविवार को सीबीआई अधिकारियों के समक्ष पेश हुए घोष को अस्पताल में घटना से पहले और उसके बाद किए फोन कॉल की जानकारियां देने को कहा गया. सीबीआई मोबाइल फोन सेवा प्रदाता से जानकारी लेने पर भी विचार कर रही है.

जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल जारी

न्याय की मांग को लेकर जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल रविवार को भी जारी रही. देश भर में लगातार 10वें दिन भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं. सरकारी अस्पतालों में रविवार को ओपीडी बंद रहने के कारण मरीजों की भीड़ कम रही.

188 शरणार्थियों को नागरिकता मिली

एजेंसी। अहमदाबाद

- मुस्लिमों को आश्वासन दिया- सीएए में नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि कांग्रेस तथा उसके सहयोगियों की अगुवाई वाली पिछली सरकारों की तुष्टिकरण की राजनीति के कारण देश में बड़ी संख्या में शरणार्थियों को नागरिकता अधिकार नहीं दिए गए. शाह गुजरात में 188 हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता प्रमाणपत्र देने के बाद अहमदाबाद में एक सभा को संबोधित कर रहे थे. केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लाखों शरणार्थियों को उनके अधिकार एवं न्याय देने के लिए है. उन्होंने मुस्लिमों को भी आश्वासन दिया कि सीएए में किसी की भी नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है. उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने करोड़ों घुसपैठियों को देश में घुसने की अनुमति दी और उन्हें गैरकानूनी तरीके से नागरिक बनाया.

शरणार्थी को नागरिकता प्रमाण पत्र देते अमित शाह.

विरोध | यूपीएससी में लेटरल एंट्री से भर्ती पर विपक्ष भड़का, राहुल, अखिलेश व मायावती का केंद्र पर निशाना

वंचितों के आरक्षण व सामाजिक न्याय पर चोट की साजिश : राहुल

मोदी सरकार द्वारा लेटरल एंट्री को लागू करने के फैसले के खिलाफ विपक्ष ने मोर्चा खोल दिया है. विपक्ष के नेताओं ने केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों में संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों के प्रमुख पदों पर लेटरल एंट्री के जरिये जल्द ही 45 विशेषज्ञ नियुक्त किए जाने के फैसले को भाजपानीत केंद्र सरकार की मनमानी बताया है. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसे प्रशासनिक ढांचे और सामाजिक न्याय दोनों को चोट पहुंचाने वाला फैसला बताया. वहीं अखिलेश और मायावती ने इस भर्ती को साजिश और संविधान का उल्लंघन करार दिया.

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों में लेटरल एंट्री के जरिये जल्द ही 45 विशेषज्ञ नियुक्त किए जाने के फैसले की आलोचना की है. उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि पीएम मोदी यूपीएससी की जगह आरएसएस के जरिए लोकसेवकों की भर्ती कर संविधान पर हमला कर रहे हैं. केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में महत्वपूर्ण पदों पर लेटरल एंट्री के जरिए भर्ती कर खुलेआम खुलेआम एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग का आरक्षण छीना जा रहा है. यह यूपीएससी की तैयारी कर रहे प्रतिभाशाली युवाओं के हक पर डाका और वंचितों के आरक्षण समेत प्रशासनिक ढांचे व सामाजिक न्याय की परिकल्पना पर चोट है. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के इस फैसले का 'इंडिया' गठबंधन मजबूती से विरोध करेगा.

खास बातें

- सपा सुप्रीमो ने दो अक्टूबर से आंदोलन की दी चेतावनी
- एससी, एसटी व ओबीसी का आरक्षण छीनने का षड्यंत्र

फैसला वापस ले सरकार: अखिलेश

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि भाजपा अपनी विचारधारा के संगी-साथियों को पिछले दरवाजे से यूपीएससी के उच्च सरकारी पदों पर बैठाने की जो साजिश कर रही है, उसके खिलाफ एक देशव्यापी आंदोलन करने का समय आ गया है. सपा प्रमुख ने इस फैसले को तत्काल वापस लेने की अपील की. उन्होंने कहा कि इस फैसले के खिलाफ दो अक्टूबर से एक नया आंदोलन शुरू करेंगे.

संविधान का उल्लंघन: मायावती

बसपा प्रमुख मायावती ने भी केंद्र सरकार के इस फैसले को गलत और मनमानी वाला बताया. उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि केंद्र में संयुक्त सचिव, निदेशक एवं उपसचिव के 45 उच्च पदों पर सीधी भर्ती का निर्णय सही नहीं है. इन सरकारी नियुक्तियों में एससी, एसटी व ओबीसी समुदायों के लोगों को उनके कोटे के अनुपात में अगर नियुक्ति नहीं दी जाती है, तो यह संविधान का सीधा उल्लंघन होगा.

क्या है केंद्र सरकार का फैसला

यूपीएससी ने अलग-अलग मंत्रालयों में संयुक्त सचिव और निदेशक/ उपसचिव स्तर के 45 पदों के लिए भर्ती निकाली है. इन पदों को अनुबंध के आधार पर लेटरल एंट्री के माध्यम से भरा जाना है. इनमें से 10 पद संयुक्त सचिव के लिए और 35 पद निदेशक/ उपसचिव के लिए हैं. इन पदों पर नियुक्त होने वाले अधिकारी सरकार के साथ तीन साल के अनुबंध पर काम करेंगे. अगर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा, तो यह अनुबंध पांच साल तक बढ़ाया जा सकता है.

बुलंदशहर में बस व पिकअप में टक्कर, 10 लोगों की मौत

एजेंसी। बुलंदशहर

- बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर गाजियाबाद की ओर से आ रही पिकअप वैन सामने से आ रही निजी बस से टकराई

बुलंदशहर के सलेमपुर थाना क्षेत्र में रविवार को पिकअप और बस की टक्कर में 10 यात्रियों की मौत हो गयी और 27 यात्री घायल हो गए. जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि पिकअप वैन गाजियाबाद से संभल की तरफ जा रही थी, तभी सलेमपुर थाना के करीब यह दुर्घटना हुई. उन्होंने कहा कि हादसे में कुल 37 यात्री घायल हुए, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गयी. वहीं 27 घायलों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है.

स्थानीय लोगों के मुताबिक, बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर गाजियाबाद की ओर से आ रही पिकअप वैन सामने से आ रही निजी बस से टकरा गई. पुलिस के अनुसार, इस हादसे में जान गंवाने वाले 10 लोगों में से सात अलीगढ़ जिले के हैं और एक बुलंदशहर जिले का है, जबकि दो मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है. मृतकों की पहचान अलीगढ़ जिले के पाली थाना इलाके के अहेरिया नगला निवासी मुकुट सिंह (35), दीन नाथ (45), ब्रजेश (18), शिशुपाल (27), बाबू सिंह (19), गिरिराज सिंह (26) और सुगरपाल (35) के आवाला बुलंदशहर जिले के रामघाट थाना इलाके के ऊंचा गांव निवासी ओमकार (30) के रूप में हुई है.

झारखंड पुलिस मुख्यालय में कल डीजीपी अनुराग गुप्ता करेंगे समीक्षा

डायल 112 के रिस्पांस टाइम की समीक्षा करेंगे डीजीपी

संवाददाता। रांची

डीजीपी अनुराग गुप्ता 20 अगस्त को झारखंड पुलिस मुख्यालय में डायल 112 के रिस्पांस टाइम और ट्रैकिंग सिस्टम की समीक्षा करेंगे. इस दौरान अगर किसी पुलिस अफसर या पुलिसकर्मी की लापरवाही सामने आयी तो उसपर कार्रवाई भी हो सकती है. डीजीपी अनुराग गुप्ता की पहल पर डायल 112 को क्यूआर कोड डेवलप किया गया है. इस क्यूआर कोड की कॉपी ऑटो, बस और एटीएम सहित शहर के विभिन्न

स्थानों में लगा दिया गया है. अगर आप किसी संकट में हैं, तो आप क्यूआर कोड को स्कैन कर पुलिस की हेल्प ले सकते हैं.

चिपकाया जा रहा क्यूआर कोड : रविवार को कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में क्यूआर कोड को सार्वजनिक स्थानों पर चिपकाया गया. क्यूआर कोड को सभी ऑटो, ई-रिक्शा और नगर निगम के सभी बसों पर चिपकाया जा रहा है. महिलाएं आसानी से स्कैन कर डायल-112 में छेड़खानी व अन्य शिकायत दर्ज कर सकेंगी.

जानिए कैसे क्यूआर कोड करेगा काम

डायल 112 के क्यूआर कोड को डीजीपी अनुराग गुप्ता के प्रयास से डेवलप किया गया है. इसे पुलिस के टेक्निकल सेल ने डेवलप किया है. शहर के किसी भी जगह पर अगर कोई आदमी मुसीबत में फंसा हो, तो वह क्यूआर कोड को स्कैन कर पुलिस को अपनी परेशानी बताकर मदद मांग सकता है. इसके लिए सबसे पहले क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा. मोबाइल से स्कैन करते ही मोबाइल में एक फॉर्म दिया जायेगा, जिसमें मात्र चार पाइंट भरने होंगे. इसके बाद तुरंत 112 से कनेक्ट हो जायेगा. वहां से सीधे आपसे संपर्क किया जायेगा और आपके नजदीक मौजूद पीसीआर या क्यूआरटी आप तक पहुंच जायेगी. यह तो उसके लिए आसान है, जिसके पास स्मार्ट फोन है. अगर किसी के पास स्मार्ट फोन नहीं है, अगर वो आपसे मदद मांगता है तो आप उसकी भी मदद कर सकेंगे.

डीजीपी पैनल के लिए यूपीएससी से अनुशंसा की जाएगी

नये डीजीपी की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

संवाददाता। रांची

झारखंड में नये डीजीपी के नाम की खोज शुरू हो गयी है. इसके लिए योग्यता ये है कि वह अधिकारी आईपीएस के रूप में 30 साल की नौकरी पूरी कर ली हो. साथ ही उस अधिकारी को सेवानिवृत्त होने में कम से कम छह माह बचे हों. योग्यता के अनुसार , राज्य सरकार 1994 बैच या इससे पूर्व के सभी आईपीएस अधिकारियों के नामों को डीजीपी पैनल के लिए यूपीएससी से अनुशंसा करेगी. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 1989 बैच के अजय कुमार, 1990 बैच के अनुराग गुप्ता, 1990 बैच के अनिल पालटा, 1992 बैच के प्रशांत सिंह, 1992 बैच के आरके मल्लिक, 1993 बैच के एमएस भाटिया, 1994 बैच की तदाशा मिश्रा और संपत मीणा और 1995 बैच के संजय आनंद राव लाठकर से बायोडाटा मांगा है. बता दें कि डीजीपी का कार्यकाल दो साल का होता है. वर्तमान में 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता झारखंड के प्रभारी डीजीपी है.

डीजीपी की सेवानिवृत्ति से तीन माह पहले भेजा जाता है आईपीएस अधिकारियों का नाम : राज्य सरकार डीजीपी पद के पैनल के लिए आईपीएस अधिकारियों का नाम, उनका कार्यकाल व उनकी छवि आदि डीजीपी की सेवानिवृत्ति से तीन महीने पहले यूपीएससी को भेजती है. ऐसी स्थिति में उम्मीद है कि इस वर्ष अक्टूबर तक राज्य सरकार नये डीजीपी के लिए छह आइपीएस अधिकारियों के नामों का पैनल भेज सकती है, जिसमें से तीन नामों का चयन कर यूपीएससी राज्य सरकार को भेजेगी.

खास बातें

- डीजीपी का कार्यकाल दो साल का होता है
- वर्तमान में अनुराग गुप्ता प्रभारी डीजीपी बनाए गए हैं

झारखंड में रेशम उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

राज्य के मलवरी कीटपालकों को मिलेंगे उपकरण-सुविधाएं

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने की कवायद शुरू कर दी गई है. अब मलवरी रेशम उत्पादन को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने जोर दिया है। इसके तहत महेशपुर (पाकुड़), राजमहल (साहिबगंज), गुमला, नेतरहाट (लोहरदगा), रातू (रांची), बेड़ो (रांची), खूंटी और सिमडेगा में जनजातीय क्षेत्र के तहत मलवरी कीटपालकों को कीटपालन उपस्कर की सुविधा प्रदान की जाएगी. इसके लिए 62 लाख 50 हजार 750 रुपए की स्वीकृति दी गई है. वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में जनजातीय क्षेत्र उप योजना के तहत झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को नौ करोड़ 58 लाख रुपये की राशि दी गई है. वहीं, वित्तीय वर्ष 2024-25 में जनजातीय क्षेत्र उपयोजना के तहत समेकित खादी विकास के तहत पूंजी परिसंपत्ति के सृजन के लिए अनुदान मद में पांच करोड़ 40 लाख रुपये की राशि दी गई है. रेशम योजना बजट के जनजातीय प्रक्षेत्र के कार्यालय व्यय, मजदूरी, आपूर्ति व सामग्री, कार्यालय उपकरण, राजकीय फार्म का सुदृढ़ीकरण, अनुरक्षण मरम्मत व सुसज्जीकरण तथा मोटर वाहन मद में चार करोड़ 86 लाख 35 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है.

रेशम उद्योग में जुड़े हैं 2.50 लाख : अब तक इस उद्योग से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 2.50 लाख लोग जुड़े हुए हैं. इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए लिए तसर फूड प्लांट, रेशम कीट और कोकून से संबंधित उत्पादकता में सुधार के लिए 25 अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की गई हैं. साथ ही रेशम उत्पादन से जुड़े 6300 लोगों को उन्नत कीट पालन का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है. इसके अलावा रीलिंग, स्पिनिंग व पोस्ट कुकुन क्रियाकलापों से संबंधित विभिन्न योजनाएं भी चल रही हैं.

देश का 70 फीसदी तसर उत्पादन झारखंड में : देश में कुल उत्पादित तसर का 70 फीसदी उत्पादन अकेले झारखंड में ही होता है. झारखंड के खरसावां-कुचाई आर्गेनिक रेशम उत्पादन के लिए पूरे देश में प्रसिद्धि पा चुका है. झारखंड में सिल्क का सालाना कारोबार लगभग 30 करोड़ रुपये का है. यहां के कुकून की भारी मांग है. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित जेएसएलपीएस द्वारा महिलाओं को इसकी खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

ऑर्गेनिक तसर को मिल चुका है दर्जा : खरसावां और कुचाई में तैयार तसर को आर्गेनिक का दर्जा मिल चुका है. इसकी मांग विदेश में भी है. कुचाई प्रखंड में सबसे अधिक सिल्क का उत्पादन होता है. झारक्रॉफ्ट की ओर से कुचाई सिल्क के नाम से सिल्क साड़ी विदेशों में भी धूम मचा रही है। राज्य सरकार और एनजीओ के माध्यम से वान्या कलस्टर संवर्धन कार्यक्रम, महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना, जैसे विभिन्न कार्यक्रम की शुरुआत की गई है. महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के अंतर्गत राज्यों को नर्सरी स्थापित करने और खाद्य पौधों बीज फसल, रिंग वाणिज्य ग्रेडिंग के साथ रेशम कीट भी उत्पादन के लिए सहायता प्रदान की गई है.

कोल्हान में होता है 35 फीसदी तसर कोसा का उत्पादन : झारखंड में 35 फीसदी तसर कोसा का उत्पादन कोल्हान में होता है. उद्योग विभाग ने कोल्हान में तसर का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया है. इसके लिए छह क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान स्टेशनों,तीन अनुसंधान विस्तार केंद्रों से अत्याधुनिक तकनीकी जानकारी प्रदान की जा रही है.

तसर उत्पादन के लिए झारखंड की जलवायु उपयुक्त : तसर उत्पादन के लिए झारखंड की जलवायु उपयुक्त है. अर्जुन, आसान एवं साल की पत्तियों को ग्रहणकर तसर उत्पादित करने की दुर्लभ क्षमता प्रकृति ने कुछ विलक्षण व विशिष्ट प्रकार के कीटों को प्रदान की है. राज्य में संबंधित पेड़ों की बहुलता तसर उत्पादन का बड़ा आधार है. इन पेड़ों की पत्तियां इन कीटों के लिए बेहतरीन भोज्य हैं, जो बेहतरीन तसर के उत्पादन का वाहक है. वहीं तसर कीटपालन परोक्ष रूप से पर्यावरण एवं वन संरक्षण में भी सहायक है.

- रेशम उद्योग में जुड़े हैं 2.50 लाख लोग
- रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मिलेगी सुविधाएं
- खादी ग्रामोद्योग बोर्ड को मिले 9.58 करोड़ रुपये
- 62.50 लाख से खरीदे जाएंगे उपकरण
- समेकित खादी विकास के लिए 5.40 करोड़ रुपये
- झारखंड में सिल्क का सालाना कारोबार 30 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का है

बैनरों से चंपाई का नाम व निशान गायबः बाउरी

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा है कि हेमंत सरकार के बैनरों व योजनाओं से चंपाई सोरेन का नाम व निशान गायब है. उन्होंने ट्वीट में आगे लिखा है कि फिर जेल से बाहर निकले हेमंत सोरेन और उन्होंने कॉपी पेस्ट व सत्ता हथियाना का खेल शुरू किया. खैर दूसरों के किए गए कार्यों पर क्रेडिट लेना और पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा दी गयी नौकरियों के नियुक्ति पत्र बांटने में हेमंत सोरेन पारंगत प्राप्त हैं. मुख्यमंत्री पाकुड़ के गायबथान में मुख्यमंत्री मंईयां योजना की शुरुआत करने गए थे. परंतु विडंबना देखिए, वहीं के जिस होपनी मरांडी, दांदु हेंब्रम, रानी मुर्मू की जमीन बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा लूट ली गई थी, उसे नहीं लौटाया. झामुमो-कांग्रेस ने गरीबों को 72000 सालाना देने का वादा किया था, हेमंत सोरेन के झूठे वादे की थोड़ी भरपाई की.

आछसं की चिंता : राज्य सरकार पांच साल में नहीं बना पायी पेसा कानून

राजनीतिक दलों में बाहरी ज्यादा

संवाददाता। रांची

आदिवासी छात्र संघ की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को रांची में केंद्रीय कार्यालय करम टोली में की गयी. केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई. इसमें झारखंड के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा की गई. केंद्रीय कोषाध्यक्ष और संयोजक डॉ. जलेश्वर भगत ने अपनी चिंता व्यक्त किया.कहा कि पांच वर्षों में राज्य सरकार राज्य में स्थानीय नीति, पेसा कानून लागू नहीं कर पाई है, जो आदिवासी समुदाय के हितों के लिए हानिकारक साबित हो रहा है.

हो रहा भेदभाव : केंद्रीय मीडिया प्रभारी सुमित उरांव ने कहा कि राजनीतिक दलों में बाहरी हस्तक्षेप बढ़ रहा है. झारखंडी कार्यकर्ताओं को अनारक्षित सीटों पर कोई महत्वपूर्ण स्थान नहीं दिया जा रहा है. उनके साथ भेदभाव व्यवहार हो रहा है, जिससे राज्य के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ता जा रहा है. केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव ने कहा कि राज्य के आदिवासी समुदाय को एकजुट होने की जरूरत है. साथ ही आदिवासियों को शिक्षित होना होगा. बैठक में राजू उरांव, रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष मनोज उरांव, भुवनेश्वर मुंडा, देवदर्शन उरांव, महादेव उरांव मौजूद रहे.

आछसं की बैठक में शामिल पदाधिकारी.

विस चुनाव में भाजपा 65, जदयू 13, आजसू 18 और लोजपा को चाहिए 10 सीट

ये दिल मांगे मोरः दावा पर दावा, पिक्चर क्लिर नहीं

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में सियासी पारा चढ़ता जा रहा है. नेताओं का एक दल से दूसरे दल में आना-जाना जारी है. भाजपा में दूसरे दलों के नेताओं के शामिल होने की होड़ मची हुई है. चंपाई सोरेन को लेकर कयासों का बाजार गर्म है. टिकट की आस में यह सबकुछ हो रहा है. लेकिन इस बीच भाजपा के सहयोगी दलों ने भी अपनी डिमांड विभिन्न प्लेटफॉर्म में रख रहे हैं. सीट को लेकर दावा पर दावा किया जा रहा है. बस ये दिल मांगे मोर.

भाजपा 65 सीटों पर लड़ना चाहती है चुनाव : भाजपा झारखंड में 65 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है. भाजपा के फायर ब्रांड नेता इसके लिए झारखंड में किलाबंदी भी कर रहे हैं. इंडी गठबंधन को हर मुद्दों पर घेरने की कोशिश की जा रही है. पार्टी के आला पदाधिकारियों का कहना है कि जिन 2019 में जिन सीटों पर पार्टी ने जीत दर्ज की थी, उसे दूसरे को नहीं दिया जाए. वहीं दूसरा दावा यह भी है कि लोकसभा चुनाव में जिन विधानसभा सीटों पर भाजपा को बढ़त मिली थी, उन सीटों पर भाजपा का दावा बनता है.

आजसू 18 और जदयू ने 12 सीटों पर किया है दावा : भाजपा के सहयोगी दल आजसू और जदयू भी सीट शेयरिंग को लेकर दावा पर दावा करते नजर आ रहे हैं. जदयू ने 12 और आजसू ने 12 सीटों पर दावा किया है. लेकिन अब तक पिक्चर क्लियर नहीं हो पाया है. वहीं एनडीए फोल्डर में शामिल लोजपा ने भी 10 सीटों पर दावा किया है. बहरहाल सभी दल जोर लगा रहे हैं. जानकारी के अनुसार इस महीने के अंत तक सीटें शेयरिंग का फॉर्मूला तय होने की संभावना है. अब देखना दिलचस्प होगा कि किसके खाते में कितनी सीटें आएंगी.

खास बातें

- चुनाव पास आते ही पार्टियों में सीट को लेकर खींचतान शुरू
- सभी दल सोशल मीडिया पर अपने-अपने दावे ठोंक रहे हैं

राज्यपाल ने आनंदी बेन से की मुलाकात

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से लखनऊ राज भवन में शिष्टाचार भेंट की. उक्त अवसर पर उन्होंने राज्य में उच्च शिक्षा में सुधार के संदर्भ में चर्चा की.

भारत सरकार ने कैदियों से मुलाकात के लिए ई-प्रिसन पोर्टल किया है लॉन्च

17,718 कैदियों से हर दिन मिल रहे 1198 लोग

संवाददाता। रांची

झारखंड के 31 जेलों में बंद कैदियों से हर दिन 1198 लोग मुलाकात कर रहे हैं. बीते 18 दिनों की बात करें 21570 लोग जेल में बंद कैदियों से मिलने आये हैं. बता दें कि झारखंड में कुल 31 जेल हैं. इनमें सात सेंट्रल जेल, 16 डिस्ट्रिक्ट जेल, हजारीबाग में एक ओपन जेल और सात सब-जेल हैं. इन जेलों में कुल 17718 कैदी बंद हैं. इनमें 12397 अंडर ट्रायल और 5321 सजायाफ्ता कैदी हैं.

कारगर साबित हो रहा ई-प्रिसन पोर्टल : भारत सरकार ने जेल में बंद कैदियों से मुलाकात के लिए ई-प्रिसन पोर्टल लॉन्च किया है. ई-प्रिसन पोर्टल के माध्यम से झारखंड में हर दिन जेल में बंद कैदी से लोग मुलाकात कर रहे हैं. एनआईसी ने ई-प्रिसन पोर्टल को विकसित किया और इसे दिसंबर 2014 में झारखंड में लागू किया. इस एप्लीकेशन का

मुख्य उद्देश्य झारखंड के कारा विभाग के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्रदान करना है. यह एप्लीकेशन बंदियों में सुधार, व्यापक पारदर्शिता और केंद्रीकृत डेटाबेस नियोजन व प्रबंधन, बंदियों की बेहतर दक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देता है. इस पोर्टल के माध्यम से जेल में बंद कैदी के परिवार के कोई भी सदस्य घर बैठे अपने मोबाइल या कंप्यूटर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बात कर सकते हैं. इतना ही नहीं इस पोर्टल के जरिये जेल में बंद कैदी से फेस टू फेस मिलने के लिए भी ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं.

झारखंड में 856 महिला कैदी, पर एक भी महिला जेल नहीं : झारखंड में कुल 868 महिला कैदी हैं. पर यहां अब तक महिला कैदियों के लिए अलग से जेल नहीं बनाया गया है. जबकि पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल और बिहार में महिलाओं के लिए अलग से जेल है. बिहार में 2890 महिलाएं जेल में बंद हैं. बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, गुजरात जैसे राज्य में दो-दो महिला जेल हैं. तमिलनाडु जैसे राज्य में 13 महिला जेल हैं, जिसमें 790 महिला कैदी को रखा गया है. केरल के चार महिला जेलों में 186 महिला बंदी हैं. राजस्थान में सात महिला जेल में 688 महिला बंदी हैं.

ऑनलाइन कार्डियोजोन में विशेषज्ञों ने दिए टिप्स

संवाददाता। रांची

रविवार को ऑनलाइन कार्डियोजोन 2024 का आयोजन किया गया, जिसमें देश विदेश के गणमान्य हृदय रोग विशेषज्ञों ने व्याख्यान पेश किया. सम्मेलन के प्रथम व्याख्यान में कार्डियोजोन के संयोजक अध्यक्ष डॉ वीके जगनाणी ने इसीजी में पी वेव के महत्व एवं उपयोगिता पर बल दिया. वडोदरा से डॉ प्रगनेश शाह ने आधुनिक समय में हृदय रोग से बचने के लिए नियमित व्यायाम, पौष्टिक गृह निर्मित भोजन, रक्तचाप एवं मधुमेह के नियंत्रण का महत्व बताया. हैदराबाद के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ भरत पुरोहित ने अनियंत्रित रक्तचाप में रियल डीनरवेशन एवं स्ट्रोक में एलए ऑक्लूडर जैसे नूतन उपचार पर व्याख्यान दिया. कोयम्बटूर से डॉ मोहन ने हृदय रोग में नूतन उपचारः स्टेम सेल्स के उपयोग पर व्याख्यान दिया. सूरत से डॉ विस्मय परमार ने हृदय रोग में विभिन्न प्रकार के रोग एवं उनके उपचार पर विचार रखे.

विधायक राजेश कच्छप से मिला चौकीदार-दफादार संघ का प्रतिनिधिमंडल

रांची। दफादार-चौकीदार के प्रतिनिधि मंडल ने रविवार को खिजरी विधान सभा क्षेत्र के विधायक राजेश कच्छप से नामकुम स्थित उनके पैतृक आवास में मिलकर एक मांग पत्र सौंपा है. मांग पत्र में चौकीदारों के रिक्त पदों पर निकला गया विज्ञापन पर तत्काल रोक लगाने और रद्द करने की मांग की गई. वहीं मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने बताया विधायक जी के साथ अगर सार्थक वार्ता नहीं होती है तो पुनः आगे की रणनीति तय करके आंदोलन शुरू किया जाएगा.

क्लासिफाइड

विचार-मंथन

विश्व हिंदू परिषद की झारखंड प्रांतीय कार्यसमिति की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

धार्मिक ग्रंथ घर में होने से बच्चों में आता है संस्कार : अमरीश सिंह

संवाददाता। रांची/कोडरमा

विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत कार्यसमिति की बैठक रविवार को संपन्न हुई. तीन दिवसीय प्रांत कार्यसमिति की बैठक शिव वाटिका झुमरी तलैया में 16 से 18 अगस्त हुई. बैठक की अध्यक्षता प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत जी ने की. बैठक में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी व विहिप के अन्य सभी आयम के प्रांत, जिला अधिकारी व कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए. बैठक के समापन समारोह में मुख्यवक्ता के रूप में अमरीश सिंह जी ने कहा कि सभी हिंदू परिवार में हिंदू संस्कार की रचना करने का कार्य विश्व हिंदू परिषद करती है. विश्व हिंदू परिषद अपने 60 वर्ष पूरे करने जा रही है. हर घर में धार्मिक पुस्तिका, धार्मिक कार्यक्रम से ही बच्चों में संस्कार की रचना की जा सकती है. सभी हिंदू धार्मिक स्थान पर सभी सिर्फ हिंदू होते हैं. डॉ रविंद्र नारायण सिंह ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद में सभी अधिकारी और कार्यकर्ता एक समान हैं और सभी को एक साथ मिल कर काम करने की आवश्कता है.

कार्यक्रम में पुस्तिका का विमोचन करते पदाधिकारी.

बैठक में इस तीन दिवसीय बैठक में होने वाले कार्यक्रम के संदर्भ में योजना बनाई गई. बैठक में प्रांत नवीन दायित्व की घोषणा क्षेत्रीय मंत्री वीरेंद्र विमल जी और ज़िला नवीन दायित्व की घोषणा प्रान्त उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव जी ने की. नवीन दायित्व में प्रांत से राजेन्द्र कुमार मुंडा उपाध्यक्ष, रंगनाथ महतो प्रांत बजरंगदल संयोजक सह प्रांत सहमंत्री, जनार्दन पांड्ये बजरंग दल प्रांत सह संयोजक, संतोष कुमार प्रांत विशेष संपर्क टोली ,विनय कुमार प्रांत सेवा विभाग टोली सदस्य, मुकुंद नायक प्रांत कार्यकारिणी सदस्य, सुभाष नेत्रगांवकर प्रांत कार्यकारिणी सदस्य, विरेन्द्र यादव प्रांत कार्यकारिणी सदस्य, शौर्या सिंह प्रांत शक्ति साधना केंद्र प्रमुख व रांची विभाग के रवि शंकर राय मंत्री, फूल कुमारी देवी मातृ शक्ति सह प्रमुख, कीर्ति गौरव दुर्गा वाहिनी संयोजिका, शालनी मिश्रा सहसंयोजिका, कल्याण श्यामल विभाग संगठन मंत्री, गुमला विभाग सहमंत्री मनोज वर्मा, सतीश पांडे विभाग सत्संग प्रमुख, सिंहभूम विभाग अरुण सिंह सहमंत्री व जिला के नाम की घोषणा की गई.

अरण्यभूमि त्रैमासिक पुस्तिका का विमोचन

बैठक में विश्व हिंदू परिषद द्वारा अरण्यभूमि त्रैमासिक पुस्तिका का विमोचन किया गया. इस बैठक में मुख्य रूप से श्री कृष्ण चैतन्य ब्रह्मचारी जी प्रांत मार्गदर्शन मंडली, डॉ रविंद्र नारायण सिंह पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष वर्तमान में केंद्रीय टोली सदस्य, अमरीश सिंह जी केंद्रीय मंत्री, आनंद कुमार पटना क्षेत्रीय संगठन मंत्री, वीरेंद्र विमल जी क्षेत्रीय मंत्री, चंद्रकांत रायपात जी प्रांत अध्यक्ष, गंगा प्रसाद यादव प्रांत उपाध्यक्ष, मनोज पोद्दार प्रांत शाह मंत्री, रामनरेश सिंह प्रांत सहमंत्री, रंगनाथ महतो प्रान्त सहमंत्री, देवी सिंह प्रांत संगठन मंत्री, मनोज पांडे मौजूद थे. मंच संचालन रंगनाथ महतो ने किया.

तापमान
30.4° अधिकतम | 24.0° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

स्पोर्ट्स+
दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराकर श्रृंखला जीती
हमारी लड़ाई जारी रहेगी, सच्चाई की जीत होगी : विनेश फोगाट
भारत 'ए' ने ऑस्ट्रेलिया 'ए' को हराया
पेज 10

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 19 अगस्त 2024 ● श्रावण पूर्णिमा, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ [illegible] ● वर्ष : 2, अंक : 131 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

हरमू के वसंत विहार रोड नंबर एक में खराब स्ट्रीट लाइट.

इतना अंधेरा क्यों है भाई...

स्ट्रीट लाइटें खराब, राजधानी के मोहल्लों में पसरा रहता है अंधेरा

- वार्ड 25, 26 और 27 में 290 स्ट्रीट लाइट दो माह से खराब
- वार्ड 08, 09 और 10 में 60 से 70 बिजली पोल की बत्ती गुल
- वीवीईपी हरमू रोड की भी 25 स्ट्रीट लाइटें बुझी हुई हैं
- कोकर इंडस्ट्रियल एरिया की 36 में से 24 स्ट्रीट लाइट खराब

आकर्ष अनिकेत/ रेहान अहमद।रांची

शहर के कई मोहल्लों में रात के वक्त अंधेरा पसरा रहता है. रात में मोहल्लों को रौशन करने के निगम द्वारा स्ट्रीट लाइट लगायी गयी है, पर कुछ जलती है, कुछ भुकभुकाती और कुछ बुझी की बुझी ही रहती है. रात के वक्त शहर के मोहल्लों से गुजरने पर धूप अंधेरा पसरा रहता है. वार्ड नंबर आठ और 10 के कई मुहल्लों का हाल कुछ ऐसा ही है. शहर के पुरुलिया रोड पर कई स्ट्रीट लाइट खराब पड़ी है. या तो बल्ब फ्यूज हो गए हैं या अन्य तकनीकी खराबी आ गयी है, जिससे लाइट गुल है. कुछ मुहल्लों में तो स्विच भी लगाया गया है, जो खराब हो गये हैं. कोकर चूना भट्टा में तो पोल पर लगे स्विच में खराबी के कारण कई लाइट नहीं जलती है. कुछ ऐसी ही हालत शहर के वार्ड 25, 26 और 27 के गली-मुहल्लों की भी है. और तो और वीवीईपी हरमू रोड की भी 25 स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं. स्ट्रीट लाइट खराब होने के कारण सड़कों पर अंधेरा पसरा रहता है. सड़कों पर अंधेरा व बारिश की वजह से आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं.

वार्ड 25 : 80 स्ट्रीट लाइटें खराब

वार्ड 25 की को-ऑपरेटिव कॉलोनी, नया टोली बस्ती, एचएल कॉलोनी, ईडब्लूएस क्वार्टर, एचटाइप, निगम पार्क के पास, ढेला टोली, झारखंड नगर, आनंद बिहार कॉलोनी, बसंत विहार कॉलोनी, उपकार नगर का कुल 80 स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं. वार्ड 25 के पूर्व पार्षद अर्जुन राम ने कहा कि उनके वार्ड में नगर निगम ने 400 स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की है, जिनमें से 80 लाइटें खराब हैं. उनके कार्यालय के पास की लाइट भी खराब हो गयी है. लोग लाइट ठीक कराने के लिये बार-बार कहते हैं, तो उन्हें समझा रहे हैं कि नगर निगम में बात हुई है, जल्द स्ट्रीट लाइटों को ठीक करा लिया जाएगा.

वार्ड 26 : 60 स्ट्रीट लाइटें दो माह से खराब

वार्ड 26 के हरमू बाजार, पटेल चौक, अशोक कुंज, मुक्तिधाम रोड, एलआईजी कॉलोनी, घोष टेंट हाउस गली, हरमू कॉलोनी, पार्षद के आवास के पाक की कॉलोनी, फारंकी स्ट्रीट, हरमू बस्ती, विद्यानगर, हरमू नया पुल के पास करीब 60 लाइटें खराब हैं. पूर्व पार्षद अरुण कुमार झा ने कहा कि वार्ड में नगर निगम ने 1000 स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की है. इनमें से 60 लाइटें करीब दो माह से खराब हैं. लोगों ने निगम में कई बार ज्ञापन दिया है, लेकिन लाइटें ठीक नहीं हुई.

वार्ड 10: सुंदर विहार व सुभाष चौक पर स्ट्रीट लाइट खराब

वार्ड 10 के सुंदर विहार और जतराटांड़ के पास सुभाष चौक पर भी स्ट्रीट लाइट खराब है. सुंदर विहार में तीन व सुभाष चौक के पास दो स्ट्रीट लाइट काफी दिनों से खराब पड़ी है. सुभाष चौक के पास रहने वाले दीपक महतो ने बताया कि पहले पार्षद से शिकायत करने पर स्ट्रीट लाइट बनवा दी जाती थी. अब पार्षद नहीं होने के कारण इसकी शिकायत कहां करें, पता ही नहीं चलता.

वार्ड 08 : कोकर इंडस्ट्रियल एरिया में भी रहता है अंधेरा

वार्ड आठ के कोकर इंडस्ट्रियल एरिया में रात में अंधेरा पसरा रहता है. इंडस्ट्रियल एरिया में लगभग 36 स्ट्रीट लाइटें लगी हैं. इनमें से सिर्फ 12 ही जलती हैं, बाकी खराब पड़ी हैं. कभी जलती ही नहीं. लोग पूर्व वार्ड पार्षद के पास शिकायत लेकर पहुंचते, लेकिन वे कुछ कर पाने की स्थिति में नहीं. लोगों की शिकायतें नगर निगम तक पहुंचाते हैं, लेकिन कोई सुनता ही नहीं.

वार्ड 27 में 150 लाइटें खराब : वार्ड 27 के श्रीनगर, किशोरगंज, हरमू रोड, भवानी नगर, आनंद नगर, कैलाश मंदिर के पास, राजा हाता में करीब 150 स्ट्रीट लाइटें खराब हैं. पूर्व पार्षद ओम प्रकाश ने कहा कि हमारे वार्ड में करीब 1000 स्ट्रीट लाइटें हैं. इनमें 150 लाइटें दो महीने से खराब हैं. लेकिन निगम का कोई ध्यान नहीं है. गली-मुहल्लों की बात तो छोड़ दीजिए, वीवीआईपी रोड हरमू रोड जहां नेता, मंत्री, आला अधिकारियों की लाल-पीली बत्ती वाली गाड़ियां सरपट दौड़ती हैं, वहां भी करीब 25 स्ट्रीट लाइट पिछले दो माह से खराब पड़ी हैं.

ब्रीफ खबरें

ठेस लगने पर ही कोई कड़ा निर्णय लेता है : राय

रांची। चंपाई सोरेन के भाजपा में जाने की खबरों के बीच सरयू राय ने बड़ा बयान दिया है. जमशेदपुर पूर्वी से विधायक सरयू राय ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व झामुमो नेता चंपाई सोरेन के भाजपा में जाने की अटकलों पर कहा कि अगर आदमी के मन में कोई ठेस लगती है, स्वाभिमान आहत होता है, तब जाकर वह ऐसा कड़ा निर्णय लेता है. बताते चलें कि पूर्व सीएम चंपाई सोरेन इस समय दिल्ली में हैं.

20 दारोगा इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नत हुए

रांची। झारखंड पुलिस के 20 दारोगा को इंस्पेक्टर रैंक में प्रोन्नति मिली है. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय के द्वारा रविवार को आदेश जारी कर दिया गया है. जारी आदेश के मुताबिक, प्रोन्नति पानेवाले दारोगा में सुधीर प्रसाद साहू, शिव बिहारी तिवारी, शंभु प्रसाद सिंह, त्रिलोचन तामसोए, पृथ्वी सेन दास, विजय कुमार, अभिजीत गौतम, मुकेश चौधरी, गुलशन भेंगरा,सोनी प्रताप, अजीत कुमार भारती, प्रशांत कुमार, हरदियूस टोप्पो, दयानंद सोरेन, संजय जनक मूर्ति, संजय चंद्र उरांव, राजीव प्रकाश, मोहम्मद कददूस, बैजनाथ कुमार और पूनम कुजूर शामिल हैं.

महिला सिपाही ने पति के खिलाफ केस किया

रांची। रातू रोड निवासी महिला सिपाही ममता देवी ने रातू थाना में आवेदन देकर अपने पति रवि स्टील निवासी धर्मेश ज्ञानी समेत देवर व गोतनी के खिलाफ लात-घूसों व लाठी डंडों से मारपीट करने का आरोप लगाया है. उन्होंने रातू थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है. महिला सिपाही ने बताया है कि वर्ष 2020 में उसके पति, देवर व गोतिनी ने मारपीट कर घर से निकाल दिया था. शनिवार को जब वह अपनी मां निर्मला देवी (65) के साथ अपनी जमीन देखने रवि स्टील चौक स्थित विवेकानंद कॉलोनी गयी, तभी रास्ते में उक्त आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की.

मास्टर स्ट्रोक : पाकुड़ में सीएम ने रक्षाबंधन पर राज्य की बहनों को दी बड़ी सौगात

81 हजार से अधिक महिलाओं के बैंक खाते में भेजी सम्मान राशि

- झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना नारी शक्ति को समर्पित
- सभी को हक-अधिकार देने का काम कर रही राज्य सरकार

प्रमुख संवाददाता।रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज का दिन विशेष कर राज्य की बहन-बेटियों के लिए शुभ और ऐतिहासिक दिन है. राज्य की आधी आबादी को उनकी सरकार इस रक्षाबंधन त्योहार के पावन अवसर पर "झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना" की सौगात दे रही है. इस योजना के तहत अब 21 वर्ष से 50 वर्ष की उम्र तक की पात्र महिलाओं को राज्य सरकार डीबीटी के माध्यम से प्रत्येक माह की 15 तारीख तक एक हजार रुपये सम्मान राशि उनके बैंक खाते पर भेजेगी.

सभी पात्र महिलाओं के बैंक खाते में हर वर्ष 12 हजार रुपये भेजे जाएंगे. वैसे तो उनकी ने सरकार गांव, गरीब, किसान, मजदूर सहित सभी वर्ग-समुदाय के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई हैं, जिसका लाभ गांव-गुरबा के लोग बखूबी ले रहे हैं. राज्य की नारी शक्ति के उत्थान के लिए एक विशेष योजना की जरूरत थी, जिसे "झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना" के रूप में पाकुड़ जिला की इस धरती से शुभारंभ किया जा रहा है. वे रविवार को गायबथान महेशपुर, पाकुड़ में आयोजित "झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का शुभारंभ के मौके पर अपनी बात रख रहेथे.

पाकुड़ से मंईयां सम्मान योजना की हुई शुरुआत

सीएम हेमंत का पत्ते से बनी टोपी पहना कर स्वागत करती महिला लाभुक.

गांव-गांव, घर-घर पहुंचाई सरकार की योजनाएं

सरकार राज्य के आदिवासी, मूलवासी, दलित, शोषित, पिछड़े सहित सभी वर्ग-समुदाय के लोगों के उत्थान और सर्वांगीण विकास लिए कई जन कल्याणकारी योजनाओं को प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतारने का काम किया है. राज्य सरकार ने पिछले साढ़े चार वर्षों में सभी वर्ग-समुदाय के लोगों को उनका हक-अधिकार देने का काम कर दिखाया है. राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण नीति निर्धारण के साथ-साथ राज्यहित में अनेक अहम फैसले लिए हैं जिससे झारखंड को अग्रणी राज्यों के श्रेणी में शुमार किया जा सके.

पाकुड़ वासियों इन महत्वपूर्ण योजनाओं की सौगात

सीएम ने 105.8015 करोड़ रुपये की 215 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया. इसमें 32.877 करोड़ रुपये की 14 योजनाओं का उद्घाटन और 72.9244 करोड़ रुपये की 201 योजनाओं की आधारशिला रखी. सीएम ने कुल 65948 लाभुकों के बीच 126.1593 करोड़ रुपये की परिसंपत्तियां बांटी.

सरकार किसानों के उत्थान के लिए समर्पित : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के किसानों के उत्थान के लिए समर्पित है. राज्य सरकार ने अब निर्णय लिया है कि यहां के कृषकों द्वारा लिए गए कृषि ऋण के रूप में सिर्फ 50 हजार रुपये ही नहीं, बल्कि दो लाख रुपये तक की राशि माफ की जाएगी.

मेरी बहनों के खाते में खटाखट-खटाखट सम्मान राशि पहुंचना शुरू

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य की मेरी बहनों के खाते में खटाखट-खटाखट सम्मान राशि पहुंचना शुरू हुआ. उन्होंने ट्वीट कर कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत हर बहना को हर साल 12 हजार.... एक नए युग का सूर्योदय हुआ है आज. योजना की पहली किश्त हमारी बहनों के खातों में पहुंच गई है. यह क्षण हमारे राज्य के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया है.हर चमकती आंख, हर खिली मुस्कान इस बात का गवाह है कि हमारा संकल्प अब साकार हो रहा है. यह महज एक कदम है उस लंबी यात्रा का, जिसकी कल्पना हमने की थी.

गोड्डावासियों को 187.15 करोड़ की 151 योजनाओं का तोहफा

रांची/गोड्डा। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार हर कदम पर आपके साथ है. हम आपकी भावनाओं से भली- भांति वाकिफ हैं. यही वजह है कि हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ आदिवासी, दलित, शोषित, वंचित, गरीब और किसानों-मजदूरों को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है.

वे रविवार को गोड्डा जिले के बोआरीजोर प्रखंड के राजाभीठा में विकास योजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास एवं लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि तमाम विपरीत परिस्थितियों के बीच राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं, जिसका लाभ आम जनता को मिल रहा है.

कई विकास योजनाओं का दिया तोहफा : मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लगभग 187 करोड़ 15 लाख रुपये की 151 योजनाओं का तोहफा दिया. इसमें 58 करोड़ 62 लाख रुपये की 73 योजनाओं का उद्घाटन और 128 करोड़ 53 लाख रुपये की 78 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है. वहीं, विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया. इस विशेष मौके पर मुख्यमंत्री ने राज्य की बहन-बेटियों को झारखंड मंईयां सम्मान योजना की सम्मान राशि प्रदान कर रक्षा बंधन की सौगात दी. योजनाओं के उद्घाटन - शिलान्यास एवं लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम में मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बेबी देवी एवं मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, विधायक प्रदीप यादव, विधायक कल्पना सोरेन समेत जिले के उपायुक्त,पुलिस अधीक्षक सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे.

नारी शक्ति को समर्पित है मंईयां सम्मान योजना: नारी सशक्तिकरण हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है. यहां की महिलाएं काफी मेहनतकश हैं. वे घर- परिवार भी चलाती हैं और आमदनी के लिए काम भी करती हैं. ऐसे में हमारी सरकार राज्य की महिलाओं एवं बहन -बेटियों के लिए पहले से ही कई योजनाएं चला रही हैं. इसी क्रम में एक और ऐतिहासिक कड़ी आज से जुड़ रही है. मंइयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं और बहन-बेटियों को हर वर्ष 12 हजार रुपये सम्मान राशि मिलेगी. राज्य की बच्चियां पैसे के अभाव में पढ़ाई से वंचित न रहें, इसके लिए उन्हें सावित्रीबाई किशोरी समृद्धि योजना का लाभ दिया जा रहा है.

खाली पदों को भरने के लिए हो रही नियुक्तियां

बड़े पैमाने पर खाली पड़े पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया तेजी से चल रही है. इसके साथ सभी श्रेणी के सरकारी कर्मियों के हित में कई अहम निर्णय लिए गए हैं. सरकारी कर्मियों को बुढ़ापे की लाठी के रूप में पुरानी पेंशन योजना दी गयी है. अनुबंध पर काम करने वालों कर्मचारियों की सेवा शर्तों में सुधार के साथ मानदेय में बढ़ोतरी की गई है.

रक्षाबंधन आज

रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर रविवार को रांची के अपर बाजार स्थित रंगरेज गली में हाथों में मेहंदी रचातीं युवतियां एवं महिलाएं. **फोटो- रमीज.**

24 अगस्त तक झारखंड में बारिश होगी

14 जिलों में आज व कल भारी बारिश का अलर्ट

संवाददाता।रांची

झारखंड में सावन महीने की समाप्ति भारी बारिश के साथ होगी. मौसम विभाग ने 19 और 20 अगस्त को 14 जिलों में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग की मानें, तो राज्य के दक्षिण-पश्चिमी एवं निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना है. इसमें गुमला, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम और खूंटी में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. वहीं राज्य के मध्य एवं निकटवर्ती उत्तरी भागों में कहीं-कहीं पर भारी बारिश हो सकती है. इसमें रांची, लोहरदगा, लातेहार, चतरा, गढ़वा, पलामू, हजारीबाग, रामगढ़, सरायकेला खरसांवा और पूर्वी सिंहभूम शामिल हैं. इन जिलों में बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है.

विभाग के अनुसार, 24 अगस्त तक राज्य में बारिश हो सकती है.

निर्देश बैंक, जेवर प्रतिष्ठान, पेट्रोल पंप, मॉल, रेस्टोरेंट, मार्केटिंग कांप्लेक्स में सीसीटीवी लगाना जरूरी

शहर के महत्वपूर्ण जगहों पर सीसीटीवी कैमरा लगेगा

संवाददाता।रांची

शहर में भयमुक्त वातावरण बनाने और कई मामलों के उद्भेदन में सीसीटीवी की भूमिका को देखते हुए शहरी क्षेत्र के महत्वपूर्ण स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश सदर एसडीओ ने दिया है. एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने बीएनएसएस के पारा-163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सभी बैंक एवं वित्तीय लेनदेन संस्थान, सभी एटीएम, ज्वेलरी दुकान, पेट्रोल पंप, होटल एवं रेस्टोरेंट, शराब दुकान, मल्टीस्टोरिड बिल्डिंग, फ्लैट/हाउसिंग सोसाइटी, ऑटो व बस स्टैंड, पेड पार्किंग, निजी स्तर पर संचालित हॉस्टल, मॉल व मार्केटिंग कांप्लेक्स, दवा दुकान, अपार्टमेंट सहित अन्य सभी महत्वपूर्ण व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अच्छी गुणवता के सीसीटीवी कैमरा पर्याप्त संख्या में लगाने का निर्देश दिया है.

इन कैमरों में या तो रिकार्डिंग सिस्टम होगा या फिर कैमरे की लाइव फीड को क्लाउड पर भेजने की व्यवस्था होगी.

रांची को भयमुक्त बनाने की पहल

- एसडीओ बोले- कैमरों में या तो रिकार्डिंग सिस्टम हो या फिर लाइव फीड को क्लाउड पर भेजने की व्यवस्था
- सीसीटीवी ऐसा लगाएं जिसमें कम से कम 15 दिनों का डेटा सुरक्षित रखा जा सके

सीसीटीवी लगाएं, पर ध्यान रखें किसी की निजता भंग न हो : एसडीओ द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कैमरों की संख्या इतनी होनी चाहिए कि उक्त प्रतिष्ठान के आस-पास पड़ने वाले पब्लिक एरिया (आम जगह, जहां आम जनता के आवागमन की संभावना ज्यादा रहती है) को कवर किया जा सके और उतने कैमरे के माध्यम से उक्त एरिया पर नजर रखी जा सके. कैमरा लगाते समय इस बिंदु पर विशेष ध्यान दिया जाए कि किसी की निजता भंग न हो. विशेष कर जिस क्षेत्र में महिला, बच्चे आदि रहते हों या जिस जगह का उपयोग करते हों, उस क्षेत्र का कवरेज न हो.

कैमरे की रिकॉर्डिंग/फीड मांगने पर तुरंत उपलब्ध कराना होगा : एसडीओ ने कहा है कि प्रत्येक संस्थान के प्रभारी की जिम्मेवारी होगी कि यह सुनिश्चित करें कि सीसीटीवी कैमरा सही ढंग से कार्य करे और सीसीटीवी में कम से कम 15 दिनों तक का डेटा सुरक्षित रखा जा सके. प्रतिष्ठानों की जावाबदेही होगी कि यदि उक्त क्षेत्र की स्थानीय पुलिस (थाना प्रभारी) द्वारा लिखित रूप में किसी अवधि के कैमरे की रिकॉर्डिंग/फीड मांगी जाती है, तो अविलंब उपलब्ध कराएंगे.

हड़ताल के बीच इमरजेंसी में मरीजों का इलाज

रिम्स के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीज और उनका इलाज करते डॉक्टर व नर्सिंग स्टाफ.

संवाददाता।रांची

रिम्स

कोलकाता में हुई घटना को लेकर छठे दिन रविवार को भी रिम्स के जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर रहे. रिम्स में राज्य के हर कोने से मरीज इलाज कराने पहुंचते हैं, लेकिन ओपीडी और गैर जरूरी ओटी सेवाएं बंद होने के कारण उन्हें परेशान होकर वापस लौटना पड़ रहा है. हालांकि, रविवार को रिम्स में ओपीडी बंद रहती है, इसलिए औपीडी में इलाज कराने वाले मरीज अस्पताल नहीं आए थे. दूसरी तरफ रिम्स में इमरजेंसी सेवाओं को बहाल रखा गया है. डॉक्टर अपनी जिम्मेवारी को समझते हुए इमरजेंसी में भर्ती मरीज का इलाज कर रहे हैं. शनिवार को भी 24 घंटे के स्ट्राइक के दौरान 400 से अधिक मरीजों का इमरजेंसी में इलाज किया गया.

लोकतंत्र व संविधान की सफलता पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने आर्टिकल 12 व 368 की दी जानकारी

वैज्ञानिक सोच ही निकालेगी समाज में फैला जहर

संवाददाता। रांची

पूर्व आईएएस दशरथ चंद्र दास ने रविवार को संविधान के आर्टिकल 12 और 368 के बारे में विस्तार से बताया. कहा कि आज लोगों को संविधान को पढ़ने की जरूरत है. संविधान को जन-जन तक पहुंचाना है. वह रेलवे स्टेशन रोड स्थित एवीएन हॉल परिसर में आयोजित एक दिवसीय कलस्टर अधिवेशन में में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि हम सभी को संविधान पढ़ना होगा. तभी हम संविधान को बचा पायेंगे. इससे पहले भारतीय संविधान सम्मान, सुरक्षा, संवर्धन राष्ट्रव्यापी महा जनजागरण अभियान के अंतर्गत बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. इसके बाद पैदल मार्च करते हुए हाई कोर्ट परिसर पहुंचे, जहां बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया.

लोकतंत्र और संविधान की सफलता के लोक महोत्सव में मंच का संचालन रांची जिला प्रभारी कविंद्र राम ने किया, जबकि अध्यक्षता वामसेफ प्रदेश कोषाध्यक्ष रंजन चौधरी ने की. इस अवसर पर बामसेफ जिला महासचिव सुदर्शन नायक ने कहा कि देश में संविधान लागू है. इसकी सुरक्षा करना भी मूलवासियों का जिम्मा है. संविधान को लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रचार प्रसार करना है. आज मूलवासी विभिन्न जातियों में बिखरे हुए हैं, जिसके कारण सरकार अपनी मनमर्जी से काम कर रही है. इसके लिए हम सभी को एकजुट होना होगा. आज भी गांव में लोग सामाजिक रूप से काफी पिछड़े हुए हैं. वामसेफ के आरपी रंजन ने कहा कि कटिबद्धता से समाज को जोड़ने की जरूरत है. आज देने वाले समाज बनाना है. समाज को माला की तरह संजोकर रखना होगा. समाज की दिशा को बदलना है. देश में आरक्षण समाप्त करने की बात हो रही है. इसे बचाने के लिए कटिबद्धता से समाज को जोड़ने की जरूरत है. संस्कार बदलेंगे तो अपने आप सरकार बदल जाएगी. संविधान को बचाने की जरूरत है. समाज में फैले जहर को निकालने के लिए समाज में साइंटिस्ट बनने की जरूरत है.

लोकतंत्र व संविधान की सफलता पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन वक्ता.

भ्रमित युवाओं को मुख्यधारा में लाना होगा

मारवाड़ी कॉलेज के प्रो राजकिशोर आंबेडकर ने कहा कि समाज को दिशा देने की जरूरत है. समाज में जुड़े लोगों को शालीनता से पेश होना होगा. समाज में भ्रमित युवाओं को मुख्यधारा में लाना है. डोरंडा कॉलेज के प्रो जीन्नत प्रवीण ने कहा कि समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए बाबा साहेब ने संविधान लिखा है. इसके लिए शिक्षा को बढ़ावा देना होगा. शिक्षित होने के साथ-साथ जागरूक भी होना होगा. स्कूल और कॉलेजों की सिलेबस में संविधान के एक विषय को शामिल करना चाहिए.

जन्माष्टमी महोत्सव के लिए केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने किया भूमि पूजन

संवाददाता। रांची

अल्बर्ट एक्का चौक पर रविवार को सुबह आठ बजे दो दिनी श्रीकृष्ण जनमाष्टमी महोत्सव को लेकर भूमि पूजन किया गया. रक्षा राज्य मंत्री सह श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति के संरक्षक संजय सेठ ने इसमें बतौर मुख्य यजमान के रूप में हिस्सा लिया. मीडिया प्रभारी प्रमोद सारस्वत ने बताया कि अब जल्द ही महोत्सव के लिए मंच आदि का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा. अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया की 26 अगस्त को शाम चार बजे उद्घाटन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी. पहले दिन धरित्री कला केंद्र की निर्देशिका गार्गी मेलकानी की देख-रेख में बाल कलाकार भाव नृत्य प्रस्तुत करेंगे. उन्होंने बताया कि महोत्सव के अंतिम दिन मंगलवार को शाम चार बजे से दही-हांडी फोड़ो प्रतियोगिता होगी. साथ ही बाहर से आए प्रसिद्ध कलाकार भजन और नृत्य-नाटिका का मंचन करेंगे. विजयी गोविंदा को नकद पुरस्कार और शिल्ड से नवाजा जाएगा. जवाहर तनेजा, संजय जायसवाल, राज वर्मा , नीरज चौधरी, संजय सिंह, मनोज तिवारी, भीष्म सिंह, नीरज चौधरी, सत्येंद्र सिंह गुड्डू, ललित ओझा, मुनचुन राय, रामा शंकर बगड़िया, संजय गोयल, अशोक पुरोहित, राजेश चौधरी, अजय वर्मा आदि मौजूद थे.

जनमाष्टमी महोत्सव को लेकर भूमि पूजन करते रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ.

ब्रीफ खबरें

परिवार केंद्रित पार्टी बना जेएमएमः मरांडी

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा लिखे गए मार्मिक पत्र पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड मुद्रा मोर्चा अब केवल एक परिवार की पार्टी बनकर रह गया है. उन्होंने कहा कि कभी विनोद बिहारी महतो, शिबू सोरेन, चंपाई सोरेन, लोबिन हेम्ब्रम,दुर्गा सोरेन जैसे नेताओं की पार्टी रहा झारखंड मुक्ति मोर्चा अब जेल से संचालित होनेवाली दलालों,बिचौलियों की पार्टी बन चुकी है. यह देखकर बहुत दुख होता है कि चंपाई सोरेन ने जिस पार्टी के प्रति अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया, उन्हें ही तिरस्कृत कर मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया.

प्रणय कुमार राजद के प्रदेश महासचिव बने

रांची। राजद के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए कमेटी का विस्तार किया है. प्रणय कुमार बबलू को महासचिव, मनोज अग्रवाल को राज्य कार्यकारिणी सदस्य तथा संतोष प्रसाद को दस्तकार प्रकोष्ठ अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है. प्रदेशराजद महासचिल कैलाश यादव ने बताया कि अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने राजद के सभी प्रकोष्ठ अध्यक्षों को 15 दिनों के अंदर प्रदेश से लेकर जिला स्तरीय कमेटी का गठन करने का साथ ही साथ विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कार्यक्रम निर्धारित करने का निर्देश दिया है.

संयुक्त किसान मोर्चा के राज्यस्तरीय कन्वेंशन में वक्ताओं ने कहा

एमएसपी की कानूनी गारंटी नहीं देना किसानों से धोखा

संवाददाता। रांची

संयुक्त किसान मोर्चा झारखंड के तत्वावधान में किसानों का राज्यस्तरीय कन्वेंशन पुराने विधानसभा हाल में रविवार को संपन्न हुआ. इसका उद्घाटन अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव अवधेश कुमार ने किया.

मौके पर उन्होंने कहा कि कृषि कानून के खिलाफ 13 माह चले किसान आंदोलन में 736 किसानों की शहादत के पश्चात तीनों कृषि कानून रद्द कर मोदी सरकार ने लिखित समझौता करते हुए तीन माह के अंदर किसानों की फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी को अमल में नहीं लाया, जो करोड़ों किसानों के साथ विश्वासघात है. किसान महासभा के राष्ट्रीय सचिव पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि जल, जंगल, जमीन व खनिज में कारपोरेट लूट को मोदी सरकार ने बढ़ाया है. अखिल भारतीय किसान सभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कृष्ण प्रसाद ने कहा कि केंद्र सरकार भूमि बैंक कारपोरेट के लिए बना रही है भूमिहीनों के लिए नहीं. बहुराष्ट्रीय कंपनियों को 40 फीसदी टैक्स से घटा कर 35 फीसदी कर पांच फीसदी की छूट दी गई है.

हाथियों के आतंक के खिलाफ 25 सितंबर को संसद के समक्ष किसानों का प्रदर्शन होगा. खेती को कारपोरेटीकरण के लिए बीजेपी सरकार जिम्मेवार है. देश के 9, 3 करोड़ में से 6 करोड़ किसानों का (डीपीआई) डिजिटल प्लेटफार्म इन्फ्रास्ट्रक्चर के जरिए उनकी फसल और जमीन डिजिटलाइजेशन की योजना बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ ठेका खेती करने के लिए बड़ी साजिश है.

राज्य अध्यक्ष सह पूर्व सांसद भुवनेश्वर मेहता ने कहा कि झारखंड में 40 फीसदी से अधिक खनिज संपदा के बावजूद सबसे अधिक विस्थापन, पलायन, गरीबी, बेरोजगारी, भूखमरी व्याप्त है. झारखंड में सुखाड़ ,जमीन लूट, विस्थापन, हाथियों का आतंक, सिंचाई, वन पट्टा आदि के मुद्दों पर 3 सितंबर को मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया. झारखंड में हाथियों के आतंक के लिए 25 सितंबर को संसद पर प्रदर्शन का निर्णय लिया गया है. मौके पर राज्य सचिव राजकुमार यादव, राज्य अध्यक्ष बीएन सिंह, पूरन महतो, महासचिव सुरजीत सिन्हा, राज्य अध्यक्ष सुफल महतो, महेंद्र पाठक, पुष्कर महतो, अजय सिंह, मुस्लिम अंसारी, मुस्ताक अंसारी आदि ने भी संबोधित किया.

संयुक्त किसान मोर्चा के राज्यस्तरीय कन्वेंशन को संबोधित करते किसान नेता.

खास बातें

- तीन सितंबर को मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे किसान नेता
- 25 सितंबर को संसद भवन के समक्ष प्रदर्शन होगा

शिक्षकों के अंतर जिला स्थानांतरण को लेकर सीएम को सौंपा ज्ञापन

रांची। एकीकृत गृह जिला स्थानांतरण शिक्षक संघ के प्रदेश प्रभारी दिलीप कुमार राय ने अंतर जिला स्थानांतरण का एक मौका देने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ज्ञापन सौंपा. राय ने बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतर जिला स्थानांतरण शुरू हो गया है और आगे भी होगा. मुख्यमंत्री के अलावा कृषि मंत्री दीपिका सिंह पांडेय एवं विधायक कल्पना सोरेन से भी मिले. राय ने बताया कि अंतर जिला स्थानांतरण की तीन सूची जारी कर दी गई है. इसमें लगभग 1700 शिक्षक-शिक्षिकाओं को अंतर जिला स्थानांतरण का मौका मिला है. अभी भी काफी संख्या में शिक्षक -शिक्षिकाएं अंतर जिला तबादले की आस में हैं.

बहनों के खाते में सम्मान राशि पहुंचना एक नए युग का उदय

संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य की मेरी बहनों के खाते में सम्मान राशि पहुंचनी शुरू हो गई है. उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत हर बहन को हर साल 12 हजार... एक नए युग का सूर्योदय हुआ है आज मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की पहली किश्त हमारी बहनों के खातों में पहुंच गई है. यह क्षण हमारे राज्य के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया है. हर चमकती आंख, हर खिली मुस्कान इस बात का गवाह है कि हमारा संकल्प अब साकार हो रहा है. यह महज एक कदम है उस लंबी यात्रा का, जिसकी कल्पना हमने साथ मिलकर की थी. यह योजना हमारी बहनों के जीवन में नवीन उमंग और उत्साह भर रही है. उनके सपनों को पंख लग गए हैं और आत्मनिर्भरता की ओर उनका यह प्रथम कदम है.

एक परिवार के 'राजशाही रिवाज' से जकड़ा हुआ है जेएमएम : सुदेश

चंपाई के पोस्ट पर सुदेश ने झामुमो को घेरा

संवाददाता। रांची

पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के सोशल मीडिया पोस्ट पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से उन्होंने कहा कि जमीन से जुड़े वरिष्ठ नेता ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अपनी पीड़ा को राज्य की जनता के समक्ष रखा है. उनकी पीड़ा बयां करती है कि सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा में आंतरिक लोकतंत्र नहीं है और वह एक परिवार के 'राजशाही रिवाज' से जकड़ा हुआ है. वे पूर्व में भी यह बात कई मौके पर और कहते रहे हैं. हेमंत सोरेन जब विधानसभा में विश्वासमत हासिल कर रहे थे, तो उन्होंने विधानसभा में भी कहा था कि इसकी जरूरत क्यों आन पड़ी? चंपाई सोरेन ने कुशलता से पांच महीने तक राजकाज चलाया, लेकिन सोरेन परिवार अपने परिवार के बाहर किसी को नेतृत्व देने को तैयार नहीं है. चंपाई सोरेन के कार्यकाल में ट्रांसफर- पोस्टिंग के उद्योग पर भी लगाम लगा था. उन्हें जितना समय जनता की सेवा करने का दिया गया उस दरमियान उन्होंने राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य किया था. जेएमएम ने एक वरिष्ठ नेता को अपने कार्यकाल में बेहतर कार्य करने के बावजूद उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने का काम किया है. राज्य की जनता सब देख और समझ रही है.

सुदेश कुमार महतो

क्या कहा

- चंपाई ने कुशलता से पांच महीने तक राजकाज चलाया
- ट्रांसफर- पोस्टिंग के उद्योग पर भी लगाम लगाया था

बाढ़ू में 100 वृद्धों को रखने की क्षमता वाला वृद्धाश्रम बनेगा

संवाददाता। रांची

कांके ब्लॉक चौक स्थित कांके जेनरल हास्पिटल में रविवार को राधिका एंड एतवारी मेमोरियल ट्रस्ट के वृद्धाश्रम कार्यालय का उद्घाटन मुख्य अतिथि रांची वेटनरी कॉलेज के पूर्व डीन डॉ. बीके राय, विशिष्ट अतिथि सहायक आयकर आयुक्त शशिभूषण शर्मा, कवयित्री मीनू मीना सिन्हा, डॉ. कुमारी आभा और इंडियन रेडक्रास सोसायटी रांची के चेयरमैन डॉ. शंभू प्रसाद सिंह ने संयुक्त रूप से किया.

मुख्य अतिथि डॉ. बीके राय ने कहा कि आज के परिवेश में बुजुर्ग एकाकी जीवन जीने को बाध्य हैं. उनको उम्र के अंतिम पड़ाव में भी उत्साह, अपनापन, प्रेम और देखभाल की जरूरत है, जो इस वृद्धाश्रम में मिल सकेगा.उद्घाटन के मौके पर कवयित्री मीनू मीना सिन्हा ने बुजुर्गों की कहानी, बुजुर्गों की जुबानी का काव्य पाठ किया. इस अवसर पर डॉ. एमके सिंह, डॉ. अनूपकांत, डॉ. नरेश यादव, आशीष रंजन, महेश सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे.

संस्थापक सह अध्यक्ष डॉ. शंभू प्रसाद सिंह ने बताया कि प्रखंड के सेमर टोली बाढ़ू में 100 वृद्धों को रखने की क्षमता वाला वृद्धाश्रम बनाया जाएगा. इसमें वैसे वृद्धों को आश्रय दिया जाएगा, जिनके स्वजनों ने उनका परित्याग कर दिया हो या जो अकेले हों. इसका लक्ष्य मानवता की सेवा, उम्र के अंतिम पड़ाव में उनकी समुचित देखभाल और सेवा सुविधा देना है. ट्रस्ट अनाथालय और दिव्यांगजनों की सहायता के लिए भी केंद्र स्थापित करने का प्रयास करेगा. ट्रस्ट डायबिटीज के रोगियों के लिए हेल्थ रिहैबिलिटेशन सेंटर भी शुरू करेगा.

वृद्धाश्रम कार्यालय का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि व अन्य गणमान्य लोग.

शिक्षकों की मांग : उतराखंड, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश की तरह सेवनिवृत्ति की उम्र 62 वर्ष की जाए

चुनाव से पहले मिले एमएसीपी का लाभ

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य संयुक्त शिक्षक मोर्चा के सदस्यों ने आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरूआ से मिलकर चुनाव आचार संहित से पहले शिक्षकों को एमएसीपी का लाभ देने की मांग की है. साथ ही शिक्षकों ने उन्हें अपनी अन्य मांगों से भी अवगत कराया. मंत्री से बातचीत के दौरान मोर्चा के सदस्यों ने उतराखंड, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश की तरह राज्यकर्मियों और शिक्षकों की सेवनिवृत्ति की उम्र 62 वर्ष करने की भी मांग की. मोर्चा के प्रदेश संयोजक अमीन अहमद, विजय बहादुर सिंह, प्रवक्ता अरुण कुमार दास एवं राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ झारखंड प्रदेश के प्रदेश संयोजक आशुतोष कुमार ने बताया कि राज्य के प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के साथ आर्थिक अत्याचार किया जा रहा है. विडंबना है कि राज्य के सभी कर्मचारियों को नियमित रूप से प्रोन्नति एवं एमएसीपी का लाभ दिया जाता है, लेकिन शिक्षकों को यह लाभ नहीं मिलता है.

मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि राज्य के शिक्षक पूरी सेवाकाल में बिना कोई वित्तीय लाभ के ही बेसिक वेतनमान में सेवानिवृत्त होते चले जा रहे है. इससे शिक्षक वर्ग क्षुब्ध रहते हुए शिक्षण कार्य करने को विवश हैं. लेकिन जब शिक्षक क्षुब्धरहेंगे, तो पढ़ाई अच्छी तरह से कैसे करा पाएंगे. निसितच्त रूप से बच्चों की पढ़ाई पर भी असर पड़ेगा. मोर्चा के सदस्यों ने चुनाव आचार संहिता के पूर्व यथाशीघ्र शिक्षकों को एमएसीपी का लाभ देकर उनके साथ आर्थिक न्याय करने की मांग की है. बिहार सरकार शिक्षकों के साथ न्याय करते हुए 2021 में ही अपने शिक्षकों को एमएसीपी का लाभ दे चुकी है.

शिक्षकों ने आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरूआ से मिलकर उन्हें अपनी मांगों से अवगत कराया.

खास बातें

- आदिवासी कल्याण मंत्री से मिले शिक्षक, मांगें रखीं
- कहा-शिक्षक वर्ग क्षुब्ध रहते हुए कार्य करने को विवश

जेएसएसपीएस की मोनिका कुमारी ने जीता स्वर्ण पदक

रांची। जेएसएसपीएस की तैराक स्पर्धा की खिलाड़ी मोनिका कुमारी ने झारखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए 13वीं राष्ट्रीय वायथल / ट्रायथल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक एवं चांदनी कुमारी ने कांस्य पदक जीता. उत्तराखंड में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. इसमें जेएसएसपीएस के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीती. दो खिलाड़ी आरती कच्छप एवं आतिशी कुमारी टॉप 4 में रहीं. स्विमिंग के प्रशिक्षक उमेश कुमार पासवान भी इस मौके पर मौजूद थे. बताते चलें कि जेएसएसपीएस का संचालन सीसीएल और झारखंड सरकार संयुक्त रूप से कर रहे हैं. इसका मुख्य उद्देश्य झारखंड के प्रतिभावान बच्चों को खेल जगत में प्रोत्साहित करना है. वर्तमान में जेएसएसपीएस खेल अकादमी में 288 प्रशिक्षु हैं. वे वेटलिफ्टिंग, साईकलिंग, मुक्केबाज़ी, कुश्ती सहित 11 खेलों में निपुण प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं.जेएसएसपीएस के कई कैडेट्स वैश्विक स्तर पर भी कई पदक जीत चुके हैं.

आक्रोश देशभर में घटनाओं के खिलाफ आइसा का अलबर्ट एक्का चौक पर प्रदर्शन, छात्रों ने कहा-

कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी करे सरकार

संवाददाता ।रांची

आइसा ने रांची स्थित अल्बर्ट एक्का चौक पर रविवार को कोलकाता, उत्तराखंड, यूपी और मुजफ्फरपुर में हुई यौन उत्पीड़न और हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया. प्रदर्शन में शामिल आइसा कार्यकर्ता ने देश में प्रतिदिन हो रही रेप, हत्या और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर गंभीर चिंता व्यक्त की. साथ ही सरकार, प्रशासन और समाज के लोगों से इस घटना को रोकने के लिए मिलकर प्रयास करने की जरूरत पर बल दिया. आइसा झारखंड सह सचिव संजना मेहता ने कहा कि देश भर में हो रही यौन हिंसा, महिलाओं पर अत्याचार की घटनाओं के खिलाफ आइसा देश भर में प्रदर्शन कर रहा है. आज रांची के छात्र भी कलकत्ता, यूपी, बिहार के मुजफ्फरपुर व उत्तराखंड में महिलाओं के साथ हुई घटना के खिलाफ खड़े हैं, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकारें प्रचार पर करोड़ों खर्च कर देती हैं, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी नहीं कर रही हैं.

आइसा कार्यकर्ता मो समी ने कहा कि कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी सरकारों को करनी होगी. कोलकाता में हुई महिला चिकित्सक के साथ घटना पर टीएमसी सरकार के रवैया पर सवाल खड़े हो रहे हैं. पीड़िता को न्याय मिले इसकी गारंटी सरकार करें. आइसा कार्यकर्ता नौरीन अख्तर व विजय कुमार ने कहा कि महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं. 2012 में दिल्ली में हुई निर्भया कांड के बाद बनी जस्टिस वर्मा कमेटी अब तक लागू नहीं हो पाई है. प्रदर्शन में आइसा कार्यकर्ता सोनाली केवट, नोहिद खान, सोहानी मेहता, शाहबाज हुसैन, पूनम कुमारी, जीसान अल्तमश, साहेब समेत बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल थे.

अलबर्ट एक्का चौक पर रविवार को आइसा के प्रदर्शन में शामिल छात्र-छात्राएं.

खास बातें

- बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का सिर्फ नारा दे रही हैं सरकारें
- कोलकाता की घटना टीएमसी सरकार पर सवाल खड़े कर रही

मारवाड़ी सम्मेलन कार्यकारिणी सदस्यों की हुई तीसरी बैठक

गोशाला विवाद के समाधान को गठित की गयी समिति

संवाददाता। रांची

महाराजा अग्रसेन भवन में रविवार को मारवाड़ी सम्मेलन कार्यकारिणी सदस्यों की तीसरी बैठक अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार की अध्यक्षता में हुई. इसमें कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई. भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गयी. साथ ही रांची गोशाला न्यास के विवाद के समाधान को लेकर दो सदस्यीय कमेटी भी गठन किया गया. महामंत्री विनोद जैन ने बताया कि कमल कुमार केडिया और संजीव विजयवर्गीय गठित कमेटी में शामिल किए गए हैं. उन्होंने बताया कि सम्मेलन शीघ्र ही जगन्नाथ मंदिर के समीप वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाएगा. जयपाल सिंह स्टेडियम में एक स्थाई आधुनिक प्याऊ लगाने की भी योजना है. मुख्य राजनैतिक पार्टियों को पत्र लिखकर राजनीतिक संगठन में मारवाड़ी समाज की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आग्रह भी किया जाएगा. ललित कुमार पोद्दार ने बताया कि विगत ढाई वर्षों से दो अन्नपूर्णा सेवा सम्मेलन की ओर से सफलतापूर्वक चलाया जा रहा है. उचित स्थान मिलने पर तीसरा अन्नपूर्णा सेवा प्रारंभ करने की भी योजना है. बैठक के दौरान कोषाध्यक्ष कमलेश संचेती ने वर्ष 2023-24 का आय-व्यय का ब्यौरा पेश किया. संचालन संयुक्त महामंत्री कौशल राजगढ़िया और धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष पवन पोद्दार ने किया. संजय सर्राफ, ओम प्रकाश अग्रवाल, सुरेश चंद्र अग्रवाल, कमल कुमार केडिया, पवन शर्मा, अरुण बुधिया, संजीव विजयवर्गीय, प्रेम मित्तल, प्रमोद अग्रवाल आदि उपस्थित थे.

मारवाड़ी सम्मेलन कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक में मंचासीन पदाधिकारी.

पर्व का उत्साह : बहनों की पसंद बना कलाकंद, पेड़ा, काजू बरफी, छेना पाइस

रक्षाबंधन आज, मिठाई दुकानों में उतरी बहार

संवाददाता। रांची

रक्षाबंधन का त्योहार को लेकर रविवार को अंतिम दिन बहनों में पर्व का उत्साह देखते बना. भाई शहर की मिठाइयों की दुकानों में अलग ही रौनक देखने को मिली. बड़ी छोटी तमाम दुकानों में महिलाएं मनपसंद मिठाइयों की खरीदारी कर रही थी, ताकि राखी के लिए सजी थाल में भाइयों को राखी बांधने के साथ उम्दा किस्म की मिठाई से उनका मुंह मीठा कर सकें. अपर बाजार के चुरूवाला, मेन रोड पंजाब स्वीट्स, राजस्थान मिष्टान्न भंडार, छप्पन भोग, न्यू चुरूवाला समेत सारी मिठाइयों की दुकानों पर रविवार को भीड़ उमड़ती रही. अपरबाजार के चुरूवाला के संचालक यश वर्धन ने कहा कि मेरी यह दुकान पिछले 75 सालों से चल रही है. अपनी उत्तम क्वालिटी की वजह से हमने ग्राहकों के बीच अपनी अच्छी जगह बनाई है. हमारे यहां बिहार, बंगाल, कोलकाता, राजस्थान के माहिर कारीगरों द्वारा मिठाइयां तैयार करायी जाती हैं. अभी रक्षाबंधन के अवसर पर बहनें कलाकंद, पेड़ा, काजू बरफी, छेना पाइस अपने भाइयों के लिए अधिक चाव से खरीद रही हैं.

मिष्टान्न भंडारों में सजीं मिठाइयां.

नामचीन दुकानों से खरीदें मिठाइयां : डॉ. जगनाणी

हृदय रोग सह सुगर विशेषज्ञ डॉ वीके जगनाणी ने कहा कि रक्षाबंधन का त्योहार है. मिठाइयों की खूब बिक्री हो रही है. ऐसे में अपनी सेहत का भी लोगों को खास ख्याल रखने की जरूरत है. जब किसी चीज की मांग अधिक होती है, तो ऐसे में मिलावटी चीजें भी बनने लगती हैं. जिनके सेवन से तबीयत भी बिगड़ सकती है. इसलिए नामचीन दुकानों से ही मिठाइयां खरीदें. छोटे और ठेलों की दुकानों से परहेज करें.

अंतिम दिन राखी की खरीदारी के लिए उमड़ी बहनों की भीड़

राखी की एक दुकान पर खरीदारी में लगीं महिलाएं.

संवाददाता। रांची

रक्षाबंधन का त्योहार 19 अगस्त को है. इसलिये अंतिम दिन रविवार को शहर के बाजार में बहनें राखी की खरीदारी के लिए उमड़ पड़ीं. राजधानी में जगह-जगह पर एक से बढ़ कर एक राखियां दुकानदारों ने सजा कर रखे थे. इस बार कोलकाता से लायी गयीं सुंदर राखियां बाजार में उपलब्ध रहीं. दुकानों में मोती राखी, चांदी राखी, क्रिस्टल राखी तथा स्टोन राखी की डिमांड अधिक रही. यहां भी बिकीं राखियां : अपर बाजार, शहीद चौक, रातु रोड, मेन रोड, चर्च रोड, सुजाता चौक, लालपुर चौक, बरियातु, हरमू बाजार, धुर्वा, चुटिया, अरगोड़ा, कडरु, मेन रोड काली मंदिर रोड, गांधी चौक, थड़पखना, अल्बर्ट एक्का चौक, सर्जना चौक, डंगरा टोली, बहु बाजार, कोकर, किशोरगंज आदि शामिल है.

न्यूज अपडेट

पारिजात में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

रांची। कॉसमॉस यूथ क्लब चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में रविवार को सर्कुलर रोड स्थित पारिजात धर्मशाला में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 86 से अधिक मरीजों की हड्डी रोग विशेषज्ञ और जनरल फिजिशियन द्वारा जांच की गई. शिविर में मानसिक समस्याओं के मरीजों को संस्था के नैदानिक मनोवैज्ञानिक रेनू गहलोत रॉय ने परामर्श दिए. शिविर में कई रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद थे. ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की भी जांच हुई. जांच के दौरान पाए गए 40 मरीजों को निःशुल्क दवा भी दी गयी. इस अवसर पर संस्था के संस्थापक देबाशीष राय के साथ सभी सदस्य भी मौजूद थे.

विकास बने कोकर दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष

रांची। कोकर दुर्गा पूजा कमेटी की रविवार को कोकर बाजार प्रांगण में हुई बैठक में पुरानी कमिटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया. बैठक की अध्यक्षता कमेटी के पूर्व अध्यक्ष चंचल चटर्जी ने की.. नई कमेटी में अध्यक्ष विकास दास दीपक सर्वसम्मति से बनाये गये. बैठक में मुख्य रूप से दुर्गा दास, चंचल चटर्जी, संतोष महतो, राजूराम, युवराज पासवान, सूरज पासवान, वशिष्ट लाल पासवान, अनुज पासवान, संजय राम, साकेत पासवान, शिव पासवान, बबलू पासवान, महावीर, दिलीप सिंह, कैलाश राम, मनोज पासवान, राजा पासवान, अविनाश राज, मनदीप सिंह मिर्धा, धर्मेंद्र पासवान, विशाल राम, अमित राज, प्रेमचंद पासवान, शुभम राज, रूपेश सनी, सूरज राम आदि मौजूद थे.

200 मरीजों को मिली निःशुल्क चिकित्सा सेवा

रांची। पत्थलकुदवा स्थित पार्क नर्सिंग होम में रविवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. आये मरीजों की यूरिक एसिड, सुगर, बीपी, पल्स आदि की जांच निःशुल्क की गयी. शिविर में 200 मरीजों की जांच डॉ. विनय कुमार तथा डॉ. बी कुमार ने किया. कई मरीजों को दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं. यहां आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर भी अलग से लगाया गया था. इलाज के इच्छुक मरीजों का आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. राज ने उपचार किया. इसे सफल बनाने में हमदर्द कमेटी के अध्यक्ष शकील अहमद, शब्बीर अहमद, हाजी मुन्ना, मो हैदर, मो नेजाम, मो मकसूद, मो परवेज समेत पार्क नरसिंग के सारे कर्मचारियों एवं नर्सों का अहम योगदान रहा.

जैन महिला जागृति ने फौजी भाइयों को बांधी राखी

रांची। जैन महिला जागृति की सदस्याओं ने रविवार को फौजी भाइयों को राखी बांध कर उनकी लंबी उम्र की कामनाएं कीं. मिलिट्री कैंप, नामकुम के 11 बटालियन राजपूताना राइफल्स के फौजी भाइयों ने इसको लेकर हर्ष व्यक्त किया. संस्था की अध्यक्ष मोनिका ठोलिया, आलोक जैन, बसंत लखोटिया, मंजुला विनायका, प्रतिभा बड़जात्या, अनुराधा सेठी, रोमा सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने इसमें भागीदारी निभायी.

पहाड़ी मंदिर में व्यवस्था को लेकर हुई बैठक

रांची। पहाड़ी मंदिर विकास समिति की रविवार को हुई बैठक में तैयारी और व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श किया गया. साथ ही श्रावण मास के अंतिम दिन कांवरियो और श्रद्धालुओ को हरसंभव सहयोग देने को लेकर तैयारियो का जायजा भी लिया गया. अध्यक्ष एनएन पांडेय ,सचिव राकेश सिन्हा,वित्त प्रभारी राजेश साहू राजू, प्रवक्ता बादल सिंह, पूर्व आयुक्त जटा शंकर चौधरी,अरुण वर्मा, अजय सिंह,सुधांशु सिंह आदि बैठक में मौजूद थे.

पूजा-अर्चना के साथ पहाड़ी मंदिर में चला वृहत भंडारा

रांची। पहाड़ी मंदिर में श्रावण मास के अंतिम रविवार को शिव भक्तो की ओर से वृहत रूप में भंडारा चलाया गया. इसमें 15 हजार से ज्यादा भक्तों ने पूरी, सब्जी, खीर आदि प्रसाद रूप में ग्रहण किया. शिव प्रसाद गुप्ता और ललिता देवी ने सुबह पूजा-अर्चना कर बाबा को भोग लगाया. इसके बाद भंडारा शुरू हुआ, जो दोपहर बाद तक चला. राजेश गुप्ता छोटू, रूपेश गुप्ता. पीहू कुमारी गुप्ता. पुनीत कुमार गुप्ता. प्रिया देवी. शिवानी गुप्ता. गुड़िया देवी. कैलाश राय, तड़ित राय आदि ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

विहंगम योग के प्रणेता सदाफलदेव का जन्मोत्सव 22 से

रांची। विहंगम योग के प्रणेता सदाफलदेव जी महाराज का दो दिनी 137वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा. प्रभात तारा मैदान, धुर्वा में दो दिनी उत्सव की शुरुआत 22 अगस्त से होगी. मौके पर 5101 कुंडीय विश्वशांति वैदिक महायज्ञ भी होगा. इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय और बाहर से आए अनुयायी भागीदारी निभाएंगे. भजन-सत्संग कर अपने सद्गुरु के श्रीचरणों में श्रद्धा के पुष्प चढ़ाएंगे. उक्त जानकारी भारद्वाज ने दी. उन्होंने बताया कि विष्णुकांत खेमका, अनिल शर्मा, अखिलेश शर्मा आदि इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दे रहे हैं.

भारतीय युवक संघ के अध्यक्ष चुने गए राहुल अग्रवाल

रांची। भारतीय युवक संघ, बकरी बाजार की रविवार को हुई बैठक में राहुल अग्रवाल सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए. साथ ही रमेश खेमका, विनोद छापड़िया, मदन बगड़िया, सुरेश भगत, अरविंद चौधरी, रवि रोहतगी उपाध्यक्ष, निर्मल मोदी सचिव, रमेश अग्रवाल, किशन मोदी, कमल जलान बंकट, अमर पोद्दार, मुकेश जलान सह सचिव, सत्येंद्र जलान मंटू कोषाध्यक्ष, संजय चौधरी और ललित सोढ़ानी सह कोषाध्यक्ष, अमित प्रकाश बजाज प्रवक्ता और दीपक गोयनका, सौरव चौधरी सह प्रवक्ता बनाये गये. 44 सदस्यीय कार्यकारिणी समिति भी गठित की गयी.

चेहल्लुम और जन्माष्टमी साथ-साथ एक हाथ में कुरान होगा, दूसरे में गीता

शांति समिति की बैठक के बाद डीएसपी प्रकाश सोय एवं समिति के सदस्य.

संवाददाता। रांची

चेहल्लुम व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर अनवर आर्केड रांची में शांति समिति की बैठक रविवार को हुई. मौके पर बोलते हुए कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने कहा कि 26 अगस्त को चेहल्लुम और श्री कृष्ण जन्माष्टमी एक साथ हो रहा है. रांची शहर हमेशा भाईचारे की मिसाल रहा है. चेहल्लुम पूरे भाईचारा और तय समय के अनुसार धूमधाम से बनाया जायेगा. जिला प्रशासन पूरी तरह से शिया समुदाय के चेहल्लुम के दिन मातमी जुलूस में प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहेगा. मौके पर जय सिंह यादव ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद (स.) के नवासे का त्योहार चेहल्लुम और कृष्ण भगवान का जन्मदिन जन्माष्टमी एक दिन हो रहा है, यही है एकता और भाईचारे की पहचान. सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के महासचिव अकीलुर्रहमान ने कहा कि एक हाथ में कुरान रखेंगे दूसरे में गीता होगी, शंख बजेगा भाईचारा का.

सैयद फराज अब्बास ने कहा कि यह मीटिंग हर वर्ष होती आई है. हमने अपनी सारी समस्याओं को प्रशासन के सामने रखा है. प्रशासन ने कहा है कि आपकी सारी समस्याओं को दूर किया जायेगा. मौके पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय, लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद कुमार, हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी सुनील कुमार कुशवाहा, जय सिंह यादव, सागर कुमार, साहेब अली, नसर इमाम, सरफराज अहमद उर्फ सुड्डू, नेहाल हुसैन, अमजद ईरानी, मौलाना बाकर रजा दानिश, सैयद एहतेशाम अब्बास आदि शामिल थे.

मां काली सेना के जागरण में झूमे श्रद्धालु

रांची। श्रावण मास के समापन की पूर्व संध्या पर रविवार को मां काली सेना की ओर से जागरण का भव्य आयोजन किया गया. अल्बर्ट एक्का चौक पर रात आठ बजे विधायक सीपी सिंह, राज्यसभा सांसद महुआ मांजी, विधायक सीपी सिंह, भाजपा नेता रमेश सिंह आदि ने कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया. इसके बाद रामगढ़ की कोमल, टाटानगर की चंचला, बोकारो के कौशल ने जहां भक्ति रस धारा बहायी, वहीं एके साहू की टीम ने जीवंत झांकी निकाल सब का मन मोहा. कलाकारो संग देर रात तक श्रद्धालु भक्ति गीतों पर नाचते-झूमते रहे. मां काली सेना के सेना प्रमुख भोलू सिंह, संजय सिंह लल्लू,सुमित तिवारी, राम पांडे, बंटी वर्मा, राजेश ठाकुर, दिलीप सिंह,नमन भारतीय, करण सिंह,मोहित राजक,आशीष राजक,अर्जुन सिंह, रोहन सिंह, आकाश रजक, यश वर्मा, सोनू जायसवाल आदि ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

रानीचुआं से स्वर्णरेखा तट तक गूंजा बम बम बोल-बम बम बोल...

स्वर्णरेखा नदी के संरक्षण को लेकर निकाली गयी कांवर यात्रा

संवाददाता। रांची

राजधानी में रविवार का दिन खास रहा. छुट्टी का दिन होने से जहां पहाड़ी मंदिर सहित शहर के सभी शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े, वहीं स्वर्णरेखा उत्थान समिति की ओर से स्वर्णरेखा नदी को प्रदूषण मुक्त करने और प्राचीन इक्कीसो महादेव के संरक्षण को लेकर कांवर यात्रा भी निकाली गयी. इसमें एक हजार कांवरियों संग बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया. यात्रा से वातावरण में भक्ति की सतरंगी छटा तो बिखरी ही, स्वर्णरेखा नदी के उद्गम स्थल नगड़ी से स्वर्णरेखा नदी तट तक बोल बम बम बोल बमबम बोल... का नारा भी गूंजता रहा. अहले सुबह छह बजे सुरेश्वर धाम, चुटिया से श्रद्धालु बस में सवार हो स्वर्णरेखा नदी उद्गम स्थल आए. यहां से पवित्र जल कांवर पात्र में भरा गया. इसके बाद यात्रा शुरू हुई. वातावरण जयकारों और नारो से गूंज उठा. गेरुवा वस्त्रधारियों की लंबी कतार से सड़क पट सी गयी. तख्ती, कलश और कांवर उठाए भक्तों का उत्साह और भक्ति देखते ही बन रहा था.शहर के चार पड़ाव में विश्राम के बाद सभी 25 किमी की यात्रा कर इक्कीसो महादेव मंदिर पहुंचे. यहां जलार्पण कर मंगल कामनाए की गयी. राज्यसभा सांसद महुआ मांजी, भाजपा नेता रमेश सिंह आदि ने भी इसमें खास तौर से भागीदारी निभायी.

स्वर्णरेखा के उद्गम स्थल से निकली कांवर यात्रा में शामिल श्रद्धालु महिलाएं.

खास बातें

- एक हजार कांवरियों ने मार्ग में बिखेरी मनोहारी छटा
- सोमवारी के साथ श्रावण मास का समापन आज

इधर से गुजरी यात्रा : कांवर यात्रा नगड़ी, कटहल मोड, अरगोड़ा चौक, अशोक नगर , क्लब रोड, सिरोम टोली के रास्ते केतारी बगान,चुटिया होते हुए हरमू नदी और स्वर्णरेखा रेखा नदी के संगम स्थल स्थित 21 महादेव मंदिर पहुंच कर संपन्न हुई. इस बीच स्वर्णरेखा रेखा बैंकट हॉल, नगडी,कटहल मोड़ के बुढा महादेव मंदिर और क्लब रोड में विश्राम की व्यवस्था की गयी थी.

रुद्राभिषेक कर भक्तों ने अर्पित की श्रद्धा : श्रावण मास समापन के एक दिन पूर्व मंदिरों और घरो में रुद्राभिषेक का सिलसिला भी सुबह से दोपहर बाद तक चला. भक्तों ने दूध, दही,शहद आदि से अभिषेक कर महादेव को मनाने में जुटे रहे. वैदिक मंत्रोच्चार और भजनों की आवाज गूंजती रही. सांझ ढलते भोले बाबा का पुष्प श्रृंगार कर आरती भी उतारी गयी. कई जगहो पर विशेष भोग बांटा गया. अंतिम सोमवारी पर भोले बाबा को जलाभिषेक के लिए कांवरिए सांझ ढलते झूम कर निकले तो वातावरण हर हर महादेव ... और बोल बम के नारो से गूंज उठा. जगह-जगह विभिन्न समितियों की ओर से सेवा शिविर लगा सभी का स्वागत किया गया. चाय आदि बांटे गये. देर रात अल्बर्ट एक्का चौक पर बड़ी संख्या में कांवरिए एकत्रित हुए. यहां भक्ति रंग जमाने के बाद देर रात सभी स्वर्णरेखा नदी और आमरेश्वर धाम के लिए निकल पड़े. आधी रात के बाद स्वर्णरेखा नदी से जल लेकर लौटे कांवरियो ने पहाड़ी बाबा का जलार्पण कर मनोवांछित फल की कामनाएं की. दिन चढ़ने के बाद आम भक्तों का तांता लगा रहा.

21 प्रतिशत घटी आदिवासियों की जनसंख्या

संवाददाता। रांची

आदिवासी मुद्दों को लेकर पुराना विधानसभा क्लब हॉल में रविवार को देवकुमार धान की अध्यक्षता में आदिवासी संगठनों की बैठक हुई. बैठक का संचालन बल्कु उरांव ने किया. वक्ताओं ने कहा कि राज्य में 70 सालो में 21 प्रतिशत आदिवासियों की जनसंख्या कम हो गई है. इसके कारण विधानसभा और लोकसभा में आदिवासियों की आरक्षित सीट कम हो जाएगी.1941 में आदिवासियों की आबादी 47% थी. जो 2011 में घटकर 26% हो गया. 2001 की परिसीमन में झारखंड विधानसभा की 6 आदिवासी सीटों के साथ एक लोकसभा सीट घट चुकी है.

बैठक में प्रस्तुत किये गये आंकड़ों के अनुसार 1941 में आदिवासियों की जनसंख्या 41, 67,993 थी. जबकि गैर आदिवासियों की जनसंख्या 47,00,076 थी. 1951 में आदिवासियों की जनसंख्या 44,60,737 थी. जबकि गैर आदिवासियों की जनसंख्या 52,36,517 थी, 1961 में आदिवासियों की जनसंख्या 41,89,943 थी, जबकि गैर आदिवासियों की जनसंख्या 74,16,546 थी. 1971 में आदिवासियों की जनसंख्या 45,69,756 थी, जबकि गैर आदिवासियों की जनसंख्या 96,57,377 थी. 1981 में आदिवासियों की संख्या 53,06,517 थी, जबकि गैर आदिवासियों की संख्या 1,23,05,552 थी. 1991 में आदिवासियों की संख्या जनसंख्या 60,50,764 थी, जबकि गैर आदिवासियों की जनसंख्या 1,57,93,147 थी. 2001 में आदिवासियों की जनसंख्या 70,86,753 थी, जबकि गैर आदिवासियों की जनसंख्या 1,98,59,076 थी. 2011 में आदिवासियों की जनसंख्या 86,42,891 थी, जबकि गैर आदिवासियों की संख्या 2,43,45,243 थी. फूलचंद तिर्की, सोमा मुंडा, नारायण उरांव, निर्मल पहान, हान्दु भगत, अ प्रभु दयाल उरांव, महेंद्र बेक, अभयभूट कुवर, कार्यकारिणी अध्यक्ष, बुधवा उरांव, रजनीश उरांव, विकास मिंज, जितिया उरांव, बैजनाथ लोहरा, प्रीतम साड, संजय तिर्की, सहाय तिर्की, प्रमोद एक्का, मनोज टुडू, जीतू उरांव समेत शामिल थे.

उपायुक्त कार्यालय का घेराव 30 अगस्त को

बैठक में निर्णय लिया गया कि आदिवासियों के जमीन बचाने के लिए आंदोलन को तेज किया जाएगा. साथ ही 2025 के जनगणना में प्रत्येक गांव में दो-दो कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि आदिवासियों की जनगणना सही तरीके से हो सके .आदिवासियों के धार्मिक, सामाजिक एवं रैयती जमीन को बचाने के लिए उपायुक्त रांची का घेराव कार्यक्रम 30 अगस्त 2024 को तय किया गया .

दुनिया के कोने-कोने में हैं इमाम हुसैन के चाहने वाले : नकवी

संवाददाता। रांची

चेहल्लुम के अवसर पर अंसार नगर स्थित मस्जिद ए जाफरिया में इमाम ए हुसैन एवं शहीदाने कर्बला की याद में शिया समुदाय की ओर से 10 दिवसीय मजलिस का आयोजन किया गया है. यह मजलिस 26 अगस्त तक चलेगी. रविवार दूसरे दिन दिल्ली से आये मौलाना सैयद गुलाम अली नकवी ने मजलिस में खिताब फरमाते हुए कहा कि हुकूमत यानी लोगों पर राज करना और हिकमत यानी दिलों पर राज करना. पैगंबर मोहम्मद (स.) को अल्लाह ने हुकूमत करने के लिये दुनिया में नहीं भेजा बल्कि दिलों पर राज करने के लिए भेजा. आपने अपने एखलाक (व्यवहार) से लोगों के दिलों को जीता और हिकमत से काम लेते हुए अरब के अनपढ़ों को नेक राह (अच्छा रास्ता) पर लाने का काम किया. उस समय वे एक दूसरों को देखना पसंद नहीं करते थे, बल्कि छोटी छोटी बातों पर झगड़ते थे. आप ने वैसे लोगों के दिलों पर एक दूसरे के लिये मुहब्बत हिकमत से पैदा की, और यही सब कुछ हिकमत ए अमली को अपने नवासे इमाम ए हसन, इमाम ए हुसैन को सिखाया कि अगर हिकमत से काम लिया जाए तो हुकूमत तो तुम्हारे सामने घुटने टेक देगी, और तुम कामयाब हो जाओगे.

इसी बात और इसी रास्ते पर चलते हुए इमाम हुसैन ने कर्बला में यजीद की हुकूमत का मुकाबला हिकमत ए अमली से किया. जिसका नतीजा यह निकला की यजीद हुकूमत कर के भी हार गया और इमाम हुसैन जीत गये. जिसका पता इस बात से चलता है कि दुनिया में यजीद को चाहने वाला कोई नहीं और इमाम हुसैन के चाहने वाले इस दुनिया के कोने-कोने में मौजूद हैं.

व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन करने की मांग

रांची। फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन की बैठक में रविवार को व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन की मांग उठायी गयी. बैठक संगठन के अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला की अध्यक्षता में प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित की गयी थी, जिसमें मौजूद झारखंड के विभिन्न जिलों के व्यापारियों ने एक स्वर से उक्त आशय की मांग उठायी. व्यापारियों ने सरकार से मांग की कि झारखंड के सभी जिलों में जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन को चुस्त दुरुस्त करें, क्योंकि आने वाले समय विभिन्न पर्व-त्योहार के हैं. इस निमित्त फेडरेशन ने चेयरमैन सत्येंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में संचालित अपनी लॉ एंड ऑर्डर सब-कमेटी से को-चेयरमैन के रूप में हरीश नागपाल व शाहिद आलम को जोड़ा है. साथ ही प्रदेश के सभी व्यापारियों से अपील की गयी कि उनके साथ कोई भी घटना हो तो इसकी सूचना स्थानीय थाने में देते हुए यह सूचना फेडरेशन को भी दें. विभिन्न जिलों से शामिल व्यापार संगठनों में नए सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र व फेडरेशन का आई कार्ड दिया गया.

शतवार्षिकी समारोह बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल के 100 वर्ष पूरे, अंतर-विद्यालय उत्सव वेस्ट-फिएस्टा का आयोजन

वेस्ट-फिएस्टा में 12 स्कूल के 400 से अधिक छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

संवाददाता। रांची

शिक्षा में उत्कृष्टता के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया. इस उपलक्ष्य पर नामकुम स्थित बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल ने 16 और 17 अगस्त को एक जीवंत और गतिशील अंतर-विद्यालय उत्सव वेस्ट-फिएस्टा की मेजबानी की. इस कार्यक्रम में क्षेत्र भर के आईसीएसई और सीबीएसई विद्यालयों के 12 स्कूलों के 400 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभा, रचनात्मकता और सौहार्द की एक समृद्ध श्रृंखला का प्रदर्शन किया.

फेस्ट का उद्घाटन 16 अगस्त को समारोह की मुख्य अतिथि अलका तिवारी ने किया. अलका तिवारी एचआर कंसल्टिंग फर्म-टैलेंट रिवायर्ड,मुंबई की अध्यक्षा हैं. इसमें बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, नामकुम के सचिव रेव डेविड सम्मानित अतिथि थे. विद्यालय प्रबंधन समिति और स्थायी परामर्शदाता समिति के सदस्यों के साथ बिशप वेस्टकॉट विद्यालय समूह के प्रधानाचार्य और पूर्व प्रधानाचार्यों ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई. फेस्ट का समापन 17 अगस्त को हुआ. इस दिन मुख्य अतिथि एएसआईएससी बिहार/झारखंड के क्षेत्रीय सचिव सीए. फ्रांसिस थे. सम्मानित अतिथि के रूप में संयुक्त खेल समन्वयक, बिहार/झारखंड जे. जे. एडविन मौजूद रहे. इस अवसर पर कार्यक्रमों में भाग लेनेवाले विद्यालयों के अनेक शिक्षक और विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व जज और निर्णायकों के रूप में सम्मिलित हुए.

बिशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल में आयोजित समारोह में मौजूद स्कूल के प्रिंसिपल, शिक्षक, पदाधिकारी एवं छात्र.

समारोह में भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुत करती बिशप वेस्टकॉट स्कूल की छात्राएं.

श्री सर्वेश्वरी समूह ने दुबलिया में 436 पौधे लगाये और वितरित किये

संवाददाता। रांची

श्री सर्वेश्वरी समूह की रांची शाखा ने रविवार को कांके के दुबलिया में सर्वेश्वरी पौधारोपण अभियान 2024 के तहत पौधरोपण सह वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया. अभियान के पांचवें चरण में समूह ने आम, अमरूद, मोहगनी, सागवान, अर्जुन, शीशम, मौलेसरी, दालचीनी के 436 पौधे रोपे और वितरित किये. कार्यक्रम के आरंभ में अखाड़ा मैदान में लघु गोष्ठी का आयोजन कर श्री सर्वेश्वरी समूह के बारे में जानकारी दी गयी. गोष्ठी के बाद ग्रामीण बंधुओं के बीच आम, अमरूद, मोहगनी, सागवान, अर्जुन, शीशम, मौलसरी, दालचीनी के 400 पौधे वितरित किये गये. साथ ही स्थानीय बंधु अजय कुजूर सहित अन्य के बागान में 36 पौधे रोपे गये. कार्यक्रम का संचालन दुबलिया गांव के ग्राम प्रधान सतीश तिग्गा, संदीप उरांव और अजय कुजूर ने किया. श्री सर्वेश्वरी समूह की ओर से कार्यक्रम के आयोजन में आशुतोष नाथ शाहदेव ने विशेष सहयोग दिया. इसके अलावा नवल किशोर सिंह, सुनील सिंह, उदय नारायण पांडेय, गंगाधरनाथ शाहदेव, अंजनी कुमार सिंह, द्वेदनाथ शाहदेव सहित 20 सदस्य शामिल हुए.

ब्रीफ खबरें

दो बाइक के बीच टक्कर चार लोग हुए घायल

मांडर। थाना क्षेत्र स्थित मांडर कॉलेज गेट के पास दो बाइक के बीच हुई टक्कर में चार लोग घायल हो गए. इनमें गंभीर रूप से घायल दो लोगों को रिम्स रेफर कर दिया गया. बताया जाता है कि बालूमाथ निवासी योगेंद्र भगत और उसका भतीजा सोमा भगत बाइक से मांडर से बालूमाथ की ओर लौट रहेथे. उसी दौरान बालूमाथ थाना क्षेत्र के मुकेश भुइयांऔर खलारी निवासी मांडू भुइयां की बाइक से इनकी टक्कर हो गई. हादसे की सूचना मिलने पर मांडर पुलिस ने चारों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल मांडर पहुंचाया, जहां से सोमा और मुकेश को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया. वहीं योगेंद्र और मांडू को प्राथमिक उपचार के बाद रेफरल अस्पताल से छुट्टी दे दी गई.

तमाड़ में वज्रपात से किसान की मौत

तमाड़। थाना क्षेत्र के ऊपर डुमरा गांव निवासी 58 वर्षीय किसान बुधू मुंडा की बारिश के साथ हुए वज्रपात से मौत हो गई. घटना रविवार को दिन के 11 बजे की है. बताया जाता है कि बुधू मुंडा खेत में हल चल रहा था उसी दौरान वज्रपात हुआ. तमाड़ पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर थाना ले आई. सोमवार को शव पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजा जाएगा.

नामकुम में मारपीट कर रुपये छीना, केस दर्ज

नामकुम। थाना क्षेत्र के केतारीबागान रोड नंबर छह निवासी रोहित प्रसाद ने चार लोगों पर मारपीट कर सिर फोड़ने और 2000 रुपये लूटने का आरोप लगाया. रोहित ने थाना में चुटिया पावर हाउस के अजय केशरी और राकी के खिलाफ अपने चार साथियों के साथ मिलकर मारपीट और रुपये छीनने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है. थाने में दिए आवेदन में रोहित ने बताया है कि 16 अगस्त की शाम वह बाइक से चुटिया की ओर जा रहा था, रेलवे क्रॉसिंग के पास भीड़ होने से उसकी बाइक में अजय ने पीछे से ठोकर मार दी. वहीं विरोध करने पर चार दोस्तों को लेकर आया और मारपीट करनेलगा.

असामाजिक तत्वों ने गैरेज में लगाई आग

ओरमांझी। ओरमांझी थाना क्षेत्र के महालक्ष्मी सूत मिल के पास स्थित मैट्रिक्स नामक मारुति गैरेज में असामाजिक तत्वों ने आग लगा दी. इससे गैरेज में बनाने के लिए रखी गई दो कार जलकर राख हो गई. घटना रविवार की सुबह लगभग साढ़े सात बजे की है. वहीं जानकारी देने के डेढ़ घंटे बाद रांची से दमकल की टीम पहुंची तब तक दोनों कार जलकर राख हो गई थी. इस संबंध में फॉर सेल के संचालक नंदलाल कुमार प्रजापति और गैरेज संचालक इमरान अंसारी ने ओरमांझी थाना में अज्ञात लोगों के खिलाफ गैरेज में आग लगाने का लिखित आवेदन दिया है.

21 अगस्त को भारत बंद का आह्वान पर

डकरा। भीमराव अंबेडकर पार्क डकरा में एससी एसटी ओबीसी एकता मंच की बैठक बहुरा मुंडा की अध्यक्षता में किया गया. बैठक में मंच के सदस्यों ने 21 अगस्त को भारत बंद लेकर विचार विमर्श किया गया. इस दौरान मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि एससी- एसटी के आरक्षण को समाप्त करने की दिशा में षड्यंत्रकारी फैसले के खिलाफ आगामी 21 अगस्त को आहूत भारत बंद के सफल बनाने के लिए संवैधानिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपनी-अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की.

24 घंटा के अखंड कीर्तन के साथ प्रथम दो दिवसीय श्रावण मेला का शुभारंभ ,सुरक्षा के व्यापक प्रबंध

अंतिम सोमवारी पर दर्शन के लिए देर रात से ही भक्तों की जुटी भीड़

संवाददाता।लापुंग

लापुंग के महादानी मंदिर में जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए कतार में खड़े दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालु.

लापुंग प्रखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध घघारी बाबा धाम में सावन पूर्णिमा पर पहली बार दो दिवसीय श्रावणी मेला का का आयोजन किया जा रहा है. सोमवार को आयोजित होने वाले पहली बार आयोजित सावन मेला में घघारी बाबा धाम प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजकमल गोप ने श्रद्धालुओं सहित दुकानदारों एवं खेल तमाशा झूला वालों को सादर आमंत्रित किया है. उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी प्रत्येक वर्ष श्रावणी मेला का आयोजन सावन पूर्णिमा के दिन किया जाएगा. रविवार को कीर्तन प्रभारी नारायण सिंह एवं मनबोध सिंह के द्वारा 24 घंटा अखंड हरिकीर्तन के साथ ही दो दिवसीय श्रावणी मेला का शुभारंभ किया गया. इस मौके पर सचिव संजय कुमार महतो, कोषाध्यक्ष सेवक सिंह, पूर्व अध्यक्ष सह मुख्य संरक्षक गंगाधर साहू, विधायक प्रतिनिधि सह संरक्षक देवेंद्र वर्मा , कार्यकारी अध्यक्ष राजधन शेखर सिंह, समाजसेवी दशरथ तिर्की, नपिंद्र सिंह, सोमा उरांव, हरिमोहन गोप,मनी देवी, सीताराम पाठक, राजेश पाठक, किस्तो बाबा, तुलसी बाबा जी के साथ सैकड़ो भक्त मौके पर मौजूद थे. उधर सोमवार को आयोजित होने वाले सावन पूर्णिमा मेला को लेकर व्यापक तैयारियां की गई है.

महादानी मंदिर में हरीकीर्तन के साथ दो दिवसीय सावन पूर्णिमा महोत्सव शुरु

बेड़ो। बेड़ो के ऐतिहासिक महादानी मंदिर में सावन माह के अंतिम सावन पूर्णिमा के उपलक्ष्य में महादानी सेवा सत्संग समिति के तत्वाधान में 24 घंटा का अखंड हरिकीर्तन सह भव्य भंडारा का आयोजन रविवार को किया गया. अखंड हरिकीर्तन का शुभारंभ पुजारी नित्यानंद पाठक व बासुकीनाथ गिरी ने वैदिक मंत्रोचार के बीच गौरी गणेश पूजन पंचदेवता नवग्रह देवता क्षेत्रपाल दस दिक्पाल वास्तु पूजन सर्वतो भद्र मंडल पूजन सत्यनारायण पूजन व 24 घंटा का दीप प्रज्वलन कर 24 घंटा का अखंड हरिकीर्तन का शुभारंभ किया गया. अखंड हरिकीर्तन में महादानी के पुजारी मेघनाथ गिरी ने बताया कि रात्रि 8:00 बजे भगवान भोलेनाथ शिव शंकर का भव्य श्रृंगार कर महाआरती के बाद भोग भंडारा का वितरण किया गया. भंडारा में खीर पूड़ी बुंदिया के रूप में श्रद्धालु महाभोग का प्रसाद ग्रहण किए. उन्होंने बताया कि अखंड हरिकीर्तन का समापन सोमवार को 11:00 बजे हवन पूर्णाहुति प्रसाद वितरण के बाद विसर्जन किया जाएगा. अखंड हरिकीर्तन को सफल बनाने में अध्यक्ष हरखनाथ महतो, देवनाथ सिंह, जगदीश प्रसाद, सुरेंद्र सिंह ईश्वर बड़ाईक, महावीर सिंह, लिबू बड़ाइक, बादल खत्री, सीताराम महतो, बजरंग गोप, महादेव भगत, नागेश्वर पंडा, विकास गोप कुलदीप गोप समेत कई लोगों ने अखंड हरिकीर्तन को सफल बनाने में सराहनीय योगदान दिया.

बकरी चराने के लिए घर से दोनों बच्चे नारीटिकरा की तरफ गये थे

इटकी में पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो बच्चियों की मौत

संवाददाता।इटकी

थाना क्षेत्र के बघियाटोली गांव में पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो बच्चियों की मौत हो गई. घटना रविवार की शाम लगभग पांच बजे की है. परिजनों ने बताया कि नौ वर्षीय निकेता कुमारी और 13 वर्षीय ज्योति कच्छप दिन के लगभग 12 बजे बकरी चराने के लिए नारीटिकरा की ओर गई थी, आशंका है कि पैर फिसलने के कारण निकेता गड्ढे में गिर गई और डूबने लगी.वहीं निकेता को बचाने में ज्योति कच्छप भी डूब गई. शाम साढ़े चार बजे तक दोनों बच्चियों के घर नहीं लौटने पर परिजन खोजबीन करने लगे तभी परिजनों को गड्ढे में दोनों बच्चियों का शव तैरता नजर आया. मृतका निकेता कुमारी बघियाटोली के पुनिता उराइन की पुत्री थी जबकि ज्योति कच्छप मंगू उरांव की बेटी थी. ग्रामीणों ने बताया कि नारी टिकरा स्थल पर मोरम उठाव के लिए खुदाई करने से तालाबनुमा गड्ढा बन गया था, जहां बारिश का पानी जमा था. सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से दोनों बच्चियों के शव को गड्ढे से बाहर निकला. पुलिस दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजना चाह रही थी, परंतु मृतक बच्चियों के परिजन और ग्रामीणों ने शवों का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया.

रातू पुलिस ने हथियार के साथ दो युवकों को दबोचा

गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देते डीएसपी व अन्य.

रातू। रातू थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दो युवकों को हथियार के साथ दबोचा है. इस संबंध में डीएसपी अरविंद कुमार ने पत्रकारों को दी. उन्होंने बताया कि रातू थाना के सिमलिया खदान स्थित एक वीरान पड़े एस्बेस्टस मकान से बीती रात अपराध की योजना बना रहे नयांटोली के देवगन लोहरा व देवंत लोहरा को हथियार के साथ गिरफ्तार कर रविवार की शाम जेल भेज दिया. इनके पास से देशी पिस्टल, एक मैगजीन, दो कारतूस समेत एक मिस फायर कारतूस और ओप्पो कंपनी का मोबाइल बरामद किये गये हैं. उन्होंने बताया कि छापेमारी में एसआई अशोक कुमार, सतीश कुमार, अनुरंजन कुमार तथा सशस्त्र बल शिव मांझी व बलकु महतो शामिल थे. मामले को लेकर रातू थाने में आर्म्स एक्ट के तहत कांड संख्या 283/24 दर्ज किया गया है. इसकी तफ्तीश की जा रही है. मौके पर थानेदार शशिभूषण चौधरी मौजूद थे.

दो बेटियों की मौत से गांव में मातम

ज्योति कच्छप और निकेता कुमारी की अचानक मौत से बघियाटोली गांव में मातम पसर गया. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. दोनों बच्चियों की माताओं के चीत्कार से घटनास्थल पर उपस्थित लोगों की आंखें नम हो गई. वहीं गांव में दो बच्चियों की मौत के बाद किसी भी घर मेंचूल्हा नहीं जला.

सिल्ली में वज्रपात से पांच बकरियों की मौत

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत पंचायत बंता हजाम दक्षिणी के हजाम गांव में लगभग 10:30 बजे वज्रपात किसान बुद्धदेव पातर मुंडा की पांच बकरियों की मौत हो गयी. बकरियों की मौत से पूरे परिवार में मातम छा गया क्योंकि किसान अपने मवेशियों को अपने बच्चों की तरह ही पालन पोषण करते हैं एवं लगाव रखते हैं. पीड़ित किसान ने पंचायत के मुखिया गंगानारायण सिंह मुंडा को सूचना दिये. सूचना मिलते ही मुखिया पीड़ित किसान से मिले और घटना स्थल पर जाकर जायजा लिए और तुरन्त अंचल अधिकारी सिल्ली से बात कर मुआवजा देने की मांग की.

खुदी राम भगत की प्रतिमा का अनावरण

रातू। रातू प्रखंड के अगुडु ग्राम में रविवार को झारखंड आंदोलनकारी स्व खुदी राम भगत की प्रतिमा का अनावरण विधायक नवीन जायसवाल ने किया. मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि खुदीराम भगत एक संघर्षशील व्यक्ति थे. झारखंड आंदोलन में उनकी अहम भूमिका थी. सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में वह बढ़ चढ़कर भाग भी लेते थे और इसके लिए अपनी भूमि भी दान दी.उन्होंने मंडा पूजा समिति के अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण कार्य किया. मौके पर जिप अध्यक्ष निर्मला भगत,आजसू के हटिया विधान सभा प्रभारी भरत काशी, महावीर विश्वकर्मा, नंदकिशोर मेहता, मुकेश भगत, विश्वनाथ पाहन, गोंयदा उरांव, सुखराम उरांव, सरोज तिग्गा, श्याम सुंदर यादव, प्रकाश उरांव, दुर्गा उरांव आदि उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

ओल्ड एज होम में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगा

इटकी। प्रखंड के सेमरा गांव स्थित ओल्ड एज होम परिसर में रविवार को बाबा अस्पताल रांची द्वारा आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 557 लोगों की जांच कर दवा बांटी गई. शिविर में रांची के चर्चित डॉ करुणा शाहदेव के नेतृत्व मेंडॉ अंशुमनदेव, डॉ आरके मिश्र, डॉ जयंत घोष, डॉ तपन तापसी, डॉ अजय कुमार, डॉ आनंद निरंजन और डॉ जयप्रकाश सहित टीम ने मरीजों का इलाज कर दवा दी. कार्यक्रम में संस्थान द्वारा 100 बुजुर्ग और महिलाओं के बीच धोती, साड़ी और छाता आदि का वितरण किया. इससे पहले आनंद गायत्री आचार्य, आचार्य रणधीर और आचार्य दशरथ ने आनंद मार्ग विधि सेपूजा-अर्चना और भजन के साथ शिविर का उद्घाटन किया.

मुरारी गुप्ता बने ग्रामीण अध्यक्ष,लोगों ने दी बधाई

रातू। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने रातू निवासी मुरारी गुप्ता को मोर्चा का रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष मनोनीत किया है. उनके मनोनयन पर रातू में खुशी की लहर है.विशाल साहू ,वासुदेव महतो, शिवप्रसाद साहू, संजय साहू, मंजूर अली, काजल सोनी, ममता चौहान, हरि साहू ,परमेश्वर गोप,संजीव तिवारी मुकेश पुराण,अविनाश कुमार आदि ने हार्दिक बधाई दी है.

हरेराम नाम भजन से गुंजायमान हुआ मोहन नगर

डकरा। श्रवण मास की चतुर्दशी तिथि के अवसर पर मोहन नगर शिव मंदिर में 24 घंटे का अखंड कीर्तन का आयोजन किया गया है. हरे राम, हरे कृष्ण के उदघोष व जप से पूरा मोहननगर गुंजायमान हो गया है. मोहन नगर के लोग इस अखंड अनुष्ठान में भाग लेकर परिक्रमा लगा कर कीर्तन भजन कर रहें है. कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे देव स्थापन के साथ की गई. कोयलांचल उड़िया समाज के द्वारा हरे कृष्ण भजन के साथ अखंड प्रारंभ किया गया. 24 घंटे चलने वाले इस अखण्ड कीर्तन 19 अगस्त को पूर्णिमा के दिन प्रातः 10:15 बजे पूर्णाहुति के साथ समापन किया जाएगा.

बेड़ो में जन आक्रोश रैली को सफल बनाने का आह्वान

बेड़ो। भाजयुमो के तत्वावधान में 23 अगस्त को रांची में होने वाली जन आक्रोश रैली को सफल बनाने के लिए एसएसवीएम बेड़ो में रविवार को भाजपाइयों की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह ने की. इस दौरान भाजपा के युवा जिलाध्यक्ष विवेक आनंद ने भाजपाइयों से एकजुट होकर रैली को सफल बनाने का आह्वान किया. भाजपा नेता राम नारायण भगत ने कहा कि झारखंड सरकार नेअपने चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों को अबतक पूरा नहीं किया. मौके पर आशीष वर्मा, लापुंग प्रखंड अध्यक्ष हरिमोहन साहू, राजीव रंजन अधिकारी, जगरनाथ भगत, रंथा उरांव, रवीन्द्र उरांव, आशीष महतो, मनोज सिंह और निधि गुप्ता आदि मौजूद थे. बैठक का संचालन आनंद साहू और धन्यवाद ज्ञापन गणेश महथा ने किया.

ब्रह्माकुमारी गीता पाठशाला रक्षाबंधन मनाया गया

डकरा। ब्रह्माकुमारी गीता पाठशाला सुभाष नगर डकरा में रविवार को हर्षोल्लास से रक्षा बंधन का त्योहार मनाया गया. इस मौके पर गीता पाठशाला के नियमित बहन बीके प्रीति बहन ने भाइयों को आध्यामिक रक्षा सूत्र बांधकर पवित्र बंधन का आध्यामिक रहस्य के बारे में विस्तार पूर्वक बतलाया. उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन का अर्थ ही है, एक-दूसरे की पवित्रता व सम्मान की रक्षा करना,जो कि केवल तब होगा जब हम सब आत्मिक संबंध जोड़ेंगे. राखी बंधन अर्थात् आपस में एक पवित्र प्रेम के बंधन में बंधना जो हम सबके आत्मिक पिता परमात्मा की बताई हुई शिक्षाओं पर चलकर ही संभव है. अंत मे प्रीति बहन ने राजयोग मेडिटेशन से शांति का अनुभूति कराई. इस मौके पर बड़ी संख्या में ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े लोग मौजूद थे.

चकला में कानूनी जागरूकता शिविर लगा

ओरमांझी। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ़ सिविल राइट्स झारखंड प्रदेश ने ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र के चकला गांव में रविवार को कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ़ सिविल राइट के प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट रेजाल्लाह अंसारी और प्रदेश सचिव एडवोकेट जियाल्लाह अंसारी शामिल रहे. जहां कार्यक्रम का शुभारंभ कुरान पाक के तिलावत से हुई. जिसके बाद प्रदेश सचिव जियाउल्लाह अंसारी ने एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ़ सिविल राइट्स के स्थापना के उद्देश्यों,कार्यों,और उपलब्धियां को बताया. इस अवसर पर मुख्य रूप से हाजी रजब अली,जमात ए इस्लामी चकला यूनिट के आमिर मकामी इसराइल अंसारी, अंजुमन कमेटी के सह सचिव जाबिर अंसारी, इमामुल हक, अब्दुल करीम अंसारी,एहसान रजा सहित अनेकों लोग उपस्थित थे.

मंईयां सम्मान योजना को लेकर बीडीओ ने की बैठक

खलारी। खलारी प्रखंड में बीडीओ संतोष कुमार एवं अंचल अधिकारी प्रणव अंबष्ट की अध्यक्षता में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर बैठक किया गया.बैठक में उपस्थित प्रखंड की आंगनबाड़ी सेविका के साथ उपस्थित पंचायत सेवक और सुपरवाइजर को बीडीओ संतोष कुमार ने झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को तेज गति से करने को लेकर दिशा निर्देश दिया. इसके अलावा बैठक में आंगनबाड़ी सेविकाओं की अन्य समस्याओं तथा आंगनबाड़ी केंद्र की स्थिति और उनकी पानी की समस्या आदि के बारे में भी जानकारी ली गई और हल करने का निर्देश पंचायत सचिव को दिया गया. वहीं जो सेविका बीएलओ के रूप में थी उन्हें जल्द से जल्द फार्म को निस्तार करने हेतु और फार्म लाने का निर्देश दिया गया. इस बैठक में काफी संख्या में बीएलओ, सेविका, सहायिका समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

तापे शिव मंदिर में भंडारा का प्रसाद वितरित किया गया

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के तापे गांव स्थित शिव मंदिर में पुजा समिति तापे द्वारा रूद्राभिषेक पुजा का आयोजन किया गया. जिसमें पं. ब्रजेश मिश्रा ने पूरे विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर गांव प्रखंड व देश की खुशहाली की कामना की गयी. इसके उपरांत भंडारा का आयोजन किया गया. अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी अरूण मंडल व समिति के लोगों ने वितरण किया मौके पर सैकड़ों लोग उपस्थित थे . वहीं इसके सफल आयोजन में बिष्णु मुण्डा, शिवचरण बेदिया, कुलेश्वर बेदिया, विनोद ठाकुर, फुलेन्द्र गोप, कार्तिक बेदिया, रवि बेदिया, जय सिंह, बिनेशर गोप, बसंत साहू, आदि सभी पदाधिकारियों सदस्यों का योगदान रहा.

बुंडू टोल प्लाजा पर मनमानी से भारी वाहन चालक परेशान

बुंडू टोल प्लाजा के पास खड़े भारी मालवाहक वाहन.

संवाददाता।बुंडू

बुंडू स्थित टॉलटैक्स की मनमानी से लोग परेशान हैं. दो दिन पूर्व चार ट्रेलर संख्या आर जे01जीबी 6795, एनएल 0 ऐजी 0962, आरजेडी जीए 1491 और एचआर38एएच 8539 सभी ट्रेलर गाजियाबाद और हरियाना से लोहे का बड़ा रिंग लेकर बुंडू स्थित टॉलटैक्स पहुचे. जहां उन्हें पास होने नहीं दिया जा रहा था.टॉलटैक्स का कहना था कि ये रिंग बहुत बड़े आकार का है. ट्रेलर पास कराने के एवज में दस हजार प्रति ट्रेलर लगेगा.बाद में मोलभाव के बाद चार हजार चालीस रुपये टॉलटैक्स मांगने लगा. साथ ही कहा कि उपरोक्त रकम न देने पर कहा कि ट्रेलर नहीं पार होने दिया जायेगा. इसके बाद ट्रेलर को दो दिनों तक रोके रखा. इसकी भनक आजसू पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा को मिलने पर एनएचएआई के जीएम से बात करने के बाद सरकारी दर पर गाड़ी को पास कराया. गाड़ी पास करा देने पर ड्राइवरों ने आजसू पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया. इधर टॉलटैक्स के मैनेजर ने उनके ऊपर लगे आरोप को झूठा बताया.

महादानी मंदिर पहुंचे भक्तों ने किया अभिषेक

सुनील कुमार गुप्ता।बेड़ो

पैदल पहुंचा महादानी कांवरिया संघ का जत्था.

सावन पूर्णिमा के पूर्व रविवार को महादानी कांवरिया संघ भंडरा-टेंगरिया-जरिया के तत्वावधान में गंगाजल शोभा यात्रा निकालकर सैकड़ों श्रद्धालुओं का जत्था दस किलोमीटर पैदल चलकर बेड़ो के ऐतिहासिक महादानी मंदिर में जलाभिषेक किया. गंगाजल शोभायात्रा के दौरान गौतम महतो मुकेश महतो, सुरेंद्र महतो, भवन लाल महतो, रमेश महतो, बैजनाथ महतो राम प्रसाद गोप महेश गोप पंचम महतो हीरालाल महतो यशवंत कुमार,कृति देवी सोनी देवी, संतोषी देवी, ललिता देवी के संयुक्त नेतृत्व में गाजा बाजा के साथ भक्ति गीत संगीत के बीच बोल-बम हर-हर महादेव जैसे जयकारे लगाते श्रद्धालुओं का जत्था भंडरा से रवाना हुआ. भंडरा नदी से पवित्र जल उठाकर महादानी कांवरिया संघ के तत्वावधान में जत्था टेंगरिया गांव पहुंचा जहां रोहित महतो, कृष्णा बैठा, पाजू महतो, परमेश्वर बैठा, फुलेश्वर बैठा, सुजीत भगत, विजय महतो पूनम देवी जानकी देवी रश्मि देवी के नेतृत्व में श्रद्धालुओं का जत्था टेंगरिया से रवाना हुआ. जरिया में मनोज साहु एवं नन्दु महतो के नेतृत्व में श्रद्धालुओं का जत्था मिलकर बेड़ो के कॉलेज गेट, देवी मंडप चौक, महावीर चौक होते हुए महादानी मंदिर पहुंचा. श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ के प्रसिद्ध महादानी मंदिर में जलाभिषेक किया और विधिवत पूजा अर्चना की. श्रद्धालुओं के जत्था का दुर्गा मंदिर निर्माण समिति के पदाधिकारियों क्रमशः अध्यक्ष सौमित्र शर्मा उपाध्यक्ष परना महतो, सचिव उमेश महतो, कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार राय, कार्यसमिति के सदस्यों क्रमशः नकुल राम महथा, केदार महतो, बीनु महतो, अरुण महतो, साधन कुमार राय,रवि गुप्ता,आलोक देवघरिया, पंकज कुमार गुप्ता, गड्डे बडाईक राजेन्द्र रौनियार, सुनील उरांव, दीपक साहु वाणी कुमार राय,सुरेश सोनी, महादानी मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक पंडा, महादानी संत्संग समिति के अध्यक्ष हरखनाथ महतो, सचिव मेघनाथ गिरी कोषाध्यक्ष जगदीश प्रसाद गुप्ता सहित कई लोगों ने भव्य स्वागत किया. दुर्गा पूजा निर्माण समिति के तत्वावधान में भंडारा का आयोजन किया गया. श्रद्धालुओं भक्तों ने भंडारा के दौरान खिचड़ी का महाप्रसाद ग्रहण किया.

पर्व राखी पर गांव से लेकर शहर तक बाजारों में देखी गई खूब चहल-पहल,लगा रहा जाम

रक्षाबंधन को लेकर राखी और मिठाइयों की खूब खरीदारी हुई

संवाददाता।बेड़ो

मिठाई की दुकान पर उमड़ी भीड़.

बेड़ो और लापुंग प्रखंड में भाई बहनों के प्यार का पर्व रक्षाबंधन की व्यापक तैयारियां की गई हैं. बेड़ो शहरी क्षेत्र में राखी की दुकान एवं मिठाई की दुकानों में भारी भीड़ उमड़ी. बहनों ने अपने भाईयों की कलाई में राखी बांधने के लिए राखी की खरीदारी की. बेड़ो के बाजार टांड़, महावीर चौक, गुमला रोड और लोहरदगा रोड सहित साईं मंदिर रोड के राखी के स्टॉल पर भारी संख्या में बहनों ने रंग बिरंगी राखियों सहित चांदी की भी राखी की खरीददारी की. मिठाई की दुकानों खासकर प्रसिद्ध प्रतिष्ठान डोमन स्वीट्स में मिठाई की खरीददारी करने के लिए भी भारी भीड़ उमड़ पड़ी. स्वर्ण अलंकार ज्वेलर्स के मालिक मोहन सोनी ने बताया कि महिलाओं ने अपने भाईयों की कलाई में बांधने के लिए बड़ी संख्या में चांदी की राखी की खरीदारी भी की हैं. वहीं बेड़ो के महावीर चौक में भी दिन भर रक्षाबंधन और सावन पूर्णिमा की तैयारियों को लेकर भीड़ देखी गई. तुको में भी दुकानों में रक्षाबंधन के मौके पर खूब खरीदारी की गई. वही भाइयों ने अपनी बहनों को गिफ्ट देने के लिए खूब खरीदारी की. वहीं लापुंग प्रखंड के लापुंग, ककरिया, लालगंज, दोलैचा, महुगांव, दानेकेरा, कातिंगकेला, बोकरन्दा सहित विभिन्न गांवों में रक्षाबंधन और सावन पूर्णिमा को लेकर रविवार को काफी चहल-पहल देखी गई. यहां भी बहनों ने अपने भाइयों की कलाई में बांधने के लिए राखी की खूब खरीदारी की.

खलारी में रक्षाबंधन का त्यौहार आज, तैयारी पूरी

संवाददाता।खलारी

खलारी कोयलांचल क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भाई बहन के अटूट प्रेम का त्योहार रक्षाबंधन सोमवार को मनाया जाएगा. इस रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर रविवार को खलारी बाजार में काफी भीड़ देखी गई. रक्षाबंधन के त्योहार को लेकर बजारों में जगह-जगह पर राखी की दुकानें सजाई गई थी, जहां पर महिलाओं के द्वारा राखी की खरीददारी की जा रही थी. राखी की दुकानों में 10 रुपये से लेकर 300 रुपये तक की राखी बेची जा रही थी. राखी त्यौहार को लेकर महिलाओं में काफी उत्साह देखा गया. रक्षाबंधन के त्योहार को लेकर खलारी कोयलांचल क्षेत्र के केडी चौक पर आकर्षक राखी की दुकान सजाई गई थी, इसके साथ साथ खलारी बाजार टांड, मैक्लुस्कीगंज के धुर्वा चौक, स्टेशन रोड, बुध बाजार समेत अन्य स्थानों पर भी राखी की दुकान सजाई गई थी.

रातू में विधायक ने किया सड़क का शिलान्यास

रातू। हटिया विधायक नवीन जयसवाल ने रविवार को ग्रामीण विकास विभाग से बनने वाली तीन सड़को का नारियल फोड़कर शिलान्यास किया. योजना के तहत रातू प्रखंड के धनई सोसो से महावीर नगर तक, झखराटांड़ बिरसा मुंडा चौक से टोंगरी टोली तक और सिमलिया नवाटोली से मिक्चर फैक्ट्री तक पथ का निर्माण किया जाएगा. शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक नवीन जयसवाल ने कहा की गांव गांव तक पहुंच पथ का निर्माण हमारी प्राथमिकता है. कई गांवो के जर्जर पथ के नवीनीकरण के लिए संबंधित विभाग में अनुशंसा कर भेजा गया है, बहुत जल्द बाकी सड़कों का भी निर्माण किया जाएगा. मौके पर जिप अध्यक्ष निर्मला भगत, प्रमुख संगीता देवी, राजेश सिंह, जेम्स बॉन खलखो, मुकेश भगत, रमेश साहू आदि शामिल थे.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष दिन बहुत ही उत्तम है. पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल जाने का अवसर मिलेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. काफी समय से लंबित कार्य पूर्ण होंगे. उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे.

वृष भाग्य का साथ मिलेगा. धर्म में मन लगेगा. किसी अपने ही व्यक्ति से बिना कारण विवाद को हो सकता है. दौड़धूप अधिक रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. असमंजस की स्थिति बन सकती है.

मिथुन अपनों से मानहानि हो सकती है. जीवनसाथी के साथ आनंद का समय बीतेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. व्यापार ठीक चलेगा. लाभार्जन होगा. परिवार के सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा.

कर्क आकस्मिक बड़ा लाभ का योग बन रहा है. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. बेकार बातों पर ध्यान न दें. भोजन सोच विचार कर लें.

सिंह उच्च शिक्षा के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. शत्रु पस्त होंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड लाभ देंगे. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. जल्दबाजी न करें.

कन्या किसी से विवाद से मानहानि हो सकती है. माता के स्वाथ्य पर ध्यान दें. किसी भी तरह के विवाद में न पड़ें. बोलचाल में हल्केपन को न अपनाएं. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. परिवार में तनाव रह सकता है. यथासंभव यात्रा टालें. जल्दबाजी न करें.

तुला माता से विवाद हो सकता है. राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. रुके कामों में गति आएगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. कुसंगति से हानि होगी. किसी तीर्थयात्रा की योजना बनेगी.

वृश्चिक सामाजिक कार्य में मन लगेगा, जिसके प्रभाव से आय होगी. योजना फलीभूत होगी. मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. समय की अनुकूलता का लाभ लें. शनि देव को प्रसन्न करें.

धनु व्यावसायिक कार्य मनोनुकूल रहेगी. बेरोजगारी दूर होगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. शेयर मार्केट तथा म्युचुअल फंड लाभदायक रहेंगे. दुष्टजन तथा ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधान रहें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

मकर शारीरिक सौंदर्य के प्रति रुझान बढ़ेगा. समय उत्तम फल प्रदान करेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.

कुंभ जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें. समय अनुकूल है. आपके कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

मीन खर्च अधिक होगा. किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है. आत्मसम्मान बना रहेगा. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. कार्य होने से सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी. गरीबों को मिठाई दान करें.

धार्मिक ग्रंथ घर में होने से बच्चों में आता है संस्कार : अमरीश सिंह

कोडरमा। विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत कार्य समिति की बैठक रविवार को हुई. तीन दिवसीय प्रांत बैठक शिव वाटिका झुमरी तलैया, कोडरमा में 16 अगस्त से 18 अगस्त हुआ. बैठक की अध्यक्षता प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने की. बैठक में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी एवं विहिप के अन्य सभी आयम के प्रान्त, जिला अधिकारी एवं कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए. बैठक के समापन समारोह में मुख्यवक्ता के रूप में विहिप के केंद्रीय मंत्री अमरीश सिंह ने कहा कि सभी हिंदू परिवार में हिंदू संस्कार की रचना करने का कार्य विश्व हिंदू परिषद करती है. विश्व हिंदू परिषद अपने 60 वर्ष पूरे करने जा रही है. सिंह ने कहा कि धार्मिक ग्रंथ घर में होने से बच्चों में संस्कार आता हैं. विहिप के केंद्रीय टोली सदस्य डॉ रविंद्र नारायण सिंह ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद में सभी अधिकारी और कार्यकर्ता एक समान हैं और सभी को एक साथ मिल कर काम करने की आवश्यकता है. प्रांत अध्यक्ष ने कहा कि सभी कार्यकर्त्ता में काम करने की ऊर्जा है और हम लोग इसका विस्तार के साथ-साथ कार्य को बढ़ा रहे है.

झारखंड सरकार ने 64 पुलिस पदाधिकारियों का किया तबादला

रांची। चुनाव आयोग के निर्देश पर झारखंड में 64 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है. इस संबंध में डीजीपी द्वारा आदेश दिये जाने के बाद डीआईजी कार्मिक ने इससे संबंधित अधिसूचना रविवार को जारी कर दी. जिन पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है, उसमें 53 सब इंस्पेक्टर, एक मेजर और दस इंस्पेक्टर रैंक के पदाधिकारी शामिल है.

चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा था : गौरतलब है कि बीते दिनों झारखंड समेत चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के निकट होने का संकेत देते हुए चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा था जिसमें कहा गया है कि आयोग की नीति है कि चुनाव वाले राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव के संचालन से सीधे जुड़े अधिकारियों को उनके गृह जिलों या उन स्थानों पर तैनात नहीं किया जाता है, जहां वह एक लंबे समय से तैनात है.

हल्की बारिश में बहा वन क्षेत्र में बना चेकडैम, टूटा संपर्क

- प्राथमिक विद्यालय कुशहना में भी भारी नुकसान हुआ, जहां विद्यालय में रखे मध्याह्न भोजन बनाने वाले अनाज, बच्चों के खेलकूद का समाज व कई जरूरी दस्तावेज बर्बाद हो गए
- ग्रामीण बोले- हम सभी समय किसी तरह सुरक्षित स्थान पर चले गए नहीं तो कई लोगों की जान भी चली जाती

संवाददाता। कोडरमा

जिले में जारी विकास की पोल खुल गई, जब कोडरमा प्रखंड के मेघातरी के कुशहना गांव में बना चेकडैम हल्की बारिश भी नहीं झेल पाया. नतीजा चेकडैम के बह जाने से कई गांव का संपर्क टूट गया. वहां बाढ़ का नजारा देखने को मिला. डैम के टूटने से सरकारी विद्यालय व कई घरों को भारी नुकसान हुआ है. वहीं कई मवेशी पानी में बह गए. प्राथमिक विद्यालय कुशहना में भी भारी नुकसान हुआ, जहां विद्यालय में रखे मध्याह्न भोजन बनाने वाले अनाज, बच्चों के खेलकूद का समाज व कई जरूरी दस्तावेज बर्बाद हो गए. ग्रामीणों ने बताया कि अचानक चेकडैम टूटने की जोरदार आवाज के साथ गांव में पानी घुसना शुरू हुआ. जिसके बाद हम सभी समय किसी तरह सुरक्षित स्थान पर चले गए नहीं तो कई लोगों की जान भी जा सकती थी. इधर, डैम टूटने की घटना की खबर पाकर कोडरमा सीओ व वन विभाग की टीम पहुंची. यहां डैम का निर्माण किस विभाग के द्वारा किया गया था कोई बताने को तैयार नहीं था. पर बताया जाता है कि वन विभाग अंतर्गत वन्य प्राणी आश्रयणी कोडरमा प्रमंडल से उक्त चेकडैम का निर्माण कराया गया था.

ग्रामीणों का यह भी कहना था कि दो साल पहले भी मरम्मति कराई गयी थी और बड़ी राशि की निकासी कर ली गयी. इधर इस बाबत कोडरमा रेंजर रामबाबू ने बताया कि पता नहीं कौन विभाग से बना है. यह पूछे जाने पर कि वन विभाग में आपके बिना सहमति के कौन विभाग ओर कब बना था तो उन्होंने कहा कि बहुत पहले इसका निर्माण किया गया था, कह कर फोन कट कर दिया. इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद विधायक नीरा यादव के निर्देशानुसार भाजपा कार्यकर्ताओं ने मेघातरी पंचायत के विभिन्न बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों का हाल जाना और उनके बीच चूड़ा, गुड़, सत्तू और बिस्कुट का वितरण किया.

नाबालिग बेटी के साथ पिता ने किया दुष्कर्म

चतरा। चतरा जिले में एक वहशी कलयुगी पिता द्वारा पिता और बेटी के रिश्ते को शर्मसार करने वाली खबर है. ग्रामीणों की सूचना के बाद पुलिस ने दुष्कर्मी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. ग्रामीणों द्वारा सूचना के बाद एक्शन में आए थाना प्रभारी सनोज चौधरी ने पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. वहीं नाबालिग पीड़िता का तत्काल सदर अस्पताल में इलाज कराने के साथ मेडिकल परीक्षण कराया गया. आरोपी चतरा जिले के कुंदा थाना क्षेत्र में रहने वाला था, जिसने अपनी 13 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया. पीड़िता एक भाई है, जो घटना के समय घर पर नहीं था, जबकि मां की मौत हो चुकी है. पिता ने दूसरी शादी भी की. घटना के बाद आरोपी पिता ने बेहोश बेटी को कमरे में बंद कर फरार हो गया. पीड़िता का भाई जब वह घर पहुंचा तो खून से लथपथ थी.

झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा में मचा बवाल

चंपाई दिल्ली में, झारखंड में भूचाल, झामुमो में टूट के आसार!

प्रवीण/रवि भारती। रांची

झारखंड की सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा में टूट के आसार के बीच राजनीति गलियारों में कयासों का बाजार गर्म है. राज्य की गठबंधन सरकार में मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन रविवार को कोलकाता के रास्ते दिल्ली पहुंचे. सुबह से शाम तक चर्चा होती रही कि वे भाजपा का दामन थाम सकते हैं. राजनीतिक गलियारों में चंपाई सोरेन के साथ कोल्हान के कुछ विधायकों के भी उनके साथ होने की रविवार को खूब चर्चा होती रही. इनमें दशरथ गागराई, रामदास सोरेन, चमरा लिंडा, लोबिन हेंब्रम और समीर मोहंती के नाम की चर्चा रही. इस बीच दिल्ली में चंपाई सोरेन से जब पत्रकारों ने पूछा, तो उन्होंने कहा कि निजी काम से दिल्ली आए हैं, यहां मेरी बेटी रहती है. दिल्ली आना-जाना लगा रहता है. चंपाई ने यह भी कहा कि मैं अभी जहां हूं, वहीं हूं. हालांकि, देर शाम सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर चंपाई सोरेन द्वारा एक भावुक पोस्ट करने के बाद झारखंड की राजनीति में सयासी भूचाल आ गया है.

चंपाई ने अपने 'एक्स' हैंडल से झामुमो हटाया

पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में सूबे के कैबिनेट मंत्री चंपाई सोरेन ने रविवार को अपने 'एक्स' हैंडल के प्रोफाइल से 'झामुमो' हटा कर भाजपा में शामिल होने की अटकलों को हवा दे दी है. उन्होंने अपने नाम के साथ सिर्फ झारखंड का पूर्व मुख्यमंत्री लिख लिया है. पहले उनके 'एक्स' प्रोफाइल पर मंत्री, झारखंड परिवहन, एसी, एसटी, ओबीसी कल्याण (झारखंड) और उपाध्यक्ष, झामुमो झारखंड लिखा था, जिसे रविवार को अचानक से हटा दिया गया.

जिलिंगोड़ा में सोरेन के घर से झामुमो का झंडा हटाया

चंपाई सोरेन के सरायकेला-खरसांवा जिले के जिलिंगोड़ा गांव स्थित पैतृक आवास से भी झामुमो का झंडा हटा दिया गया है. इस गांव में सभी जगहों से झामुमो का झंडा को हटा दिया गया है. गांव में परिवार के लोग हैं, लेकिन इस बारे में कोई भी किसी तरह की बात करने के लिए तैयार नहीं है

मैं चाकुलिया में अपने दफ्तर में हूं : समीर मोहंती

शुभम संदेश के संवाददाता ने दिन के 11 बज कर 52 मिनट पर समीर मोहंती को फोन किया, तो उन्होंने खुद से वीडियो कॉल करने को कहा.

वीडियो कॉल करने पर उन्होंने बताया कि मैं अपने चाकुलिया वाले दफ्तर में हूं. उन्होंने कैमरा मूव कर दफ्तर में मौजूद लोगों को दिखाया. कहा कि मैं जहां हूं, वहीं रहूंगा. वीडियो कॉल में देखा गया कि वो दफ्तर में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे. लोग अपनी समस्याओं को लेकर कतारबद्ध तरीके से विधायक समीर मोहंती से मिल रहे थे. उन्होंने भाजपा में शामिल होने की चर्चा को पूरी तरह बेबुनियाद बताया.

गुरुजी का मान-सम्मान कम होने नहीं देंगे : दशरथ गागराई

शुभम संदेश संवाददाता ने दिन के 10 बज कर 26 मिनट पर विधायक दशरथ

गागराई से भी बात की. उन्होंने कहा कि मैं अपने विधानसभा क्षेत्र में हूं और गुरुजी का मान सम्मान कम नहीं होने देंगे. उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा वाले 100 करोड़ लेकर शहीद केरसाई मुंडा चौक खरसावां आ जाएं, मैं अपने क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ताओं से पूछूंगा कि क्या पैसा लेकर हमें बिकना चाहिए? क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ता जो तय करेंगे, मैं वह करुंगा. बिकने के शब्द पर जोर देते हुए गागराई ने पुन: दुहराया कि हम गुरुजी का मान-सम्मान कम नहीं होने देंगे.

तीन विधायकों से नहीं हो पाया संपर्क

शुभम संदेश के संवाददाता ने रामदास सोरेन से कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनका फोन बंद मिलता रहा. पहला कॉल सुबह 11 बज कर 48 मिनट पर, दूसरा 12 बजकर 26 मिनट पर और तीसरा कॉल दोपहर एक बजकर 15 पर किया गया. लेकिन तीनों बार उनका फोन बंद मिला. वहीं लोबिन हेंब्रम से भी संपर्क करने की कोशिश की गयी. उन्हें दिन के 10 बजे से 11 बजे के बीच 10 से अधिक बार फोन किया गया. उनके फोन की घंटी बज रही थी, पर वे फोन नहीं उठा रहे थे. वहीं, विधायक चमरा लिंडा और उनके पीए से भी संपर्क करने की कोशिश की गयी. 11 बजे से 12 :30 के बीच चार बार फोन किया गया, दोनों की फोन की घंटी बजती रही, लेकिन दोनों ने फोन नहीं उठाया. इसके बाद एक बज कर तीन मिनट पर चमरा लिंडा का फोन बंद हो गया.

चंपाई सोरेन दगाबाजी नहीं करेंगे : झामुमो के प्रवक्ता मनोज पांडेय ने पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर कहा कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है. वैसे चंपाई सोरेन दगाबाजी नहीं करेंगे.

बीवियां लगाती रहीं गुहार शौहर हो गया सउदी फरार

- दो बीवियों को एक साथ धोखा देने वाला शौहर भागा विदेश

संवाददाता। पुटकी

दो बीवियों को एक साथ धोखा देने और फिर इन्हें छोड़कर विदेश फरार होने का मामला प्रकाश में आया है. मामले की शिकायत दोनों बीवियों ने पुलिस से की लेकिन कार्रवाई से पहले ही वह विदेश को उड़ान भर गया. मामले की शिकायत पुटकी थाने में की गई है. पुटकी निवासी आफताब का पहला निकाह परिजनों की सहमति से कतरास के दिलावरनगर की लड़की से करीब 15 वर्ष पहले हुआ था. दोनों से किसी बच्चे का जन्म नहीं है. इधर कुछ दिनों पूर्व उसने पाण्डरपाला, वासेपुर की कुरैशा परवीन को झांसे में ले लिया. आफताब ने उसे बताया कि बच्चा नहीं होने के चलते पहली बीबी से तलाक हो चुका है. सऊदी जाने से पहले उसने 12 अगस्त को कोर्ट मैरेज व 13 अगस्त को टुंडी में जाकर गुपचुप तरीके से निकाह कर लिया. इसकी भनक किसी को नहीं लगी. पत्नी को भी बता दिया कि कोई पूछे तो उसके सऊदी जाने की बात किसी को मत बताना. शक होने पर पत्नी ने बातों-बातों में दूसरा निकाह करने की बात कबूल करा दी. इसके बाद हंगामा मच गया. इस बात से दोनों पत्नी और उनके परिजन सकते में आ गए.

पहली बीवी भी गोद लिए बच्चे के साथ पुटकी थाना पहुंची थी. दोनों का रो-रो कर बुरा हाल है. आफताब की रविवार की शाम छह बजे दिल्ली से सऊदी की फ्लाइट निर्धारित थी. इसे रुकवाने के लिए दोनों परिजन संग थाना प्रभारी से गुहार लगा रही थी. पहली बीबी ने पुटकी थाना में लिखित शिकायत की है. पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. इधर आरोपी का मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा है. लोगों में चर्चा इस बात की भी हो रही है कि युवक धनबाद में ही छुपा बैठा है, और दिग्भ्रमित करने के लिए मनगढंत सऊदी जाने की बात बताई. आफताब ने कोविड काल से पूर्व चार साल सऊदी में रहकर काफी कमाई की थी.

प्रशासन ने अधिग्रहित जमीन पर से मकान और दुकानों को हटाया

- फोरलेन के बीच आनेवाले मकानों का हटाने के अभियान चलाया

संवाददाता। पलामू

पलामू से सटे गढ़वा के डीसी शेखर जमुआर के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारियों एवं एनएचआई के अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ रविवार को नगर उंटारी के हलिवंता कला, बिलासपुर एवं गंगटी में फोरलेन में आने वाले मकान को हटाने के लिये अभियान चलाया. इस दौरान अधिकारियों ने हलिवंता कला एवं बिलासपुर में मुआवजा लेने के बाद भी अभी तक मकान और दुकान नहीं हटाये जाने पर नाराजगी जताते हुए कई जगहों पर जेसीबी से मकान को ध्वस्त किया. अभियान के दौरान स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि अभी तक उन्हें सिर्फ मकान का पैसा मिला है.

सरकार ने महिलाओं और मजदूरों का बढ़ाया मान : डॉ. अजय कुमार

- न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि, महिलाओं को प्रतिमाह मिलेंगे एक हजार रुपये

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

पूर्व सांसद एवं कांग्रेस का वरीय नेता डॉ. अजय कुमार ने कहा कि झारखंड की इंडिया

गठबंधन सरकार ने किसानों, मजदूरों, महिलाओं और युवाओं का मान सम्मान बढ़ाने के लिए कई जन कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की. इसका लाभ लोगों को मिल रहा है. उन्होंने कहा कि 2014 से 2019 तक भाजपा का शासन काल में मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि नहीं की गई. लगातार बढ़ती महंगाई से परेशान मजदूरों को भाजपा ने उनके हाल पर जीने के लिए छोड़ दिया. लेकिन हेंमत सरकार ने न्युनतम मजदूरी में वृद्धि कर मजदूरों को राहत पहुंचाने का काम किया.

महिलाओं को मिली आर्थिक आजादी

डॉ. अजय ने कहा कि हेमंत सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की. इस योजना के तहत 21 से 50 वर्ष तक की प्रत्येक महिला को प्रति माह एक हजार रुपये दिये जाएंगे. पहली किश्त 19 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर दिया जाना है. जिसकी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है. यह योजना महिलाओं को आर्थिक रुप मजबूती प्रदान करेगी. वहीं प्रति माह 200 यूनिट बिजली फ्री मिलने से आम लोग राहत महसूस कर रहे हैं. इसी तरह किसानों के दो लाख तक के ऋण माफ किया गया है. उन्होंने कहा कि रोजगार देने की दिशा में सरकार तेजी से कार्य कर रही है. 25 हजार से ज्यादा विभिन्न पदों को नियुक्ति की जाएगी.

रानाडीह में डायरिया का प्रकोप, एक बच्ची की मौत, दर्जन भर पीड़ित भी

संवाददाता। पलामू

जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल के हैदरनगर थाना अंतर्गत राणाडीह गांव में डायरिया का प्रकोप है. इससे एक बच्ची की मौत हो गई. दर्जन भर लोग आक्रांत है. हुसैनाबाद एसडीओ पीयूष सिन्हा के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम रानाडीह गांव में कैंप कर रही है. डायरिया से जिस बच्ची की मौत हुई है, उसका नाम नीतू कुमारी (10) है. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. विनेश कुमार ने रविवार को बताया कि जिन चार लोगों को ज्यादा दिक्कत है, उन्हें एंबुलेंस से अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया है. उनका उपचार किया जा रहा है. डायरिया से पीड़ितों में पूनम कुमारी, राजकुमार राम, सोनी कुमारी, तिलेश्वरी देवी , सरस्वती देवी, विकास पासवान, सुषमा कुमारी, संजू देवी, उषा देवी चनारिक राम समेत अन्य शामिल हैं. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि मुखिया विकास सिंह, समाजसेवी शुभम सिंह व राणाडीह की सहिया बबीता देवी की उपस्थिति में लोगों की स्थिति को देखते हुए उन्हें दवा व बचाव की जानकारी दी दी जा रही है. चिकित्सक के साथ स्वास्थ्य कर्मी नीरज कुमार सिंह व सुनील कुमार यादव एंबुलेंस के साथ एक टीम लगातार लोगों को जानकारी दे रही है.

ग्रामीणों को आपात स्थिति के लिए कुछ जरूरी दावा भी दी गई. हुसैनाबाद एसडीओ पीयूष सिन्हा ने बताया कि उल्टी दस्त की शिकायत बरसात के दिनों में बासी भोजन, गंदा पानी आदि के सेवन से होता है.

उन्होंने आम लोगों को इस मौसम में हल्का व ताजा भोजन करने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि नल या कूप का पानी उबाल कर पीना चाहिए. उन्होंने कहा कि किसी तरह की परेशानी आती है तो नजदीक के अस्पताल आंगनबाड़ी या स्वास्थ्य सहिया से संपर्क कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों पर उनकी नजर है. उन्हें कहीं से कोई जानकारी मिलेगी तो वह तत्काल स्वास्थ्य विभाग की टीम को भेजने का काम करेंगे. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा विनेश कुमार ने कहा कि अस्पताल में स्लाइन या दवा की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी.

सेवानिवृत्त डीएसपी की भाजपा में एंट्री, चर्चा तेज

इटखोरी (चतरा)। सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक केदारनाथ राम के भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के साथ विशेष रुप से सिमरिया विस क्षेत्र के रानीतिक गलियारे में चर्चाए तेज हो गई है. श्री राम चतरा जिले से ही डीएसपी मुख्यालय के पद से कुछ दिन पहले ही सेवानिवृत्त हुए हैं और तब से यह कयास लगाए जा रहे थे कि सिमरिया विस से अपनी किस्मत आजमाने को आतुर हैं. वहीं श्री राम ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर लिया है.

IN THE COURT OF SRI PRAVEEN KUMAR EXECUTIVE MAGISTRATE BERMO AT TENUGHAT

AFFIDAVIT

I, SAIRA BANO W/o KUDUS ANSARI, aged about 34 years, resident of village Lodhi, PO-Kurk Nalo, P.S-Gomia, District Bokaro State Jharkhand do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

1. That my Nationality is an Indian.
2. That my Aadhar Number is 6897 5824 1664
3. That, I am known by three names viz **(i) SAIRA BANO (ii) SAYARA BANO (iii) SERA BANO**
4. That, aforementioned Three names represent to one and same person ie. myself.
5. That my name as **SAIRA BANO** is mentioned in my said Aadhar Card.
6. That my name as **SERA BANO** is mentioned in my Bank Passbook of B.O.I. Branch Gomia District Bokaro A/c No. 481110110011067.
7. That, my name as **SAYARA BANO** is mentioned in my PAN Card vide PAN No DAGPB7044N.
8. That, I want to rectify my name as **SAIRA BANO** in place of **SERA BANO** in my said Bank Passbook.
9. That, I intend to make K.Y.C. with the said Bank Passbook
10. That, contents of this affidavit are true, correct and genuine, if any statement found false or contrary then I would be liable to Legal punishment.

Affidavit No. 4900, Dt. 10.08.24

आरोप बरडीहा प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का मामला

छात्राओं ने लगाया वार्डेन पर गंभीर आरोप, हंगामा

संवाददाता। मझिआंव (गढ़वा)

जानकारी देती छात्राएं

बरडीहा प्रखंड मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में अभिभावक एवं छात्राओं ने वार्डेन के खिलाफ हंगामा किया. इस दौरान अभिभावक अपनी-अपनी बच्चियों को विद्यालय से ले जाने पर अड़े रहे. जानकारी के अनुसार विद्यालय के वार्डेन कविता अम्मु के कार्यशैली को लेकर हंगामा हुआ. छात्राओं ने बताया कि वार्डेन और कलीम खान का व्यवहार आपत्तिजनक है. साथ ही कहा कि वार्डेन और कलीम खान में क्या रिश्ता है यह समझ से बाहर है. क्योंकि कलीम खान विद्यालय में पहले भी कई बार रात में आता था और विद्यालय में रहता था. जिसको लेकर छात्राओं एवं अभिभावकों ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 अगस्त की रात को कलीम खान विद्यालय में था. इस दौरान वार्डेन एवं कलीम को आपत्तिजनक हालत में देखने के बाद कुछ लड़कियां रात्री लगभग 11 बजे विद्यालय से बाहर आकर घटना की सूचना बरडीहा थाना को दी. इसके बाद कलीम खान नामक व्यक्ति को बरडीहा पुलिस ने हिरासत में लिया लेकिन कुछ समय बाद उसे छोड़ दिया गया. नाराज वार्डेन 17 अगस्त को कुछ छात्राओं के ऊपर कैंची लेकर दौड़ने लगी. इसके बाद कुछ छात्राओं ने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी. जानकारी मिलते ही परिजन कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पहुंचे और हंगामा किया. इस दौरान छात्राओं ने बताया कि 14 अगस्त की घटना के बाद वार्डेन कुछ छात्राओं के ऊपर नाराजगी दिखाते हुए कैंची से डराने लगी और साथ ही गंदी-गंदी गालियां देने लगी. इस घटना के बाद विद्यालय की छात्राएं काफी डरी और सहमी हुई है, उन्हें अपने जान और प्रतिष्ठा का खतरा महसूस हो रहा है. परिजन अपने-अपने बच्चियों को विद्यालय से घर ले जाने पर अड़े रहे. वहीं विद्यालय के शिक्षिकाओं का भी कहना है कि गुस्से में वार्डेन के द्वारा गाली दी गई थी. इस संबंध में वार्डेन कविता अम्मु ने बताया कि छात्राओं के द्वारा लगाया गया आरोप बिल्कुल निराधार है. हंगामा की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी अवध कुमार यादव एवं अन्य पुलिस बल कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पहुंचे और एक-एक छात्राओं से जानकारी हासिल किया और परिजनों को समझाया कि किसी प्रकार के कोई दिक्कत नहीं आने देंगे.

युवा आक्रोश रैली में चार हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे : मुंडा

संवाददाता। खूंटी

भाजपा के जिला कार्यालय में रविवार को खूंटी ग्रामीण और नगर मण्डल की हुई बैठक में 23 अगस्त को रांची के मोरहाबादी मैदान में आहूत युवा आक्रोश रैलियों की तैयारियों की समीक्षा की गई. बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि 23 अगस्त को आहूत युवा आक्रोश रैली में खूंटी विधानसभा से चार हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे. उन्होंने कार्यकर्ताओं से रैली को सफल बनाने को लेकर रणनीति बनाने का आह्वान किया.

विधायक ने कहा कि रैली के माध्यम से हेमंत सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया जाएगा. हेमंत सोरेन ने जनता से झूठे वादे कर वर्ष 2019 के चुनाव में सत्ताशीन होते ही लूट-खसोट में लग गई और झारखंड को बर्बाद का दिया. भाजपा राज्य को बर्बादी से बचाने के लिए सड़क से विधानसभा तक मुखर है. हेमंत सरकार ने घोषणा की थी कि पांच लाख युवाओं को रोजगार देंगे, शिक्षित युवाओं को पांच से सात हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने, प्रत्येक घर में एक सरकारी नौकरी, आंगनबाड़ी सेविकाओं की सेवा स्थायी करने, सरकारी भर्ती में स्थानीय युवाओं को 75 प्रतिशत भागीदारी दी जायेगी, पर सरकार एक भी वादा पूरा कर नहीं सकी.

चुनावों के एलान के बाद

आखिरकार लंबे इंतजार के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए चुनावों की घोषणा कर दी गई है. हालांकि पूर्ण राज्य वापसी का मामला अधर में ही है. वहीं हरियाणा में एक माह पूर्व चुनाव कराने की घोषणा हुई है. लेकिन झारखंड और महाराष्ट्र में चुनावों का एलान नहीं किया गया है. महाराष्ट्र में 2019 में चुनाव हरियाणा के साथ ही हुए थे.15 अगस्त को प्रधान मंत्री नें बारबार चुनाव कराए जाने को प्रगति के लिए बाधा बताया था. बावजूद इसके चार राज्यों के चुनाव एक साथ कराने में क्यों कोताही हुई, इसे समझना मुश्किल नहीं है. चुनाव मोड से बाहर निकलने की सत्ता पक्ष की सियासी परेशानी जगजाहिर है. जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में मतदान 18 व 25 सितंबर व एक अक्तूबर को होगा. दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने तीस सितंबर तक राज्य में विधानसभा चुनाव कराने के आदेश दिये थे. उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 निरस्त करने के बाद इसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था. तब से राज्य में राष्ट्रपति शासन चला आ रहा था. बहरहाल, परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चुनावी परिदृश्य बदल गया है. एक ओर जम्मू क्षेत्र में परिसीमन के बाद विधानसभा सीटों की संख्या 37 से बढ़कर 43 हो गई हैं, वहीं कश्मीर विधानसभा क्षेत्रों की संख्या 46 से बढ़कर 47 हो गई हैं. निश्चित तौर पर परिसीमन से बदलाव का असर राजनीतिक परिदृश्य पर पड़ेगा. लेकिन हाल के दिनों में राज्य में जैसे सिलसिलेवार तरीके से आतंकी हमले हुए हैं, वहां शांतिपूर्ण चुनाव प्रचार व मतदान कराना एक बड़ी चुनौती होगी. हाल के दिनों में आतंकवादियों ने अपनी रणनीति व सक्रियता के क्षेत्रों में बदलाव किया है. ऐसी स्थिति में भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सामने शांतिपूर्ण चुनाव प्रचार व मतदान सुनिश्चित करने की बड़ी चुनौती होगी. निश्चित रूप से भारत विरोधी ताकतें इन चुनावों में बाधा डालने का प्रयास करेंगी. मतदाता निर्भय होकर मतदान करने निकलें, इसके लिए अनुकूल माहौल बनाना जरूरी होगा. एक ओर जहां जम्मू में भाजपा व कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला नजर आता है, वहीं दूसरी ओर कश्मीर में मैदान खुला होगा. जहां फारूख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस तथा महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के साथ ही सज्जाद लोन की जेएंडके पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, अल्ताफ बुखारी की जममू कश्मीर अपनी पार्टी व पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद की पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी मैदान में होगी. आशंका है कि कट्टरपंथी रुझान वाले आजाद उम्मीदवार भी मुकाबले में आ सकते हैं. वहीं दूसरी ओर हरियाणा में भी विधानसभा के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है. यहां एक ही चरण में एक अक्तूबर को चुनाव होंगे और चार अक्तूबर को जम्मू-कश्मीर के साथ ही चुनाव परिणामों की घोषणा की जाएगी. जाहिरा तौर पर एक दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज भाजपा को सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करना पड़ सकता है. जिसकी बानगी पिछले महीनों में हुए लोकसभा चुनावों में नजर आई थी. हालिया लोकसभा चुनाव में पांच सीटें जीतने से उत्साहित कांग्रेस पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी. यदि पिछली बार के विधानसभा चुनावों की तरह ही इस बार भी किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला तो इंडियन नेशनल लोकदल और जननायक जनता पार्टी जैसे दलों की भूमिका किंगमेकर की हो सकती है. दरअसल, हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल तीन नवंबर को खत्म हो रहा है.

> मतदाता निर्भय होकर मतदान करने निकलें, इसके लिए अनुकूल माहौल बनाना जरूरी होगा. एक ओर जहां जम्मू में भाजपा व कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला नजर आता है, वहीं दूसरी ओर कश्मीर में मैदान खुला होगा.

सुभाषित

सा भार्या या प्रियं ब्रूते स पुत्रो यत्र निवृतिः।
तन्मित्रं यत्र विश्वासः स देशो यत्र जीव्यते॥

इस श्लोक में बताया गया है कि अपना कौन है. जो प्रिय और मधुर बोले वह अच्छी भार्या (पत्नी) है. जो पिता को सुख देने वाला आचरण करे, वह वास्तविक पुत्र है, जिस पर विश्वास कर सकें, वही सच्चा मित्र है और जहां सुखपूर्वक जीवन यापन हो सके, वह सही देश है.

सरकार संभाले रोजगार के हालात

जब देश में बेरोजगारी का आंकड़ा डरावना हो चुका है. देश का हर तीसरा-चौथा युवक बेरोजगार है. गांवों ने फिर भी गिरते-पड़ते देश की अर्थव्यवस्था संभाल रखी है. यही वजह है कि दुनिया में आर्थिक मंदी की आहट के बावजूद भारत में इसकी कतई आशंका नहीं है. सरकार को चाहिए कि कोरोनाकाल के बाद आई रोजगार की गिरावट को दूर करने के लिए युद्धस्तर पर पहल करे, वरना हालात संभाले नहीं संभलेंगे.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

इनफॉर्मल सेक्टर में छोटे बिजनेस शामिल होते हैं, जो बिना किसी रजिस्ट्रेशन के चलते हैं. मोहल्ले की दुकानें, कारीगर, फेरी वाले, छोटे-मोटे कारखाने... ये सब अनऑफिशियल इकोनॉमी का हिस्सा हैं. इनफॉर्मल सेक्टर रोजगार पैदा करने और कम पढ़े-लिखे लोगों को काम देने में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं. ये व्यवसाय आमतौर पर छोटे होते हैं और पारिवारिक आधार पर चलाए जाते हैं. इनफॉर्मल सेक्टर को अनऑर्गनाइज्ड सेक्टर या अनौपचारिक अर्थव्यवस्था भी कहा जाता है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, ये अनऑफिशियल इकोनॉमी भारत के आधे से ज्यादा सामान बनाने और सर्विस देने का काम करती है. साथ ही, देश में रोजगार देने वालों में से भी तीन-चौथाई से ज्यादा इसी सेक्टर से जुड़े हैं. अब परेशानी यह है कि पिछले सात सालों में इस अनऑफिशियल इकोनॉमी का काफी बुरा हाल हुआ है. कई छोटे बिजनेस बंद हो गए और करीब 16.45 करोड़ नौकरियां भी चली गईं. यह जानकारी नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस की ओर से हाल ही में कराए गए सर्वे (2021-22 और 2022-23) के नतीजों से मिली है.

ये सर्वे अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक और अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 तक के समय के बीच कारोबार करने वाले बिजनेस को आधार बनाकर किया गया. अच्छी खबर यह है कि इस दौरान छोटे कारखानों (मैन्युफैक्चरिंग), दुकानों (ट्रेड) और दूसरी सेवाओं से जुड़े बिजनेस की संख्या में बढ़ोतरी हुई है. पहले जहां करीब 5.97 करोड़ ऐसे बिजनेस थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 6.50 करोड़ हो गई है. गांव में यह बढ़ोतरी और भी ज्यादा रही है. कुल मिलाकर करीब 3.56 करोड़ बिजनेस तो सिर्फ गांव में ही चल रहे हैं, जबकि शहरों में यह संख्या करीब 2.94 करोड़ है. इन 6.50 करोड़ बिजनेस में से ज्यादातर ऐसे हैं, जहां मालिक खुद ही काम करता है. ऐसे बिजनेस को ओन अकाउंट एस्टेब्लिशमेंट कहते हैं. इनकी संख्या करीब 5.53 करोड़ है. वहीं बाकी करीब 97 लाख बिजनेस ऐसे हैं, जहां मालिक नौकर रखता है. इन्हें हायर्ड वर्कर एस्टेब्लिशमेंट' कहा जाता है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, बिना रजिस्ट्रेशन वाले कुल कारोबारों में से 27.41% मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े हैं. 34.71% दुकानदारी या ट्रेड करते हैं और बाकी बचे 37.88% सर्विस सेक्टर से जुड़े हैं. गांव और शहर दोनों जगह सबसे ज्यादा कारोबारी ट्रेड और कपड़े बनाने के काम से जुड़े पाए गए. शहरों में सबसे ज्यादा रिटेल दुकानदारी और व्यक्तिगत सेवाओं का कारोबार चलन में है. देशभर में करीब 94% छोटे बिजनेस सालभर में कम से कम 9 महीने तो चले ही हैं. गांव में ये आंकड़ा 93.9% है और शहरों में 94.8% है. एक दिन में घंटे की बात करें तो आधे से ज्यादा कारोबार रोजाना 8 से 11 घंटे चलते हैं. करीब 54.4% कारोबार ऐसे हैं, जो हफ्ते में 6-7 दिन, रोजाना 8 से 11 घंटे चलते हैं.

सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022-23 में उत्तर प्रदेश (13.82%), पश्चिम बंगाल (12.03%) और महाराष्ट्र (9.37%) में सबसे ज्यादा अनऑफिशियल कारोबार पाए गए. ये आंकड़े ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों के लिए हैं. हालांकि कुछ राज्यों में कारोबार कम भी हुए, कोरोना महामारी के बाद 2022-23 में गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में छोटे कारोबारों की संख्या कम हो गई है. वहीं, उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा कारोबार बढ़े. सबसे ज्यादा नौकरी देने वाले छोटे कारखाने महाराष्ट्र (13.29%) में पाए गए. खास बात ये है कि तेलंगाना (43.32%), पश्चिम बंगाल (32.74%) और कर्नाटक (31.42%) जैसे कुछ राज्यों में 30 फीसदी से ज्यादा छोटे बिजनेस महिलाएं चला रही हैं. आंध्र प्रदेश के गांव में 22.8% गैर-कृषि कारोबार ऐसे हैं जिनकी कोई पक्की दुकान नहीं है. वहीं, तेलंगाना में तो 70.9% कारोबार सीधे घर से ही चलाए जाते हैं, यानी गांव में घर से चलने वाले कारोबार सबसे ज्यादा इसी राज्य में हैं. सरकारी रिपोर्ट बताती है कि पूरे देश में छोटे बिजनेस चलाने वाले 51.9 फीसदी लोग अन्य पिछड़ा वर्ग से आते हैं. इसके बाद अन्य वर्ग (30%), अनुसूचित जाति (13.2%) और अनुसूचित जनजाति (4.4%) समुदाय से आते हैं. करीब 41% बिजनेस तो सीधे घर से ही चलाए जाते हैं. कोई महिला घर पर ही सिलाई का काम करती है तो कोई घर से ही पूजा का सामान बेचता है. करीब 44% बिजनेस घर से बाहर किसी जगह पर चलते हैं. जहां नौकर रखने वाले बिजनेस की बात है तो उनमें से 83.7% किसी पक्की जगह पर चलते हैं. वहीं खुद काम करने वाले बिजनेस में से ज्यादातर (46%) घर से ही चलाए जाते हैं. सर्वे कहता है कि सिर्फ करीब 6.4% छोटे बिजनेस ही ऐसे हैं जो चार्टर्ड अकाउंटेंट से अपना हिसाब किताब करवाते हैं. बाकी ज्यादातर बिजनेस कैश के आधार पर ही चलते हैं. लेकिन रजिस्ट्रेशन के मामले में थोड़ी अच्छी खबर है. 2022-23 में करीब 36.8% छोटे बिजनेस किसी न किसी सरकारी विभाग या कानून के तहत रजिस्टर्ड हो चुके हैं. ये आंकड़ा पिछले साल के सर्वेक्षण के मुताबिक करीब 7% ज्यादा है. ये आंकड़ा बताता है कि लोग अपने बिजनेस को लीगल बनाने की तरफ बढ़ रहे हैं. इन छोटे बिजनेसेज की वजह से रोजगार के काफी अवसर पैदा हुए हैं. अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच करीब 11 करोड़ लोगों को इन बिजनेस में रोजगार मिला है. ये पिछले साल के मुकाबले करीब 1.2 करोड़ ज्यादा है. इन 11 करोड़ में से करीब 5.72 करोड़ रोजगार शहरों में पैदा हुए हैं. वहीं गांव में करीब 5.24 करोड़ लोगों को रोजगार मिला. गौर करने वाली बात यह है कि सिर्फ रिटेल दुकानों से ही कुल नौकरियों का करीब एक तिहाई हिस्सा आता है. इन छोटे बिजनेस की वजह से सबसे ज्यादा रोजगार पैदा करने वाले राज्य हैंः उत्तर प्रदेश (14.35%), महाराष्ट्र (10.53%), पश्चिम बंगाल (9.61%). अगर दूसरों को नौकरी देने वाले कारोबार की बात करें तो रोजगार देने में सबसे आगे हैं - महाराष्ट्र (12.87%), उत्तर प्रदेश (11.20%), तमिलनाडु (10.56%). अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के दौरान इन बिजनेस में करीब 25.63% कर्मचारी महिलाएं थीं. ये आंकड़े बताते हैं कि महिलाएं तेजी से बिजनेस की दुनिया में आगे बढ़ रही हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

हिंसा का बीज़

कस्बे में एक महात्मा थे. सत्संग करते और लोगों को धैर्य, अहिंसा, सहनशीलता, सन्तोष आदि के सदुपदेश देते. उनके पास सत्संग में बहुत बड़ी संख्या में भक्त आने लगे. एक बार भक्तों ने कहा महात्मा जी आप कस्बे में अस्पताल, स्कूल आदि भी बनवाने की प्रेरणा दीजिए. महात्मा जी ने ऐसा ही किया. भक्तों के अवदान और परिश्रम से योजनाएं भी बन गई. योजनाओं में सुविधा के लिए भक्तों नें, कस्बे के नेता को सत्संग में बुलाने का निर्णय किया. नेताजी सत्संग में पधारे और जनसुविधा के कार्यों की जी भरकर सराहना की और दानदाताओं की प्रशंसा भी. किन्तु महात्मा जी की विशाल जनप्रियता देखकर, अन्दर ही अन्दर जल-भुन गए. महात्मा जी के संतोष और सहनशीलता के उपदेशों के कारण कस्बे में समस्याएं भी बहुत कम थी. परिणाम स्वरूप नेता जी के पास भीड कम ही लगती थी. घर आकर नेताजी सोच में डूब गए. इतनी अधिक जनप्रियता मुझे कभी भी प्राप्त नहीं होगी, अगर यह महात्मा अहिंसा आदि सदाचारों का प्रसार करता रहा. महात्मा की कीर्ति भी इतनी सुदृढ थी कि उसे बदनाम भी नहीं किया जा सकता था. नेता जी अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे.आचानक उसके दिमाग में एक जोरदार विचार कौंधा और निश्चिंत होकर आराम से सो गए. प्रातः काल ही नेता जी पहुंच गए महात्मा जी के पास. थोडी ज्ञान ध्यान की बात करके नेताजी नें महात्मा जी से कहा आप एक रिवाल्वर का लायसंस ले लीजिए. एक हथियार आपके पास हमेशा रहना चाहिए. इतनी पब्लिक आती है पता नहीं कौन आपका शत्रु हो? आत्मरक्षा के लिए हथियार का पास होना बेहद जरूरी है. महात्मा जी नें कहा, 'बंधु! मेरा कौन शत्रु? मै स्वयं अहिंसा का उपदेश देता हूँ और अहिंसा में मानता भी हूं.' नेता जी नें कहा, 'इसमें कहां आपको कोई हिंसा करनी है. इसे तो आत्मरक्षा के लिए अपने पास रखना भर है.' नेताजी ने दूसरे ही दिन महात्मा जी के लिए चमकदार हथियार आ गया. महात्मा जी भी अब उसे सदैव अपने पास रखने लगे. किन्तु अब महाराज जब भी अहिंसा पर प्रवचन देते, शब्द तो वही थे किन्तु श्रोताओं पर प्रभाव नहीं छोडते थे. दिन प्रतिदिन श्रोता कम होने लगे. एक दिन तांत्रिकों का सताया, एक विक्षिप्त सा युवक सभा में हो-हल्ला करने लगा. वह युवक चीखा, 'चुप रह पाखण्डी' इतना सुनना था कि महात्मा जी घोर अपमान से क्षुब्ध हो उठे. तत्क्षण क्रोधावेश में निकट रखा हथियार उठाया और हवाई फायर कर दिया. लोगों की जान हलक में अटक कर रह गई. उसके बाद कस्बे में महात्मा जी का सत्संग वीरान हो गया और नेताजी की जनप्रियता दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ने लगी.

दक्षिण एशिया में उपलब्ध अवसर का लाभ उठायें

• विमर्श

ले. जन. एसएस मेहता

वर्ष 1971 में, हमारा नज़रिया था कि जब पड़ोस में नागरिक नरसंहार का हमला झेल रहे हों, तब एक स्थाई राजनीतिक समाधान बनाने को हमारी जिम्मेवारी बन जाती है कि घिरे लोगों को साथ जोड़कर, उन्हें मुक्त करवाएं. यह दखलअंदाजी मानवीय आधार पर थी. उस वक्त पाकिस्तानी सेना का आत्मसमर्पण संयुक्त कमान के सामने था. मुक्ति दिलवाने के अलावा इस घटना ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर में समसामयिक संशोधन भी करवाया, जब संयुक्त राष्ट्र ने 'बचाने की जिम्मेवारी' सिद्धांत की नई व्याख्या जोड़ी. माइकेल वाल्ज़र के मौलिक लेखन कार्य 'उचित और अनुचित युद्ध' के मुताबिक देखें तो यह एक 'उचित युद्ध' था. हमारे प्रधानमंत्री के कहे शब्द- 'यह युग युद्धों का नहीं है'– की प्रतिध्वनि के अनुसार, वक्त है राह फिर से तय करने का. जिस पटल पर काम होना है वह बहुत विस्तृत हो चुका है. हमारे पास-पड़ोस के बड़े हिस्से की भांति बांग्लादेश का आंदोलन दक्षिण एशिया और विश्व के ज्यादातर हिस्सों के लिए नया मोड़ है. दुनियाभर में घटित घटनाएं याद दिलाती हैं कि 'सुरक्षा को खतरे' की वेदी पर शांति, समृद्धि और विकास की बलि नहीं चढ़ाई जा सकती, चाहे 'खतरा' वास्तविक हो या आभासीय. कोविड-19, पर्यावरणीय बदलाव और युद्ध पहले ही काफी नुकसान कर चुके हैं, इनमें आखिरी दो में प्रतिदिन बढ़ोतरी होती देखी जा रही है. सबसे बदतर स्थिति अभी आनी बाकी है.प्रत्येक मामले में सबसे बड़ा घाटा नागरिकों का है. धुर केंद्र में नागरिक को रखकर उसके इर्द-गिर्द सुरक्षा आवरण बनाने की जरूरत है वरना तंत्र ढह जाएगा. भौतिक लाभ एवं क्षेत्र नागरिक को प्रमुख रखने की जगह नहीं ले सकते. बेशक, इलाका आत्म-सम्मान से जुड़ा है और इससे समझौता स्वीकार्य नहीं होता, लेकिन कोई समय कभी ऐसा भी होता है, जब नागरिक की प्रमुखता सबसे अधिक स्थान ले लेती है. वह वक्त अब है. प्रत्येक लोकतंत्र इस घड़ी का इस्तेमाल आत्मविश्लेषण करने के लिए करे, स्व-सुधार लागू करे और फिर 'दुनिया एक है' सिद्धांत को समझाने एवं उदाहरण प्रस्तुत करने वाली राह बनाने में सहायक हो. कुंजी है 'अनेकता में एकता' और नागरिक कल्याण, किसी भी अन्य चीज़ से ऊपर, जो एक निर्वाचित सरकार का पहला दायित्व है.हम खुशनसीब हैं कि हमारी नींव की जड़ में विविधता है. हमने लोकतंत्र संजोकर रखा है. चूंकि इस इलाके में आकार एवं अर्थव्यवस्था के लिहाज से हम सबसे विशाल हैं, इस नाते हमारी जिम्मेवारियां भी बड़ी हैं. हमें इन पलों को आत्मसात करना होगा और दक्षिण एशिया को 'ज्ञान का शक्तिकेंद्र' बनाने में सहायक बनना होगा–सबकी भलाई के वास्ते, पहले देश के भीतर और फिर सीमाओं से परे योगदान. हर तरफ युवा इसे हाथों-हाथ लेंगे- बशर्ते उन्हें इसकी छुअन सभ्यात्मक लगे न कि व्यापारिक इरादे से सनी, किंतु यह सैद्धांतिक और मूल्यों पर आधारित हो. क्रांति के बजाय एक पुनर्जागरण की तरह, जैसे हम लहर को अपनी-पराई हर किश्ती को ऊपर उठाते देखते हैं.आज हमारे तमाम पड़ोसी तिराहे पर खड़े हैं – इस क्षेत्र के कुल 200 करोड़ लोगों के हितों के आलोक में, हमारी जिम्मेवारी साझी है. यदि 140 करोड़ लोगों का देश भारत अगुवाई नहीं करेगा, तो दुनिया के सैन्य-औद्योगिक परिसर अपना स्थान बना लेंगे –और फिर दावत उड़ाएंगे– क्योंकि हम सभ्यात्मक स्तर पर एकता नहीं बना पाए.अब हमें एक मंच बनाने की जरूरत है 'दक्षिण एशिया शांति, समृद्धि, लोकतांत्रिक क्षेत्र', जिसमें प्रत्येक सदस्य को हक हो कि यदि चाहे तो किसी अन्य संगठन की सदस्यता भी ले ले, लेकिन इस प्रावधान के साथ कि यह करना इलाके के लोकतांत्रिक हितों के विरुद्ध न हो. कोई ऐसा मंच बनाया जाए, जिससे कि दक्षिण एशिया में संवाद और सहयोग जड़ पकड़े, इस पर हमारी दुविधा रही है. वर्ष 1999 से भारत की 'सीका' (कांफ्रेंस ऑन इंटरएक्शन एंड कॉन्फिडेस-बिल्डिंग मेज़र्स इन एशिया) में भागीदारी इसी सोच पर आधारित थी. हमारी तरजीह द्विपक्षीय राजनयिक रिश्ते बनाने पर रही है, हालांकि कई बार इसका परिणाम नकारात्मक रहा, अगस्त 2021 में काबुल में जो अनुभव मिला, वही आगे चलकर श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और अब बांग्लादेश में भी पाया, इन सबने यही दर्शाया है. शायद एक दक्षिण एशियाई मंच उन पड़ोसियों में 'चालबाज' को बुलाने में सहायक हो, जो 'कहीं और उपस्थिति जरूरी है' वाली धमकी का इस्तेमाल औरों से खेल करने में करता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> दुनियाभर में घटित घटनाएं याद दिलाती हैं कि 'सुरक्षा को खतरे' की वेदी पर शांति, समृद्धि और विकास की बलि नहीं चढ़ाई जा सकती, चाहे 'खतरा' वास्तविक हो या आभासीय. कोविड-19, पर्यावरणीय बदलाव और युद्ध पहले ही काफी नुकसान कर चुके हैं, इनमें आखिरी दो में प्रतिदिन बढ़ोतरी होती देखी जा रही है.

दुष्चक्र में उलझी बंगलादेश की अर्थव्यवस्था

• देशांतर

राकेश चौरासिया

बांग्लादेश वर्तमान में शेख हसीना की सरकार के तख्तापलट के बाद भीषण हिंसा से जूझ रहा है, जिसमें अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं और उनके उपासहना स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है. 48 जिलों में 278 स्थानों पर हिंदुओं का कत्ल व मारपीट और मंदिरों को तोड़ दिया गया है. अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन ने देश में हिंदू समुदाय से पिछले कुछ दिनों से हो रही हिंसा के लिए माफी मांगी है. हुसैन ने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान करने में सरकार की ओर से विफलता को स्वीकार किया है. उसके बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया और हिंदू समुदाय से से "धैर्य रखने" का आग्रह किया और उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी सरकार अल्पसंख्यकों पर हमला करने वालों को दंडित करेगी. हिंसा की ताजा श्रंखला से बांग्लादेश के सामने गंभीर आर्थिक और सामाजिक संकट खड़ा हो गया है.

बांग्लादेश में पिछले आम चुनाव में विपक्षी दलों ने हिस्सा नहीं लिया. कुछ समय से कट्टरपंथी तत्व, विदेशी ताकतों से मिलकर बगावत का तानाबाना बुन रहे थे, इससे अर्थव्यवस्था पहले ही दबाव में आ गई थी. बांग्लादेश के केंद्रीय बैंक 'बांग्लादेश बैंक' के आंकड़ों के मुताबिक जुलाई, 2023 में फोरेक्स रिजर्व 29 बिलियन डॉलर था, जो जुलाई, 2024 में घटकर 25 बिलियान डॉलर रह गया. विदेशी मुद्रा भंडार का गिरना देश के लिए गंभीर आर्थिक संकट का संकेत है. विदेशी मुद्रा भंडार गिरने से बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पहले ही 'कॉसन मोड' में थी. विदेशी मुद्रा भंडार का महत्व किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा होता है. यह एक देश के आयात, निर्यात, मुद्रा विनिमय दर और ऋृण अदायगी की क्षमता को प्रभावित करता है. भंडार में गिरावट से बांग्लादेश को आयात करने में कठिनाई हो सकती है, जो उसके उद्योगों और उपभोक्ताओं को प्रभावित कर सकता है.बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था, जो बहुत हद तक आयात पर निर्भर है, इस भंडार में गिरावट से गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है. देश के बड़े पैमाने पर परिधान उद्योग, जो विदेशी निवेश और मुद्रा का प्रमुख स्रोत है, इस स्थिति से प्रभावित हो सकता है. अगर विदेशी मुद्रा भंडार और गिरता है, तो बांग्लादेश को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि और घरेलू मुद्रा टका के अवमूल्यन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है.बांग्लादेश की वार्षिक मुद्रास्फीति जुलाई में 12 साल के उच्चतम स्तर 11.66 प्रतिशत तक चढ़ गई है. यह स्थिति देश में आर्थिक अस्थिरता और बढ़ती महंगाई का संकेत देती है. मुद्रास्फीति की यह दर न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को प्रभावित कर रही है, बल्कि देश के समग्र आर्थिक विकास को भी चुनौती दे रही है. मुद्रास्फीति का यह उच्च स्तर उत्पादन बंद होने और आपूर्ति श्रृंखला ध्वस्त होने के बाद, मुख्य रूप से खाद्य और ईंधन की कीमतों में वृद्धि के कारण हुआ है. बांग्लादेश में बढ़ती खाद्य कीमतें खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए एक बड़ी समस्या बन गई हैं. साथ ही, ईंधन की कीमतों में वृद्धि से परिवहन और उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है, जिससे सभी क्षेत्रों में महंगाई का प्रभाव महसूस किया जा रहा है.

बांग्लादेश की सरकार इस समस्या का समाधान करने के लिए सब्सिडी बढ़ानी होगी और आयात घटना होगा, लेकिन इन उपायों का प्रभावी होना तभी संभव होगा, जब मुद्रास्फीति की जड़ में मौजूद समस्याओं का समाधान किया जाए. यानी अल्पसंख्यकों पर जारी हमले बंद करके शांति स्थापित की जाए और हिंसा के अपराधी तत्वों को कानून के दायरे में दंडित किया जाए, ताकि अल्पसंख्यकों में विश्वास बहाली हो सके. क्योंकि अल्पसंख्यक बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं.इन हिंसक घटनाओं का देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रभाव पड़ सकता है. जब किसी देश में सामाजिक अशांति और धार्मिक असहिष्णुता का माहौल बनता है, तो यह विदेशी निवेशकों और पर्यटकों को डराता है. विदेशी निवेशक ऐसे देशों में अपने निवेश को सुरक्षित नहीं मानते, जहां सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता का अभाव होता है. इसके परिणामस्वरूप, बांग्लादेश में विदेशी निवेश में कमी आ सकती है, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक और झटका हो सकता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> विदेशी मुद्रा भंडार का गिरना देश के लिए गंभीर आर्थिक संकट का संकेत है. विदेशी मुद्रा भंडार गिरने से बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पहले ही 'कॉसन मोड' में थी. विदेशी मुद्रा भंडार का महत्व किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा होता है. यह एक देश के आयात, निर्यात, मुद्रा विनिमय दर और ऋृण अदायगी की क्षमता को प्रभावित करता है.

मीडिया में अन्यत्र

भारत के पड़ोसी देशों में अस्थिरता के मायने

थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री, 37 वर्षीया पेटोंगटारन शिनावात्रा को शुक्रवार को संसद द्वारा चुन लिया गया. ऐसा संवैधानिक अदालत द्वारा श्रेथा थाविसिन को अपदस्थ किये जाने के बाद किया गया. सुश्री पेटोंगटारन पूर्व थाई प्रधानमंत्री और उद्योगपति थाकसिन शिनावात्रा की सबसे छोटी बेटी हैं और यह पद संभालने वाली अपने परिवार की चौथी सदस्य हैं. श्री थाकसिन को 2006 में एक तख्तापलट में हटा दिया गया था, जबकि सुश्री पेटोंगटारन के फूफा सोमचाई वोंगसावत को 2008 में संवैधानिक अदालत ने बर्खास्त कर दिया था और उसी अदालत ने एकबार फिर उनकी बुआ यिंगलक शिनावात्रा को भी 2014 में बर्खास्त कर दिया था. प्रधानमंत्री पद पर ताजा बदलाव अतीत की ऐसी कई अचानक बर्खास्तगी को दर्शाता है जिनके लिए थाईलैंड की रूढ़िवादी सत्ता प्रतिष्ठान को जिम्मेदार ठहराया जाता है. श्री श्रेथा 2001 से नियुक्त किये गए एक दर्जन से ज्यादा प्रधानमंत्रियों में से एक थे. गौरतलब है कि अदालत ने श्री श्रेथा को एक ऐसे कैबिनेट मंत्री की नियुक्ति के लिए नैतिक उल्लंघन का दोषी ठहराया था, जिन्हें एक दशक से भी ज्यादा समय पहले श्री थाकसिन के भ्रष्टाचार के मामलों की सुनवाई करने वाले एक न्यायाधीश को रिश्वत देने के प्रयास का दोषी ठहराया गया था. खुद श्री श्रेथा 2023 में उस वक्त चुने गए थे, जब चुनावों में सबसे अधिक सीटें जीतने वाली सुधारवादी मूव फॉरवर्ड पार्टी को सरकार बनाने के लिए अयोग्य करार कर दिया गया था और राजशाही की आलोचना को नियंत्रित करने वाले सख्त कानूनों में बदलाव का सुझाव देने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था. लिहाजा, इस पद पर सुश्री पेटोंगटारन के सुचारू कार्यकाल और व्यवस्था में आमूल-चूल बदलाव लाने की संभावनाएं धूमिल लगती हैं. उनका सबसे महत्वपूर्ण कार्य अपने पूर्ववर्तियों जैसे हश्र से बचते हुए थाईलैंड की सुस्त अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाना होगा. उनकी उम्र और अनुभव की कमी को देखते हुए, उन्हें मुख्य रूप से उनके पिता द्वारा निर्देशित किए जाने की उम्मीद है, जो भ्रष्टाचार के आरोपों की वजह से संयुक्त अरब अमीरात में अपने निर्वासन के बाद सत्ता प्रतिष्ठान के साथ हुए समझौते के तहत स्वदेश वापस लौट आए हैं.यह घटनाक्रम भारत के पूर्व में हिंद महासागर में स्थित पड़ोस में अस्थिरता के समय सामने आया है - बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के निष्कासन ने देश को अनिश्चितता के दौर में धकेल दिया है, जिससे अंतरिम सरकार को निपटना होगा. यह घटनाक्रम उग्रवादी समूहों और म्यांमार के जुंटा के बीच हिंसा में वृद्धि के बाद हुआ है, जिसने भारत के निवेश के साथ-साथ भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के साथ लगी सीमा पर शांति को जोखिम में डाल दिया है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

घुन/धुन

किसी शायर ने कहा है- मेरे कमरे में भरा रहता है दस्तक का गुबार, ये वो घुन है जो किवाड़ों को भी खा जाता है. जिसमें घुन लगता है, उसे बर्बाद ही कर देता है, लेकिन जब दोषी के साथ किसी निर्दोष को भी सजा मिलने की बात होती है तो कहा जाता है कि जौ के साथ घुन भी पिस जाता है. देखने में घुन जैसा ही लगने वाला शब्द है धुन. एकरूपता का भ्रम केवल घ और ध से होता है. घुन तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. घुन लाल रंग का एक छोटा सा कीट होता है, जो अनाज के दानों के भीतरी भाग को खाकर उन्हें खोखला कर देता है. घुन लकड़ी आदि में लगने वाला सफेद रंग का छोटा पतला कीड़ा भी होता है. घुन शब्द से कई मुहावरे प्रचलित हैं. उनमें एक है घुन लगना. मतलब चिंता, रोग, शोक आदि के कारण मनुष्य की ऐसी स्थिति होना कि उसका शरीर दिन पर दिन क्षीण होता जाये. आलसी लोगों की तारीफ में भी इस मुहावरे का प्रयोग किया जाता है. जैसे उसके हाथ-पांव में घुन लग गया है. धुन शब्द की व्याख्या करने से पहले किशोर कुमार का गाया यह गाना सुन लेते हैं-चला जाता हूं किसी की धुन में धड़कते दिल के तराने लिए. इस गाने में धुन शब्द का प्रयोग मिलता है. धुन भी संस्कृत तत्सम शब्द है. गाने में प्रयुक्त धुन का मतलब है किसी काम को निरंतर करते रहने की अनिवार्य प्रवृत्ति, बिना आगा-पीछा सोचे रुके हुए किसी काम को करते रहने की इच्छा, लगन. धुन का पक्का उसे कहते हैं जो आरंभ किये हुए काम को बिना पूरा किये छोड़ता नहीं. धुन मन की तरंग है, मौज है. यह धुन ही तो है कि हम शब्द-चर्चा नित्य प्रति कर लेते हैं. धुन सोच है, विचार है, चिंता है, ख्याल है. धुन का मतलब कंपन भी है और गाने का तर्ज भी.

आखिर कैसे हो गयी लोकतंत्र की हत्या

• तीर-तुक्का

पीयूष पांडेय

सुना, फिर संसद के सत्र में हंगामे के बीच हत्या हो गई है. वह भी खुलेआम. मजे की बात यह है कि हत्या करने वाला हर पक्ष कह रहा है कि हत्या हो गई है, लेकिन लोकतंत्र की. मैंने एक संविधान विशेषज्ञ से पूछा- जनाब बताइए, क्या वास्तव में लोकतंत्र की हत्या हो गई है या 'अटेम्प्ट टू मर्डर' वाला मामला भर है. संविधान विशेषज्ञ जानकार आदमी थे. बोले- देखिए देश में हर रोज कम से कम 50 बार लोकतंत्र की हत्या होती है. कम से कम इस तरह की खबरें आती हैं कि देश के छोटे से गांव से लेकर संसद के भीतर तक लोकतंत्र की हत्या हो गई है, लेकिन लोकतंत्र का आज तलक शव नहीं मिल पाया है. बस इसी चक्कर में लोकतंत्र को मृत घोषित नहीं किया जा पा रहा है. यू नो बेनिफिट ऑफ डाउट. मैंने मूर्खों की श्रेणी में खुद को खड़ा करते हुए पूछा- क्या किसी आरटीआई से जाना जा सकता है कि हर साल कितनी बार लोकतंत्र की हत्या होती है. आजकल तो हर बात आरटीआई से ही जानी जाती है. सरकार बताती नहीं है और उत्साही आरटीआई कार्यकर्ता नेता के कुत्ते पर किए खर्च से लेकर नहाने के साबुन पर किए खर्च तक को पता करके ही दम लेते हैं. संविधान विशेषज्ञ मेरी नादानी पर मुस्कुराए. बोले- देखो, ये मामला जटिल है. अलबत्ता लोकतंत्र को गिरफ्तार किया जा सकता है. मैं कन्फ्यूज था. सांसद हर सुबह नारेबाजी करते हुए, हाथों में तख्तियां लिए हुए, कभी बापू की प्रतिमा के सामने तो कभी सदन के भीतर ताल ठोंक कर कहते हैं कि लोकतंत्र की हत्या हो रही है. और मुझे पता नहीं चल पा रहा है कि कैसे और कौन हत्या कर रहा है. और अब लोकतंत्र बच पाएगा या नहीं. मैं वास्तव में कन्फ्यूज हूं कि सांसदों के हंगामे से लोकतंत्र की हत्या हुई या बांहों पर कालीपट्टी बांधने से या स्पीकर के घर के बाहर प्रदर्शन से. या फिर उस दिन लोकतंत्र की हत्या हुई जिस दिन निर्भया का सामूहिक बलात्कार हुआ और सभ्य समाज के रूप में हम उसे बचा नहीं पाए. या फिर उस दिन लोकतंत्र की हत्या हुई जिस दिन दो ट्रेनें एक ही जगह पर दो अलग अलग ट्रैक पर ट्रैक से उतर गईं और 29 लोगों की मौत आंकड़ा बन गई. ट्रेनें इसलिए उतर गईं क्योंकि ट्रैक की पेट्रोलिंग हो नहीं रही थी और बाद में कहा गया कि प्राकृतिक आपदा की वजह से ट्रैक के नीचे से मिट्टी बह गई. या लोकतंत्र की हत्या उस दिन हुई, जिस दिन पाकिस्तान में बैठी एक गूंगी बहरी भारतीय लड़की की सुध भारतीय अधिकारियों ने इसलिए ली क्योंकि बजरंगी भाईजान फिल्म के बाद अचानक वो लड़की सुर्खियों में आ गई थी. यानी फिल्म नहीं आती तो वो लड़की गुमनामी में पड़ी रहती. कुल मिलाकर समझ नहीं पा रहा कि किस दिन लोकतंत्र की कायदे से हत्या हुई. वैसे, इससे सहमत हूं कि हत्या हुई. निकृष्टता की तोप से, धूर्तता की बंदूक से और छल कपट के बमों से लोकतंत्र की हत्या हुई है. काश! लोकतंत्र की हत्या पर ठप पड़ी संसद दो मिनट का मौन भी रखे.

सावन विशेष

सावन का महीना आते ही पूरे देश की तरह अपना झारखंड पूरी तरह से शिवमय हो जाता है. हर तरफ शिव का नामोच्चारण... हर तरफ जलाभिषेक की चर्चा! लंबी दूरी की कांवर यात्रा और पूरे एक महीने तक हर तरफ 'बोल बम' के घोष. संपूर्ण झारखंड शैव धर्म से ओतप्रोत है.

झारखंड के प्रमुख शिव मंदिर

सभक दुख अहां हरैय छी भोला, हमरा किए बिसरय छी यौ

डॉ हरेन्द्र सिन्हा

जहां तक झारखंड में शिव आराधना का प्रश्न है, संपूर्ण झारखंड शैव धर्म से ओतप्रोत है. आर्य एवं ग़ैर आर्य परंपरा में शिव समान रूप से आदर और श्रद्धा के केंद्र हैं. खूंटी ज़िले का ही उदाहरण यदि हम लें, तो पाएंगे कि खूंटी के चप्पे चप्पे में प्राचीन शिवलिंग मिलते हैं, जिनकी आराधना मुख्यतः स्थानीय जनजाति वर्ग के लोग सदियों से करते आ रहे हैं. पूरे राज्य के अनेक क्षेत्रों में यही स्थिति देखने को मिलती है कि शिव जनजातीय लोगों के भी अत्यंत प्रिय देवता हैं.

शिव अनादि तथा सृष्टि प्रक्रिया के आदि स्रोत हैं और यह काल महाकाल ही ज्योतिषशास्त्र के आधार हैं. शिव का अर्थ यद्यपि कल्याणकारी माना गया है, लेकिन वे हमेशा लय एवं प्रलय दोनों को अपने अधीन किए हुए हैं. वह गुरुओं के गुरु दक्षिणामूर्ति हैं. चरम वैराग्य के प्रतीक, श्मसान के निवासी होकर भी भारतीय गार्हस्थ्य जीवन के चरम आदर्श हैं. काम के शत्रु होकर भी अर्धनारीश्वर हैं. अमृत मंथन के समय समुद्र से निकले हला-हल को पी कर संसार की रक्षा करने वाले शिव नीलकंठ कहलाए. शिव भूत-प्रेत, भैरव तथा अनेक गणों के देवता हैं. शिव विवाह की बारात शंकर की अलौकिकता का सूचक है. शिव गले में सर्प की माला और मस्तक पर गंगा को धारण कर अमृत और विष का अनोखा संतुलन करते हैं. पशुपति के रूप में वो समस्त प्राणियों के स्वामी हैं और शक्ति के पति हैं. एक ओर शिव अपने भक्तों के लिए अत्यंत कृपालु तथा अनुग्रह युक्त हैं, तो दूसरी ओर सृष्टि के विनाश हेतु तांडव नृत्यकर्ता भी हैं. शिव के समान ही शिव पूजा का,न तो आदि है और न ही अंत. रावण, शनि, कश्यप ऋषि आदि इनके भक्त हुए हैं. शिव सभी को समान दृष्टि से देखते हैं, इसलिये उन्हें देवाधिदेव महादेव कहा जाता है. वो राम को प्रिय हैं तो रावण को भी प्रिय हैं.

झारखंड की हरी-भरी धरती, ऐसे ही शिव के अनेक प्राचीन मंदिरों से समृद्ध है. यहां माता सती की शक्तिपीठ से लेकर देवाधिदेव महादेव का पवित्र ज्योतिर्लिंग भी स्थापित है. सावन के महीने में झारखंड के सभी शिवालयों का नज़ारा मनोरम दिखता है. बड़ी संख्या में श्रद्धालु राज्य के विभिन्न हिस्सों में स्थित शिवलिंगों को जलाभिषेक करने मंदिर पहुंचते हैं. इसी दौरान कांवर यात्रा का भी आयोजन होता है. श्रावण मास भगवान शिव का पवित्र महीना है, जिसमें भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने, जलाभिषेक करने से विशेष फल प्राप्त होता है।

झारखंड में वैसे तो 50 से अधिक महत्वपूर्ण प्राचीन शिव मंदिर अवस्थित हैं, पर आलेख की सीमित शब्द सीमा के कारण, उनमें से मात्र कुछ ही प्रमुख मंदिरों की चर्चा यहां की जा रही है:

बैद्यनाथ धाम, देवघर

देवघर ज़िला मुख्यालय स्थित बैद्यनाथ धाम देश के प्रसिद्ध शैव तीर्थ स्थलों में अग्रणी है. ज्योतिर्लिंग को अनादि सिद्ध कहा जाता है. द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से नवां ज्योतिर्लिंग यहीं है, जिसकी आराधना के मूल में अनादि प्रकाश पुंज की भावना विद्यमान है. इस शिवलिंग को सिद्ध पीठ की मान्यता भी प्राप्त है. सती के शरीर को लेकर जब शिव नृत्य कर रहे थे तब भगवान विष्णु ने अपने चक्र से उसे खंड-खंड कर दिया था तब हृदय इसी धाम में गिरा था, जिससे इसे हृदय पीठ भी कहते हैं और चिता भूमि के नाम से भी ये विख्यात है। शिव महापुराण, पद्म पुराण, वायु पुराण, मत्स्य पुराण, देवी भागवत, वामन पुराण तथा भविष्य पुराण में बैद्यनाथ धाम तीर्थ की चर्चा है.

शिव पुराण के अनुसार रावण भगवान शिव का महान भक्त था। उसकी हार्दिक इच्छा थी कि शिव उसकी नगरी लंका में निवास करें. शिव ने रावण को बताया कि उनके ज्योतिर्लिंग को लंका ले जा सकते हैं. किंतु उन्होंने यह भी कहा कि हिमालय से लंका ले जाने के क्रम में ज्योतिर्लिंग को कहीं ज़मीन पर नहीं रखा जाना चाहिए, अन्यथा वह सदा के लिए वहीं स्थापित हो जाएगा. इधर देवगण यह नहीं चाहते थे कि ज्योतिर्लिंग लंका में स्थापित हो. अतः वरुण देव रावण के पेट में प्रवेश कर गए. आकाश मार्ग से जा रहे रावण को, सहज होने के लिए, लाचार होकर नीचे ज़मीन पर उतरना पड़ा. विष्णु इसी समय एक ब्राह्मण के वेश में रावण के समक्ष उपस्थित हुए. रावण ज्योतिर्लिंग को थोड़ी देर के लिए ब्राह्मण के हाथ में देते हुए बोला कि मेरे वापस आने तक इसे रखे रहना. विष्णु ज्योतिर्लिंग को कुछ देर तक अपने हाथ में ऐसे ही रखे रहे. बाद में उसे ज़मीन पर रखकर अंतर्ध्यान हो गए. रावण जब लौट कर आया तो उसने देखा कि ज्योतिर्लिंग ज़मीन पर स्थापित हो गया है. तब उसे देवताओं की चाल समझ में आई. रावण ने बहुत प्रयास किया कि उस लिंग को निकाल कर ले जा सके, लेकिन सफल नहीं हुआ, तब गंगाजल लाकर उसने वहीं पर पूजा अर्चना की तथा अपने वाण से वहीं एक कुएं का निर्माण किया. उस कुंए में सभी पावन नदियों का जल डाला गया. वह स्थान, जहां ज्योतिर्लिंग स्थापित हुआ, देवघर के नाम से प्रसिद्ध हुआ. देवघर को बैजनाथ धाम के नाम से भी जाना जाता है.

वर्तमान मंदिर का निर्माण 16वीं शताब्दी के लगभग हुआ है. मंदिर के दीवार पर लगे एक प्राचीन अभिलेख से ज्ञात होता है कि गिद्धौर के राजा के पूर्वज पूरणमल द्वारा बैजनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी रघुनाथ के अनुरोध पर 1596 ईस्वी में वर्तमान मंदिर का निर्माण कराया गया था. मंदिर की ऊंचाई लगभग 72' है. संपूर्ण मंदिर का निर्माण प्रस्तर से किया गया है. इसके आसपास अन्य मंदिरों का निर्माण भी स्थानीय सरदार पंडा के परिवार वालों द्वारा कराया गया था, जिसमें लक्ष्मी नारायण मंदिर, सावित्री मंदिर, पार्वती मंदिर, काली मंदिर, गणेश मंदिर इत्यादि हैं. इस समूह में अंतिम मंदिर आनंद भैरव का निर्माण 1810 से 1823 के बीच हुआ. राजा मानसिंह ने शिव मंदिर के पास एक तालाब बनवाया, जिसे अब शिव गंगा के नाम से जाना जाता है.

सावन माह में कांवरिया शिव भक्त सुल्तानगंज, भागलपुर से उत्तर वाहिनी गंगा से जल लेकर लगभग 105 किलोमीटर की यात्रा पैदल चलकर देवघर पहुंचते हैं तथा शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं. दूरदराज बद्रीनाथ से भी गंगाजल लाकर अर्पित किया जाता है.

टांगीनाथ, गुमला

गुमला ज़िला के डुमरी प्रखंड में मझगांव के पास टांगीनाथ गांव अवस्थित है, जहां एक पहाड़ी के पश्चिमी भाग में एक प्राचीन शिव मंदिर के अवशेष पाए गए हैं. यह गांव गुमला से 70 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है. सर्वप्रथम 1910 ईस्वी में चुन्नीलाल ने इस स्थल को पुरातात्विक दृष्टिकोण से देखा था. टांगीनाथ झारखंड राज्य के प्राचीन सांस्कृतिक धरोहरों में से एक महत्वपूर्ण शिव मंदिर है. मंदिर क्षतिग्रस्त हो चुका है लेकिन जो अवशेष वहां गिरे पड़े थे, उनसे मिलाकर स्थानीय लोगों ने एक छोटे से मंदिर का पुनर्निर्माण कर दिया है. मंदिर में प्रवेश के लिए दो तोरण द्वार बने हैं. दोनों के बीच एक गलियारा भी बना है. संभवत तोरण द्वारों के ऊपर कुछ कलाकृतियां भी उत्कीर्ण रही होंगी जो संप्रति ध्वस्त हो चुकी हैं. प्रवेश द्वार के दोनों तरफ क्रमशः मकरवाहिनी गंगा और कूर्म वाहिनी जमुना की मूर्तियां बनी हुई हैं. बलुआही पत्थर के स्तंभों तथा पट्टिकाओं से इस मंदिर का निर्माण हुआ था. द्वार स्तंभों एवं दीवारों में लगे पाषाण खण्डों के बाहरी हिस्से में पशु-पक्षी, बेल-बूटे, मानवीय आकृतियां आदि उत्कीर्ण हैं. उड़ीसा के मंदिरों की शैली में यहां बने गज-व्याल भी अवलोकनीय हैं. मंदिर के जीर्णावशेषों से अनुमान लगाया जा सकता है कि अपने मूल रूप में यह पश्चिम बंगाल के पुरूलिया ज़िले के ग्राम पारा स्थित मंदिर के जैसा रहा होगा. इस मंदिर का निर्माण भी पंच-रथ योजना के अंतर्गत हुआ था. टांगीनाथ मंदिर के आसपास बहुत बड़ी संख्या में शिवलिंग पाए गए हैं तथा शिव, सूर्य, दुर्गा, उमा- महेश्वर, गणेश आदि की ढेर सारी मूर्तियां बिखरी पड़ी हुई हैं. अब एक नया मंदिर भी यहां बनवा दिया गया है.

यहां पाए गए सबसे महत्वपूर्ण अवशेषों में लोहे का एक विशाल त्रिशूल है, जिसकी लंबाई ज़मीन के ऊपर 7 ' 5₹ है. इसका एक ब्लेड टूट चुका है और इसका धातु दिल्ली के कुतुब मीनार (महरौली) परिसर में स्थित लौह स्तम्भ के धातु से मिलता-जुलता है, क्योंकि इसमें भी इतने सालों के बावजूद कहीं कोई जंग वगैरा नहीं लगा है. स्थापत्य अवशेषों के अध्ययन के आधार पर विद्वानों ने इसकी तिथि सातवीं शताब्दी से दसवीं शताब्दी के बीच की बताई है. इस मंदिर में भी सावन के दौरान कांवर-धारियों का आना-जाना बहुत बड़ी संख्या में होने लगा है. यहां मेले भी लगते हैं.

खकपरता, लोहरदगा

लोहरदगा जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर खकपरता नामक गांव है. यहां अष्ट-शम्भू की परंपराओं के अनुसार आठ मंदिरों का समूह है जिसके पास एक मुख्य मंदिर भी निर्मित है. यह शिव मंदिर पाषाण निर्मित है तथा अब तक बिल्कुल सुरक्षित स्थिति में है. उड़ीसा के मंदिरों की भांति ही इसे भी तराशा गया है और शीर्ष पर आमलक रखा हुआ है. तत्कालीन समाज में उस क्षेत्र में भी अष्ट शंभू पूजा परंपरा विद्यमान थी, जिसमें आठ प्रकार के लिंगों की पूजा की जाती थी. इस परंपरा में 8 मंदिरों के समूह में शिवलिंग के आठ विविध रूपों की प्रतिस्थापना की जाती थी. यहां भी आठ मंदिरों में शिव के आठ लिंगों की स्थापना की गई है. मुख्य मंदिर पहाड़ी पर बना है जो अभी सही स्थिति में है. यह उड़ीसा शैली में रेखा देवल शैली में पंच-रथ योजना के आधार पर निर्मित मंदिर है, जिसका मुख्य द्वार पूर्व दिशा की ओर है. पहाड़ी के नीचे निर्मित अन्य सात मंदिरों में अब मात्र शिवलिंग ही बचे हैं. इस प्रकार यहां अष्ट-शम्भू क्षेत्र की कल्पना साकार हो जाती है. सावन के महीने में इस मंदिर में भी कांवर-धारी भक्त बड़ी संख्या में आते हैं. पर वैसे भी सालों भर यहां भक्तों का आना-जाना लगा ही रहता है.

बेनी सागर, पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम ज़िला में चाईबासा से पचासी किलोमीटर दक्षिण झारखंड एवं उड़ीसा राज्य की सीमा पर बेनी सागर अथवा वेणु सागर गांव स्थित है. बेनी सागर में प्राचीन शिव मंदिर के भग्नावशेष मिले हैं तथा सर्वधर्म से संबंधित प्रतिमाएं भी बड़ी मात्रा में प्राप्त हुई हैं, जो मूर्ति शिल्प एवं मूर्ति विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं. बेनी सागर का शिव मंदिर परंपराओं के अनुसार शशांक द्वारा निर्मित कहे जाते हैं. सबसे पहले इस स्थान के संदर्भ में 1840 में कर्नल टीकेट ने लोगों को जानकारी दी थी. इसके बाद 1875 में प्रसिद्ध पुरातत्व जे डी बेग्लर ने यहां का दौरा किया था और यहां प्राप्त मूर्तियों आदि के आधार पर इसकी तिथि सातवीं शताब्दी बताई थी. यहां विशाल तालाब मिला है जिसे बेनी सागर कहा जाता है.

यहां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा पुरातात्विक सफाई एवं खुदाई में दो पंचायतन मंदिर मिले जिनके परिसर में अनेक शिवलिंग,भैरव, लकुलीश, सूर्य, अग्नि, कुबेर, गणेश महिषासुरमर्दिनी, यमुना आदि की मूर्तियों के अवशेष प्राप्त हुए हैं. यहां भी अष्ट-शंभू परंपरा के परिपालन में 8 शिवलिंगों की स्थापना की गई है, ऐसा लगता है. यहीं से पत्थर की एक मुहर भी मिली है जिस पर ब्राह्मी लिपि तथा संस्कृत भाषा में एक पंक्ति का अभिलेख अंकित है- 'प्रियंगु धेयेम चतुर्विद्या' अर्थात् यहां चार वेदों का ज्ञाता प्रियंगु रहता था. इस लिपि के आधार पर अब इस स्थल की तिथि पांचवीं शताब्दी बताई गई है. सावन माह के दौरान वेणु सागर मंदिर में भी बड़ी संख्या में भक्तगण शिवलिंगों का दर्शन करने आते हैं.

इन प्रमुख शिव मंदिरों की अतिरिक्त झारखंड में हार्राडीह (रांची) शिव मंदिर, सतगांवां शिव मंदिर (कोडरमा) खुखरागढ़ शिव मंदिर (रांची) के अलावा सैकड़ों ऐसे ही अन्य शिव मंदिर हैं जिनका पुरातात्विक एवं धार्मिक महत्व है. अन्य प्रमुख मंदिरों में डिंबू जर्दा एवं हरिन के अवशेष (तमाड़),झिनझिनी पहाड़ी शिव मंदिर और चेचगांव गढ़ शिव मंदिर (कतरास), दुलमी शिवमन्दिर, इटखोरी के शिव अवशेष, पांड्रा का शिव मंदिर, उप चुड़िया शिव मंदिर, चित्रेश्वर शिव मंदिर, इचागढ़ शिव मंदिर, झरना महादेव पीठोरिया का शिव मंदिर, कैथा मंदिर (रामगढ़) और दुमका के मलूटी शिव मंदिर समूह आदि विख्यात हैं. जनजाति समुदाय द्वारा भी इन मंदिरों में पूजा अर्चना आदि की जाती रहती है, विशेष कर जनजाति बहुल खूंटी जिले में शिव आराधना के अनेक केंद्र ऐसे हैं जहां विशेष कर जनजाति समाज द्वारा शिव की या शिव परम्पराओं की पूजा अर्चना की जाती है.

संस्कृत में है ज्ञान-विज्ञान का विपुल भंडार

डॉ दीप्ति वर्मा

सामान्य जनमानस में संस्कृत की छवि मुख्यतः पूजा पाठ एवं आध्यात्म की है, किन्तु संसार की इस आदि भाषा में इन सबके अतिरिक्त ज्ञान विज्ञान का विपुल भण्डार है. वैज्ञानिक आज जिस विज्ञान की बातें करते हैं, उसकी जड़ें मूलतः संस्कृत ग्रंथ ही हैं.

सक्शन फोर्स जिसकी चर्चा डिक्शन और जौली ने 1894 में की थी, उसका बहुत ही सुंदर वर्णन महाभारत के शान्तिपर्व (नवम, 177, 16) में काफी वर्ष पहले हो चुका था –

वक्त्रेनोत्पलनालेन यथोहर्व जलमाददेत।
तथा पवनसंयुक्तः पादैः पिबति पादप : ।।

इसी प्रकार महाराज भोज द्वारा रचित (1000- 1050) संस्कृत ग्रंथ समरांग सूत्रधार में इंजीनियरिंग यंत्र के निर्माण तथा चलित यंत्र (रोबोट) का वर्णन किया गया है. एक शोध के अनुसार केवल रसायनशास्त्र पर ही 44 ग्रंथ संस्कृत भाषा में उपलब्ध हैं. वेद की इस उक्ति ' सीसं च मे त्रपुंचमे श्यामं च मे लोहं च मे... ' द्वारा धातुओं के विषय में उल्लेख किया गया है. ब्राह्मण ग्रन्थ में भी हमें रसायनशास्त्र के अंश मिलते हैं.

गणितीय अर्थों का निरूपण भी संस्कृत के श्लोकों में खूब उपलब्ध हैं, जिससे आश्चर्यचकित हो जर्मनी के हिडेनबर्ग विश्वविद्यालय के डॉ वी पी दलाल ने कहा था कि जिस काल में ग्रीक लोग हजार से अधिक संख्या को निर्दिष्ट करने के लिए अंकों को भी नहीं जानते थे, जिस काल में वे बहुत कष्ट से गणना और गुणा आदि करते थे, उस काल में हमारे संस्कृत के गणितज्ञों ने महान उपलब्धि हासिल कर ली थी.

विश्व संस्कृत दिवस आज

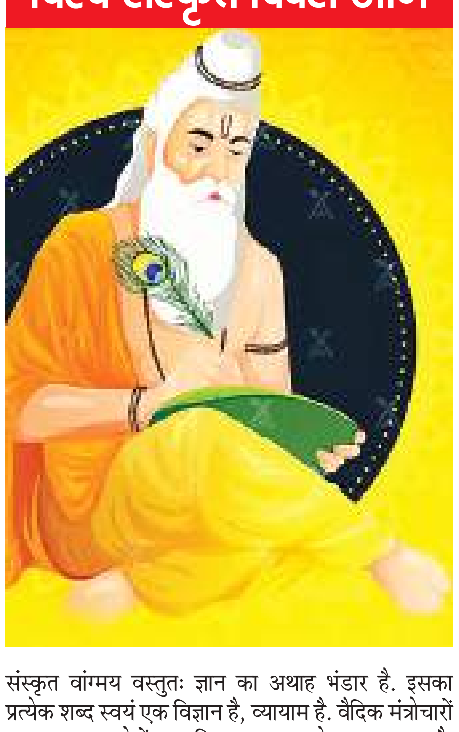

संस्कृत वांग्मय वस्तुतः ज्ञान का अथाह भंडार है. इसका प्रत्येक शब्द स्वयं एक विज्ञान है, व्यायाम है. वैदिक मंत्रोचारों द्वारा असाध्य रोगों का निदान इसका श्रेष्ठ उदाहरण है. ऋषिगण द्वारा प्रारंभ की गई इलाज की यह पद्धति आज भी कहीं कहीं जीवित है. इसी प्रकार संस्कृत ग्रंथों में न केवल रोगों की चर्चा है, अपितु उत्तम स्वास्थ हेतु उचित आहारविधि का भी पर्याप्त वर्णन है. आधुनिक चिकित्सक दूध को पूर्ण आहार मानते हैं. शाकाहारियों के लिए विशेषकर दूध और घी अमृत के समान है क्योंकि शरीर के पोषण एवं संवर्धन के लिए जिन जिन तत्वों का होना आवश्यक है, वे प्रायः सभी दूध में पाए जाते हैं. आयुर्वेद एवं अन्य संस्कृत शास्त्रों ने इसे पहले ही श्रेष्ठ घोषित कर दिया है. 'तत्र सर्वमेव क्षीरं प्राणिनाम प्रतिषिद्धं जातिसात्म्यात ' - सुश्रुत संहिता की इस उक्ति के अनुसार दूध सभी प्राणियों के लिए श्रेष्ठ आहार है. यही बात शतपथ ब्राह्मण में भी कही गई है- "एतद वै पय एव अन्नं मनुष्यणाम ' अर्थात् मनुष्य का प्रमुख आहार दूध है. आहार की मात्रा के विषय में भी चरक संहिता में विस्तार से उल्लेख किया गया है. यथा – यावदध्य स्थाशनमशित मनुपहत्य प्रकृति यथाकालं जरा गच्छति तावदस्य मात्रा प्रमाणं वेदितव्यं भवति। यानी आहार की जो मात्रा, भोजन करनेवाले की प्रकृति में बाधा न पहुंचाते हुए यथासमय पच जाए, वही उस व्यक्ति के लिए उचित मात्रा है.

ज्ञान का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं, जहां संस्कृत की पहुंच नहीं. या फिर कहें कि ज्ञान की सभी धाराएं संस्कृत से ही निकली हैं. वस्तुतः यही वजह है कि पाश्चात्य जगत ज्ञान की तलाश में हमेशा से ही भारत आते रहा है और हमारे संस्कृत ग्रंथों के पन्नों को पलटता रहा है. हम जहां खुद को आधुनिक साबित करने की कोशिश में अपनी ही देवभाषा की अवहेलना करते रहे हैं, वहीं वे हमारे ग्रंथों का विदेशी भाषाओं में अनुवाद कर उसमें छिपे गूढ़ रहस्यों का उद्घाटन कर नई नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं; और हम कस्तूरी मृग की भांति बस इधर उधर भटक रहे हैं.

क्यों दूर हो रहा संस्कृत

देवभाषा संस्कृत न केवल हमारी आदिभाषा है, अपितु भारतीय सभी भाषाओं की जननी है; परंतु खेद की बात है कि हमारे ही देश में जो इस आदि भाषा का उद्गम स्थल है, संस्कृत दिवस सामान्यतः संस्कृत के विद्वानों व छात्रों द्वारा ही मनाया जाता है. कोई तो कारण है कि इस जननी भाषा के प्रति हमारी रुचि न्यून हुई है.

सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के मानविकी एवं भाषाशास्त्र की संकायाध्यक्ष डॉ नीलिमा पाठक कहती हैं कि ज्यादातर माता पिता संस्कृत पढ़ाने का प्रयोजन ही नहीं बता पाते, जिससे संस्कृत पढ़ने का उनमें संस्कार ही नहीं बन पाता. शिक्षक रुचिकर तरीके से इस विषय को नहीं पढ़ा पाते. छात्र संस्कृत में रुझान नहीं रख पाते.

संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त सह प्राध्यापक एवं अध्यक्ष डॉ बी के मिश्र मानते हैं कि विद्यार्थी तात्कालिक उपयोगिता को देखते हुए विषयों का चयन करते हैं, जो उन्हें तकनीकी विषयों में अधिक दिखाई देता है.

उच्च विद्यालय की शिक्षिका डॉ संगीता कुमारी कहती हैं कि संस्कृत भाषा की पढ़ाई ज्यादातर विद्यालयों में पांचवी के बाद शुरू होती है और आठवीं के बाद इसे वैकल्पिक विषय के रूप में रख दिया जाता है. वैकल्पिक विषय में अन्य रोजगारपरक विषय होते हैं इसलिए अन्य विषयों की ओर छात्रों का ध्यान अधिक जाता है.

उच्चतर विद्यालय की शिक्षिका डॉ भारती महतो इस विषय में कहती हैं कि विद्यालयों में, खासकर सरकारी विद्यालयों में क्षेत्रिय भाषाओं पर अधिक अधिक ध्यान दिया जाने लगा है, जो कि गलत नहीं है, लेकिन इन्हें संस्कृत के समकक्ष रख दिया गया है. छात्र अपने अपने क्षेत्र के हिसाब से कुरमाली, खोरठा, पंचपरगनिया आदि भाषा का चयन कर लेते हैं. जैसे हिंदी एक अनिवार्य विषय है, वैसे ही अगर संस्कृत को भी सम्मान मिले, तो ऐसा नहीं होगा.

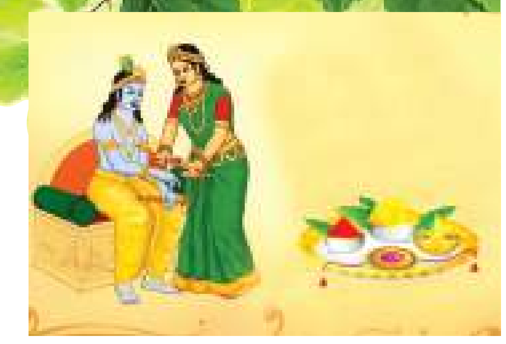

माता लक्ष्मी ने राजा बलि की कलाई पर बांधी थी राखी

डॉ मयंक मुरारी

रक्षा सूत्र के रूप में राखी बांधकर रक्षा का केवल वचन नही नहीं दिया जाता है, बल्कि प्रेम, समर्पण, निष्ठा और संकल्प के साथ हृदय को जोड़ने का भी वचन दिया जाता है. गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते है कि - मयि सर्वमिर्द प्रोतं सूत्रे मणिगणा इव- अर्थात् यह सूत्र अविच्छिन्नता का प्रतीक है. यह सूत्र यानी धागा बिखरे हुए मोतियों को, लोगों को और उनके संबंधों को अपने में पिरोकर एक रूप में एकाकार बनाता है. सबसे पहले जब इस सृष्टि में नैतिक मूल्यों का ह्रास होने लगा तो प्रजापति ब्रह्मा द्वारा भगवान शिव को इस पवित्र धागे से जोड़ते हैं, ताकि शिव गुणों को धरती पर भेजा जा सके.

इंद्र की पत्नी शचि ने वैदिक मंत्रों से अभिमंत्रित एक रक्षासूत्र बनायी जिसे गुरु वृहस्पति ने इंद्र के हाथों में बांध कर उन्हें अभय बना दिया था. इस रक्षा सूत्र के बल से ही भगवान इंद्र ने असुरों को परास्त किया था. भविष्य पुराण में कहा गया है- सर्व रोगापशमर्न सर्वाशुभ विनाशनम्। सकृत्कृते नाब्दमेकं येन रक्षा कृता भवेत्।। अर्थात् इस सावन पूर्णिमा को धारण किया हुआ रक्षासूत्र संपूर्ण रोगों तथा अशुभ कार्यों का विनाशक है. रक्षाबंधन का पर्व राजा बलि, भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी से भी जुड़ा है. राजा बलि को दिये गये वचन के अनुसार भगवान विष्णु पाताल लोक में चले गये तो माता लक्ष्मी चिंतित हो गयी. उन्होंने सावन की पूर्णिमा की तिथि को राजा बलि की कलाई पर पवित्र धागा बांधा और उसके मंगल की कामना की. इससे प्रभावित बलि ने माता लक्ष्मी की रक्षा का वचन दिया. तत्पश्चात माता ने भगवान विष्णु को वापस बैकुंठ भेजने आग्रह किया, जिसे बलि ने स्वीकार कर लिया.

रक्षाबंधन अब केवल भाई एवं बहन का त्योहर बन कर रह गया है. जबकि इसका महत्व रक्षा कवच की तरह रहा है. इसे वर्ष में एक बार विधिपूर्वक धारण करने से वर्ष भर मनुष्य की रक्षा होती है. बाद में इस कार्य को ब्राह्मण समाज ने स्वीकार कर लिया. बचपन में ब्राह्मण ही रक्षासूत्र को बांधते थे. तब समूह में ब्राह्मण की टोली निकलती थी. ये टोलियां कच्चे सूत अधिक से अधिक बांधने के लिए प्रयासरत् रहते थे, ताकि अधिक धनोपार्जन हो सके. बांधते समय, वे मंत्रों का उच्चारण करते- मेन बद्धो बली राजा, दानवेंद्रों महाबलः। तेनत्वां प्रतिबधनामि रक्षे !

प्राचीन काल में गुरूकुल से शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात आशीर्वाद स्वरूप गुरू अपने शिष्य को रक्षा सूत्र बांधते थे और यह कामना करते थे कि वे अपने ज्ञान का समुचित उपयोग करेंगे और आचार्य की गरिमा की रक्षा करेंगे. रक्षाबंधन के बारे में श्रीमदभागवत और महाभारत में भी उल्लेख है. कहते हैं युधिष्ठिर ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा कि सभी संकट से पार कैसे पा सकता हूं तो उन्होंने सैनिकों की रक्षा के लिए राखी का त्योहार मनाने का सलाह दी. द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण को और कुंती द्वारा अभिमन्यु को राखी बांधने का उल्लेख महाभारत में है. सिकंदर की पत्नी द्वारा राजा पुरू और कर्णावती द्वारा हुंमायु को राखी बांधन का वर्णन इतिहास में आता है.

रक्षाबंधन पर बहुत ही शुभ और दुर्लभ संयोग

आचार्य प्रणव मिश्रा

इस बार 19 अगस्त को रक्षाबंधन पर चंद्रमा और शनि की युति है. साथ ही भगवान भोलेनाथ की भी कृपा होगी. श्रावण माह का समापन सोमवार के दिन होगा, जिसमें चंद्रमा शनि की राशि कुंभ में विराजमान होंगे. और श्रावण पूर्णिमा यानी रक्षा बंधन भी सोमवार को है जिससे शनिदेव के साथ-साथ शिवजी की भी विशेष कृपा प्राप्त होगी.

रक्षा बंधन और शुभ योग

इस रक्षाबंधन ग्रह गोचरों का संयोग रहेगा. 19 अगस्त सोमवार को श्रवण नक्षत्र होने से सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है जो अति शुभ फलदायक है, सोमवार के दिन अगर श्रवण नक्षत्र हो तो यह पूजनीय माना जाता है. रक्षा बंधन अंतिम सोमवारी के दिन होने से विशेष रूप से शुभ रहेगा. इस दिन शोभन व सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग भी बन रहा है. रक्षाबंधन पर चंद्रमा और शनि की युति है. साथ ही भगवान भोलेनाथ की भी कृपा होगी. श्रावण माह का समापन सोमवार के दिन होगा, जिसमें चंद्रमा शनि की राशि कुंभ में विराजमान होंगे. और श्रावण पूर्णिमा यानी रक्षा बंधन भी सोमवार को है जिससे शनिदेव के साथ-साथ शिवजी की भी विशेष कृपा प्राप्त होगी.

शुभ मुहूर्त

ऋषिकेश पंचांग के अनुसार 18 अगस्त को रात्रि 2 : 29 मिनट पर भद्रा की शुरुआत होगी और 19 अगस्त को दोपहर 01 : 25 बजे पर होगा. जिस कारण 19 अगस्त को 01 : 25 के बाद राखी बांधना शुभ रहेगा.

सावन पूर्णिमा के दिन रात्रि 08 :13 बजे से चंद्रमा कुंभ राशि में प्रवेश कर रहे हैं. इस कारण पंचक भी प्रारंभ हो रहा है. 19 अगस्त सोमवार के दिन श्रवण नक्षत्र होने से सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराकर श्रृंखला जीती

एजेंसी। प्रोविडेंस (गयाना)

केशव महाराज की शानदार गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन ही 40 रन से हराकर दो टेस्ट मैच की श्रृंखला 1-0 से जीती. दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के सामने 263 रन का लक्ष्य रखा था, लेकिन उसकी टीम 222 रन पर आउट हो गई. यह लगातार 10वां अवसर है जबकि दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज से टेस्ट श्रृंखला जीती. पहली पारी में दो विकेट लेने वाले महाराज ने दूसरी पारी में 37 रन देकर तीन विकेट लिए. तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने 50 रन देकर तीन विकेट लिए. वेस्टइंडीज की तरफ से नौवें नंबर के बल्लेबाज गुडाकेश मोती ने सर्वाधिक 45 रन बनाए. महाराज ने टेस्ट क्रिकेट में अपने कुल विकेटों की संख्या 171 पर पहुंचा दी है और इस तरह से वह दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल स्पिनर बन गए हैं.

उन्होंने ह्यू टेफील्ड को पीछे छोड़ा. महाराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वर्तमान श्रृंखला में 13 विकेट लिए. इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 223 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई, लेकिन उसकी पूरी टीम 246 रन पर आउट हो गई. वेस्टइंडीज के सामने 263 रन का लक्ष्य था, लेकिन उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज नहीं चल पाए. मोती और जोशुआ डा सिल्वा (27) ने 77 रन की साझेदारी करके उम्मीद जगाई लेकिन महाराज ने इन दोनों को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित की. दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 160 रन बनाए थे. इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 144 रन पर आउट हो गई थी. इन दोनों टीम के बीच बारिश से प्रभावित रहा पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था. अब इन दोनों टीम के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला खेली जाएगी.

ब्रीफ खबरें

एमसीजी में इंग्लैंड की मेजबानी करेगा ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया 2027 में टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने के अवसर पर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में एकमात्र टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड की मेजबानी करेगा. पहला टेस्ट मैच मार्च 1877 को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एमसीजी में खेला गया था. ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 45 रन से जीता था. इन दोनों टीमों के बीच 1977 में टेस्ट क्रिकेट के 100 साल पूरे होने पर भी मैच खेला गया था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने इसी अंतर से जीत हासिल की थी.

लाहिड़ी 54 खिलाड़ियों में 49वें स्थान पर

व्हाइट सल्फर स्प्रिंग्स (अमेरिका)। भारत के अनिर्बान लाहिड़ी यहां लिव गोल्फ ग्रीनबियर टूर्नामेंट में दूसरे दौर में शनिवार को एक ओवर 71 का निराशाजनक कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 49वें स्थान पर खिसक गये. लाहिड़ी 54 खिलाड़ियों की इस प्रतियोगिता में शुरुआती दौर के बाद संयुक्त रूप से 38वें स्थान पर थे. ओल्ड व्हाइट कोर्स में आसान परिस्थितियों के बावजूद वह दूसरे दौर में एक बर्डी के मुकाबले दो बोगी कर बैठे.

आरएंडए गर्ल्स एमेच्योर के सेफा में हारी मन्नत

एलवुडले (ब्रिटेन)। आर एंड ए गर्ल्स एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय मन्नत बरार को अंतिम चार के मुकाबले में पोलैंड की मैटिल्डा क्रॉजिनस्का के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा. भारतीय गोल्फ यूनियन की मेरिट सूची में शीर्ष रैंकिंग वाली खिलाड़ी मन्नत इस टूर्नामेंट में अंतिम चार में जगह बनाने वाली देश की पहली गोल्फर हैं.आरएंडए गर्ल्स एमेच्योर टूर्नामेंट में 144 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं.

विनेश की स्टार रेसलर चचेरी बहनें गीता और बबीता उनसे नाराज

हमारी लड़ाई जारी रहेगी, सच्चाई की जीत होगी : विनेश फोगाट

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक से स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत से अभिभूत पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि भारतीय कुश्ती की बेहतरी के लिए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी और उम्मीद जताई कि सच्चाई की जीत होगी. ओलंपिक में 50 किग्रा फाइनल में पहुंचने के बाद अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित की गईं विनेश का शनिवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया. विनेश ने अपनी अयोग्यता के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी लेकिन उसके तदर्थ प्रभाग ने उसे खारिज कर दिया था. दिल्ली से अपने पैतृक गांव बलाली तक के रास्ते में विनेश को उनके समर्थकों और खाप पंचायतों ने सम्मानित किया. उन्हें 135 किलोमीटर की दूरी पूरी करने में लगभग 13 घंटे का समय लगा. वह मध्य रात्रि के समय अपने गांव पहुंची. गांव वालों ने उनका पूरा उत्साह के साथ स्वागत किया.

पेरिस से यहां तक के लंबे सफर के कारण विनेश काफी थक गई थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपने प्रशंसकों को संबोधित किया. विनेश ने कहा, हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है. लड़ाई जारी रहेगी और मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि सच्चाई की जीत होगी. विनेश और उनके साथी ओलंपियन बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर डब्ल्यूएफआई और उसके पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एक साल से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं.

विनेश फोगाट | महावीर फोगाट | गीता व पवन सरोहा

विनेश सहित छह पहलवान पिछले साल डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे थे. विनेश ने यह भी कहा कि उनका जिस तरह से शानदार स्वागत किया गया उससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है. इस 29 वर्षीय पहलवान ने कहा, मुझे अपने देशवासियों, मेरे गांव और परिवार के सदस्यों से जो प्यार मिला उससे मुझे इस झटके से उबरने में मदद मिलेगी. मैं वापस कुश्ती में लौट सकती हूं. ओलंपिक पदक से चूकना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा झटका है. मैं नहीं जानती कि मुझे इससे उबरने में कितना समय लगेगा. मैं नहीं जानती कि मैं कुश्ती में वापसी करूंगी या नहीं लेकिन आज मुझे जो साहस मिला है उसका मैं सही दिशा में इस्तेमाल करना चाहती हूं. विनेश ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह इस तरह के सम्मान की हकदार हैं या नहीं. मैं भाग्यशाली हूं जो मेरा जन्म इस गांव में हुआ. मैं हमेशा महिलाओं और गांव के सम्मान के लिए लड़ती रहूंगी.

'छल का फल छल, आज नहीं तो कल'

विनेश ने अपने संदेश में हालांकि अपने ताऊ महावीर फोगाट का जिक्र नहीं किया, जिससे उनकी चचेरी बहनें गीता और बबीता नाराज हो गईं. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी निराशा व्यक्त की. गीता ने एक्स पर लिखा, कर्मों का फल सीधा सा है. छल का फल छल, आज नहीं तो कल. गीता के पति पवन सरोहा भी पहलवान हैं, उन्होंने विनेश को महावीर के बारे में याद दिलाया. सरोहा ने लिखा, विनेश आपने बहुत ही बढ़िया लिखा है लेकिन शायद आज आप अपने ताऊ जी महावीर फोगाट को भूल गए हैं, जिन्होंनें आपके कुश्ती जीवन को शुरू किया था. भगवान आपको सदबुद्धि दे. बबीता ने लिखा, हर वो कामयाबी हार है. जिसका मकसद सिर्फ हर किसी को नीचा दिखाना है.

विश्व चैंपियनशिप में दो बार की पदक विजेता ने उम्मीद जताई कि गांव का कोई खिलाड़ी उनकी विरासत को आगे बढ़ाएगा.
उन्होंने कहा, मैं तहेदिल से चाहती हूं कि गांव का कोई व्यक्ति मेरी विरासत को आगे ले जाए और मेरे रिकॉर्ड तोड़ दे. अगर मैं अपने गांव की महिला पहलवानों को बढ़ावा दे सकती हूं, तो यह मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी. अगर इस गांव से कोई पहलवान नहीं निकलता है तो यह निराशाजनक होगा. मैं आप सभी से अनुरोध करती हूं कि गांव की महिलाओं का समर्थन करें. अगर उन्हें हमारी जगह लेनी है तो उन्हें आपके सहयोग और समर्थन की जरूरत पड़ेगी. विनेश ने अयोग्य ठहराए जाने के बाद कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी.

भारत 'ए' ने ऑस्ट्रेलिया 'ए' को हराया

भाषा। मैकाय (ऑस्ट्रेलिया)

युवा लेग स्पिनर प्रिया मिश्रा के पांच विकेट के अलावा तेजल हसबनिस और राघवी बिष्ट के अर्धशतक से भारत 'ए' ने रविवार को यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया ए को 171 रन से रौंद दिया. ब्रिसबेन में तीन टी20 और यहां पहले दो एकदिवसीय मुकाबले गंवाकर लगातार पांच शिकस्त झेलने के बाद भारत 'ए' ने अंततः दौरे पर जीत का स्वाद चखा. तेजल की 66 गेंद में 50 और राघवी की 64 गेंद में 53 रन की पारी की बदौलत भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 243 रन बनाए. दिल्ली की 20 साल की प्रिया ने इसके बाद 14 रन देकर पांच विकेट चटकाते हुए ऑस्ट्रेलिया 'ए' को सिर्फ 72 रन पर ढेर करके मेहमान टीम को दौरे की पहली जीत दिलाई। कप्तानी मीनू मनि ने भी चार रन देकर दो विकेट हासिल किए. दौरे का अपना पहला मैच खेल रही प्रिया ने सलामी

बल्लेबाज मैडी डार्क (22) और शीर्ष क्रम की बल्लेबाज टीस फ्लिंटॉस (20) को पवेलियन भेजा जिससे मेजबान टीम ने 15वें ओवर में 52 रन तक चार विकेट गंवा दिए. प्रिया ने इसके बाद निकोल फैल्टम (02), केट पीटरसन (01) और निकोला हैनकॉक (00) को आउट करके मेजबान टीम को 22.1 ओवर में समेटने में अहम भूमिका निभाई. दोनों टीमों के बीच एकमात्र अनौपचारिक टेस्ट 22 अगस्त से गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा. इससे पहले भारत 'ए' की शुरुआत भी खराब रही. टीम न नौवें ओवर में 43 रन तक तीन विकेट गंवा दिए लेकिन तेजल और राघवी ने चौथे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला. तेजल और राघवी ने टीम का स्कोर 147 रन तक पहुंचाया, जिसके बाद 28वें ओवर में तेजल आउट हो गईं. राघवी भी इसके तुरंत बाद पवेलियन लौट गईं. संजीवन सजना (40) और कप्तान मीनू मनि (34) ने इसके बाद उम्दा पारियां खेलकर टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया.

पैट कमिंस ने लिया आठ सप्ताह का ब्रेक

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने इस साल के आखिर में भारत के खिलाफ प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए आठ सप्ताह का ब्रेक लिया है. कमिंस अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट में भाग लेने के बाद हाल में ऑस्ट्रेलिया लौटे हैं. ऑस्ट्रेलिया में गर्मियों के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए उन्होंने खुद को तरोताजा रखने के लिए विश्राम करने का फैसला किया है. इस कारण उन्हें इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे के लिए टीम में नहीं चुना गया है. फॉक्स स्पोर्ट्स ने कमिंस के हवाले से कहा, ब्रेक के बाद वापसी करने पर हर कोई तरोताजा महसूस करता है.

बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से भेंट की

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने भेंट की. यहां मुख्यमंत्री आवास में मुलाकात के दौरान धामी ने सेन को पेरिस ओलंपिक में शानदार खेल का प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. उत्तराखंड के अल्मोड़ा के रहने वाले 23 वर्षीय सेन इसी माह समाप्त हुए पेरिस ओलंपिक खेलों में बैडमिंटन की पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचे थे. हालांकि, सेमीफाइनल में हार के कारण उन्हें कांस्य पदक से भी वंचित रहना पड़ा. मुख्यमंत्री ने सेन को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि वह पूरे समर्पण से अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करें

और राज्य सरकार एवं प्रदेश की जनता उनके साथ है. धामी ने कहा, जब किसी कार्य के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति होती है, तो उस कार्य में सफलता अवश्य मिलती है. इस अवसर पर सेन की मां निर्मला सेन व पिता डीके सेन और उत्तराखंड बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव बीएस मनकोटी भी मौजूद थे.

महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप 2025

वेस्टइंडीज के खिलाफ अभियान शुरू करेगा भारत

भाषा। दुबई

गत चैंपियन भारत मलेशिया में अगले साल 18 जनवरी से दो फरवरी तक होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ करेगा. भारत को ग्रुप ए में मेजबान मलेशिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ जगह मिली है. भारत ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में फाइनल में इंग्लैंड को हराकर पहले टूर्नामेंट का खिताब जीता था.
इंग्लैंड, आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को ग्रुप बी में रखा गया है जबकि ग्रुप सी में दक्षिण अफ्रीका,

न्यूजीलैंड, समोआ और अफ्रीका से एक क्वालीफायर को जगह मिली है. ग्रुप डी में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, स्कॉटलैंड और एशियाई से एक क्वालीफायर को रखा गया है. प्रत्येक ग्रुप की टीम राउंड रोबिन चरण में एक-दूसरे से भिड़ेंगी, जिससे प्रत्येक टीम को ग्रुप चरण में तीन मैच खेलने को मिलेंगी. सभी चार ग्रुप से शीर्ष तीन टीम सुपर सिक्स चरण में जगह बनाएंगी. चारों ग्रुप में अंतिम स्थान पर रहने वाली टीमें 24 जनवरी को अंतिम स्थान के प्ले ऑफ में भिड़ेंगी.

मोहन बागान व ईस्ट बंगाल डूरंड कप के क्वार्टर फाइनल में

भाषा। कोलकाता

डूरंड कप के 133 वें सत्र के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों की घोषणा रविवार को की गई, जिसमें यहां का सॉल्ट लेक स्टेडियम बेंगलुरु एफसी बनाम केरला ब्लास्टर्स मैच की शुक्रवार को मेजबानी करेगा. कोलकाता में एक प्रशिक्षु चिकित्सक के कथित बलात्कार और हत्या के मामले में व्यापक विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर आयोजकों ने शनिवार को मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच डूरंड कप के अहम लीग मैच को रद्द कर दिया था. इस मैच में दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया गया जिससे मौजूदा चैंपियन मोहन बागान ने ग्रुप ए तालिका में शीर्ष स्थान के

साथ अंतिम आठ में क्वालीफाई किया. मोहन बागान की टीम तीसरे क्वार्टर फाइनल में पंजाब एफसी का सामना करेगी. यह मैच जमशेदपुर में होगा. ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने वाली ईस्ट बंगाल की टीम भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रही. टीम क्वार्टर फाइनल में शिलांग लाजोंग एफसी का सामना करेगी. यह मैच साल्ट लेक स्टेडियम के बजाय शिलांग में आयोजित किया जाएगा. डूरंड कप की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, शनिवार शाम को शिलांग में खेले गये एफसी गोवा बनाम शिलांग लाजोंग एफसी ग्रुप एफ मैच के खत्म होने के बाद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली आठ टीमें तय हो गयी. इसके बाद वीडियो कॉल के माध्यम से हुई बैठक में इन सभी टीमों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जहां लाइव ड्रॉ से अंतिम आठ के मैचों को तय किया गया. मोहन बागान और ईस्ट बंगाल की टीमें अगर अपने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मैच जीतने में सफल रहे तो वे साल्ट लेक स्टेडियम में 31 अगस्त को होने वाले फाइनल में एक दूसरे का सामना कर सकते हैं.

क्वार्टर फाइनल मैचों का कार्यक्रम

21 अगस्त : नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी बनाम इंडियन आर्मी एफटी (साई स्टेडियम कोकराझार शाम चार बजे)
शिलांग लाजोंग एफसी बनाम ईस्ट बंगाल (जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, शिलांग शाम सात बजे)

23 अगस्त : मोहन बागान बनाम पंजाब एफसी (जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जमशेदपुर शाम चार बजे)
बेंगलुरु एफसी बनाम केरला ब्लास्टर्स एफसी (साल्टलेक स्टेडियम, शाम सात बजे)

टिप्पणी जसपाल राणा ने चयन नीति के लिए एनआरएआई की आलोचना की

चयन नीति से निशानेबाजों को नुकसान हो रहा है : जसपाल राणा

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीत कर इतिहास रचने वाली निशानेबाज मनु भाकर के कोच जसपाल राणा ने राष्ट्रीय महासंघ की लगातार बदलती ओलंपिक चयन नीति की आलोचना करते हुए कहा है कि इससे अतीत में कुछ सबसे होनहार प्रतिभाओं को नुकसान हुआ है और अगर इसमें सुधार नहीं किया गया तो आगे भी ऐसा होता रहेगा. एशियाई खेल 2006 में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले राणा ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) की अपनी नीतियों में अंतिम समय में बदलाव करने की प्रवृत्ति की आलोचना की.

खास बातें

- चयन नीति से होनहार प्रतिभा को नुकसान उठाना पड़ा
- अर्जुन बाबूता की चर्चा नहीं होने पर भी आपत्ति जताई

राणा ने शुक्रवार को पीटीआई मुख्यालय में उसके संपादकों से बात करते हुए अपनी राय साझा की. इस दौरान उनके साथ मनु भी मौजूद थीं, जिन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा (सरबजोत सिंह के साथ मिलकर) में कांस्य पदक जीते थे.

राणा ने कहा, (महासंघ की) चयन नीति हर छह महीने में बदलती है. मैंने खेल मंत्री से मुलाकात करके इस पर उनसे बात की. उन्हें निर्णय लेने दें... वे जो भी निर्णय लेते हैं, सही या गलत, हम उस पर चर्चा नहीं कर रहे हैं, और फिर उस पर कायम रहो. आप इसके बाद निशानेबाजों के प्रदर्शन में अंतर देखेंगे. टोक्यो ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में जगह बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी सौरभ चौधरी और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज जीतू राय जैसे कई प्रतिभाशाली निशानेबाज कुछ ही वर्षों में फीके पड़ गए, जबकि वे सबसे प्रतिभाशाली निशानेबाजों में से एक थे. राणा ने कहा, सौरभ चौधरी कहां हैं, जीतू राय कहां हैं? क्या कोई उनके बारे में बात करता है? नहीं. क्या हम (10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज) अर्जुन बाबुता के बारे में बात कर रहे हैं, जो पेरिस में चौथे स्थान पर रहे थे. वह मामूली अंतर से पदक से चूक गए थे. क्या कोई उनकी सुध ले रहा है. एनआरएआई ने रियो ओलंपिक के बाद टोक्यो ओलंपिक में भी पदक नहीं जीतने के बाद 2021 में अपने चयन मानदंडों में संशोधन किया. उसने कोटा हासिल करने वाले निशानेबाजों को मिलने वाले बोनस अंकों में भारी कटौती की और लंबे अंतराल के बाद टीम के चयन के लिए ट्रायल्स की शुरुआत की.

राणा ने कहा कि वह बदलाव के खिलाफ नहीं हैं लेकिन ओलंपिक चक्र के दौरान अधिक निरंतरता बनाए रखना जरूरी है. उन्होंने कहा, अभी हमारे पास ओलंपिक और विश्व कप के पदक विजेताओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कोई तंत्र नहीं है. हम ओलंपिक पदक विजेताओं को लंबे समय तक नहीं देखते क्योंकि हमारे पास उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए कोई प्रणाली नहीं है.

इगा स्वियातेक और यानिक सिनर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी। मेसन (ओहियो)

महिला व पुरुष वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी क्रमशः इगा स्वियातेक और यानिक सिनर ने कड़ी मशक्कत करने के बाद सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. स्वियातेक ने 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा पर 6-4, 3-6, 7-5 से जीत के साथ अपना विजय अभियान 15 मैच तक पहुंचाया. उनका अगला मुकाबला आर्यना सबालेंका से होगा, जिन्होंने लुडमिला सैमसोनोवा को 6-3, 6-2 से हराया. सिनर ने आंद्रे रुबलेव को 4-6, 7-5, 6-4 से हरा कर पिछले सप्ताह मोंट्रियल के क्वार्टर फाइनल में मिली हार का बदला चुकता किया. वह ओपन युग में इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

जगह बनाने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बन गए हैं. सिनर का अगला मुकाबला अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा. पूर्व चैंपियन ज्वेरेव ने बेन शेल्टन को 3-6, 7-6, 7-5 से हराया. ज्वेरेव ने सिनर के खिलाफ लगातार चार जीत हासिल की हैं. फ्रांसिस टियाफो ने ह्यूबर्ट हर्काज़ के पिंडली की चोट के कारण दूसरे सेट से हट जाने के बाद लगातार दूसरे वर्ष सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई.

▼ ब्रीफ खबरें

सीएसपी संचालक की गोली मारकर हत्या

मधेपुरा । मधेपुरा के एक सीएसपी संचालक को रविवार को भागलपुर के नवगछिया जीरो माइल के पास बदमाशों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया. आनन-फानन में उसे भागलपुर के मायागंज अस्पताल ले जाया गया. जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. मृतक की पहचान चौसा थानाक्षेत्र के अरजपुर पंचायत के मनोहरपुर निवासी टोकसन कुमार शर्मा (35) के रूप में हुई है. मृतक जीविका के कई ग्राम संगठन में लेखपाल का कार्य करता था.

75 पुलिसकर्मियों का वेतन एसपी ने रोक दिया

पूर्णिया । पूर्णिया जिले में एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा ने एक साथ 75 पुलिसकर्मियों का वेतन रोकने का आदेश दिया. यह कार्रवाई मामलों के निष्पादन में लापरवाही बरतने के कारण की गई है. इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और पुलिसकर्मियों में खलबली मची हुई है. एसपी ने स्पष्ट किया कि अगर इन पुलिसकर्मियों द्वारा अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं लाया जाता है, तो उनके खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जाएगी, साथ ही उन्हें निलंबित भी किया जा सकता है. इस कार्रवाई को पुलिस महकमे में जागृति लाने के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है.

विद्यालय के पीछे मिली छात्र की लाश

भोजपुर । हथियारबंद अपराधियों ने एक आठवीं क्लास के छात्र की निर्मम हत्या कर दी है. अपराधियों ने घटना को अंजाम उस वक्त दिया जब छात्र अपने दादा के साथ दलान में सो रहा था. तभी देर रात उसके मोबाइल पर किसी ने फोन कर बर्थडे पार्टी में जाने के लिए घर से बाहर बुलाया और फिर गांव के मिडिल स्कूल के पास ले जाकर उसे गोली मारकर उसकी हत्या कर दी. अपराधियों ने उसको दो गोली मारी और फिर वहां से फरार हो गये. घटना इमादपुर थाना क्षेत्र के इमादपुर गांव की है. मृतक इमादपुर गांव निवासी पुष्पम राज कुमार उर्फ भोलू (13) था.

रोते-बिलखते परिजन

मां और दो बेटियां गंगा की तेज धार में बहीं, तीनों की मौत, इलाके में मचा हड़कंप

संवाददाता । बेगूसराय

बेगूसराय में गंगा स्नान करने के दौरान मां और दो बेटी सहित तीन की डूबने से मौत हो गई. इसमें महिला का शव लोगों ने बरामद कर लिया, जबकि स्थानीय गोताखोर के द्वारा दोनों बेटियों की तलाश की जा रही है. घटना बलिया थाना क्षेत्र के तुलसी टोल गंगा नदी की है. मृतक महिला की पहचान तुलसी टोल के रहने वाली द्रोपती देवी के रूप में की गई है जबकि पुत्री रिमझिम और रोमा बताई जा रही है. स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला द्रोपती देवी अपने दोनों बेटियों रिमझिम और रोमा के साथ गंगा स्नान करने के लिए गई थी. गंगा स्नान करने के दौरान अचानक रिमझिम और रोमा डूबने लगी. दोनों को डूबते देख द्रोपती देवी गंगा की तेज धार की तरफ बढ़ गई. लेकिन न तो वह अपनी बेटियों को बचा सकीं और न खुद ही तेज धार से बच पाई. बेटियों के साथ-साथ वह खुद भी गंगा के तेज धार में बह गई.

ग्रामीण तीनों को बचाने के लिए गंगा में कूदे,बचा न सके

ग्रामीणों ने बताया कि यह घटना होते देख घाट के पास लोग शोर मचाने लगे. वहां मौजूद कुछ गोताखोर और कुछ ग्रामीण तीनों को बचाने के लिए गंगा में कूद पड़े, लेकिन कोई फायदा नहीं हो पाया. काफी खोजबीन के बाद द्रौपदी देवी की लाश मिल गई लेकिन बेटियों रिमझिम और रोमा की लाश नहीं मिल पाई. स्थानीय गोताखोर अभी भी खोजबीन कर रहे हैं. स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की जानकारी बलिया थाना को दी दी.

नालंदा में किसान की मौत

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के पावापुरी ओपी थानाक्षेत्र के घोसरावां खंधा में रविवार की सुबह आकाशीय बिजली से एक किसान की मौत हो गयी. मृतक घोसरावां गांव निवासी 50 वर्षीय किसान मुरारी सिंह है. मवेशी चरा रहे लोगों ने बताया कि उक्त किसान रविवार सुबह से खेत में खाद छिट रहे थे वारिश से बचने के लिए पेड़ के निकट छिप गये थे. वही वज्रपात की चपेट में आ जाने से पूरा शरीर झुलस गया और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गयी. मृतक के परिवार वालों ने बताया कि रविवार सुबह खेत में खाद देने के लिए गए थे कि यह हादसा हुआ और उनकी मौत हो गयी. घटनाक्रम की जानकारी पावापुरी ओपी थाना पुलिस को दी गयी. घटना की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर जाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

खगड़िया : पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो सगी बहनों की जान चली गई, शोक

खगड़िया । बेलदौर थाना क्षेत्र के पीरनगरा पंचायत के शिशवा बहियार में पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो सगी बहनों की मौत हो गयी. दोनों बहनें पिरनगरा पंचायत के वार्ड नंबर चार निवासी सुभाष यादव की बेटी प्रिया और प्रीति कुमारी के रूप में हुई है. पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए खगड़िया सदर अस्पताल भेजा. पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शवों को परिजनों को सौंपा. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है. बताया जाता है कि प्रिया और प्रीति मवेशी के लिए घास काटने शिशवा बहियार गयी थी. इसी क्रम में छोटी बहन प्रीति पानी भरे गड्ढे में गिर गयी. इसके बाद बड़ी बहन प्रिया भी अपनी बहन को बचाने के लिए गड्ढे में कूद गयी. जहां दम घुटने से दोनों की मौत हो गयी.

सनसनी : मर्डर या सुसाइड के बीच उलझी मौत की गुत्थी

नालंदा में घर से बरामद हुआ मां सहित बेटे-बेटी का शव

संवाददाता । बिहारशरीफ

हिलसा अनुमंडल क्षेत्र भटविगहा गांव में रविवार की सुबह एक महिला सहित दो बच्चों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है. घटना की सूचना हिलसा थानाध्यक्ष और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को दी गयी. सूचना पाकर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. जांच के दौरान पता चला कि मृतक महिला 32 वर्षीय सरिता देवी है जो भटविगहा गांव निवासी जितेन्द्र यादव की पत्नी है. उनके साथ ही उनके दो बच्चों, प्रिया कुमारी उम्र 12 वर्ष और प्रिंस कुमार उम्र 10 वर्ष की भी मौत गयी है.

ग्रामीणों ने बताया कि सरिता देवी का शव फंदे से लटका हुआ मिला जिसे ग्रामीणों के सहयोग से नीचे उतारा गया. बच्चों के गले पर भी फंदे का निशान पाए गए हैं, जिससे उनकी मृत्यु भी संदिग्ध प्रतीत हो रही है.

घटना की बारीकी से जांच और साक्ष्य संकलन के लिए विधि-विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को बुलाया गया है. मृतिका के मायके वालों को इस घटना की जानकारी दी गई है और उनके द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी. ग्राम गौरा भटबिगहा में फिलहाल किसी प्रकार की विधि-व्यवस्था की समस्या नहीं है, लेकिन मृतिका के पति और परिवार के अन्य सदस्य घर से फरार पाए गए हैं. पुलिस द्वारा सभी संभावित पहलुओं पर गहनता से जांच की जा रही है. मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, बिहारशरीफ भेज दिया गया है. मौत के कारणों का स्पष्ट पता नही चल सका है.

घटना की जांच करते पुलिसकर्मी

कुल्हाड़ी से काटकर युवती की हत्या मामले में दो गिरफ्तार, भेजे गए जेल

पूर्वी चंपारण । जिले के मधुबन थाना क्षेत्र में चार दिन पूर्व कुल्हाड़ी से काटकर युवती की हत्या मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है. दोनों उसी गांव के रहने वाले हैं. गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में मोतिहारी भेज दिया गया है. पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार ने रविवार को बताया कि ननिहाल में रह रही युवती की कुल्हाड़ी से गर्दन काट कर निर्मम हत्या करने के मामले में पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान व चप्पल के मिले निशान के आधार पर उसके गांव के निवासी चुनचुन कुमार व शंकर कुमार को गिरफ्तार किया है. इनसे पूछताछ व निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक कुल्हाड़ी, तीन मोबाइल फोन, एक सेट चप्पल तथा घटना के समय अभियुक्त द्वारा पहना टी-शर्ट और हाफ पैंट बरामद किया है.

पूर्व विधायक सुनील पांडे भाजपा में शामिल हुए

बाहुबली के बेटे संदीप ने भी ली पार्टी की सदस्यता

संवाददाता । पटना

बिहार में चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है. इनमें तरारी, रामगढ़, बेलागंज और इमामगंज शामिल है. उपचुनाव से पहले राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (आरजेएलपी) के प्रमुख पशुपति पारस को बड़ा झटका लगा है. पार्टी के पूर्व विधायक और बाहुबली सुनील पांडे ने रविवार को भाजपा में शामिल हो गये हैं. चार बार के विधायक रहे सुनील पांडे ने अपने बेटे संदीप पांडे के साथ भाजपा की सदस्यता ली है. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने दोनों को पार्टी की सदस्यता दिलायी. इसके बाद कयास लगाये जा रहे हैं कि तरारी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा सुनील पांडे के बेटे संदीप पांडे को अपना उम्मीदवार बना सकती है.

समर्थक चाहती थी कि भाजपा जॉइन करूं तो कर लिया : भाजपा में शामिल होने के बाद सुनील पांडे ने कहा कि मैं पहले भी एनडीए में था. आज औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गया हूं. कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी को कैसे मजबूत करना है, इस पर काम करेंगे. कहा कि पूरे प्रदेश से मेरे समर्थक आये हैं. सभी पार्टी हित में काम करेंगे और पार्टी को मजबूत करेंगे. कहा कि 2025 में भारी बहुमत के साथ सरकार बनायेंगे. तरारी में होनेवाले उपचुनाव में सुनील पांडे या उनके बेटे द्वारा चुनाव लड़ने वाले सवाल पर सुनील पांडे ने कहा कि आप समझदार है, जनता भी समझदार है. समर्थक की भावना को देखते हुए पार्टी जो निर्णय लेगी, उसमें हम पार्टी के साथ हैं. आरएलजेपी को छोड़ने की बात पर कहा कि समय के साथ परिस्थितियां बदलती हैं, मेरे समर्थक चाहते थे कि मैं भाजपा में शामिल हो जाऊं, जो भी होगा, अच्छा होगा.

पटना में युवक की गोली मारकर हत्या

पटना । पटना के सुलतानगंज थाना क्षेत्र के रानी घाट के समीप रविवार को शंकर वर्मा नाम के व्यक्ति की बदमाशों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया. घायल को परिजनों ने इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया. चिकित्सकों ने वहां शंकर वर्मा को मृत घोषित कर दिया. एएसपी शरथ आरएस ने बताया कि शंकर वर्मा के खिलाफ सुल्तानगंज समेत अन्य थानों में 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं.

वंचितों के अधिकारों पर डाका डाल रहे हैं एनडीए वाले : लालू

पटना । राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने एक बार फिर से केंद्र सरकार पर हमला बोला है. सोशल मीडिया पर लालू प्रसाद यादव ने लिखा कि बाबा साहेब के संविधान एवं आरक्षण की धज्जियां उड़ाते हुए नरेंद्र मोदी और उसके सहयोगी दलों की सलाह से सिविल सेवा कर्मियों की जगह अब संघ लोक सेवा आयोग ने निजी क्षेत्र से संयुक्त सचिव, उप-सचिव और निदेशक स्तर पर नियुक्ति के लिए सीधी भर्ती का विज्ञापन निकाला है. लालू ने कहा कि इसमें कोई सरकारी कर्मचारी आवेदन नहीं कर सकता. इसमें संविधान प्रदत कोई आरक्षण नहीं है. कारपोरेट में काम कर रहे भाजपा की निजी सेना (आरएसएस) यानी खाकी पेंट वालों को सीधे भारत सरकार के महत्वपूर्ण मंत्रालयों में उच्च पदों पर बैठाने का यह 'नागपुरिया मॉडल' है.

कारोबार

मैक्रोटेक का कर्ज 43.5 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली । जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स लि. का शुद्ध कर्ज चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 43.5 प्रतिशत बढ़कर 4,320 करोड़ रुपये हो गया. कंपनी ने कहा कि शुद्ध कर्ज में वृद्धि भूमि अधिग्रहण और निर्माण में अधिक निवेश के कारण हुई है. लोढ़ा ब्रांड के तहत अपनी परियोजनाएं बेचने वाली मुंबई स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से है. कंपनी ने कहा कि वृद्धि में निवेश के कारण शुद्ध कर्ज बढ़ा है.

आने वाली तिमाहियों में खपत में होगी वृद्धि : बाटा

नयी दिल्ली । जूता-चप्पल बनाने वाली प्रमुख कंपनी बाटा के प्रबंध निदेशक गुंजन शाह ने कहा है कि खपत में सुस्ती अस्थायी है और आने वाली तिमाहियों में त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने तथा खुदरा कारोबार में विस्तार से क्षेत्र में तेजी आने की उम्मीद है. कंपनी को उम्मीद है कि ई-कॉमर्स उसकी वृद्धि को गति देगा. इसका कारण कंपनी अपने पोर्टल और भागीदारों के माध्यम से ऑनलाइन बिक्री का विस्तार कर रही है. साथ ही किफायती उत्पादों के साथ-साथ नये-नये उत्पादों में भी निवेश कर रही है.

बीते सप्ताह सोयाबीन का दाम टूटने से अधिकांश तेल तिलहनों में गिरावट

एजेंसी । नयी दिल्ली

बीते सप्ताह सोयाबीन तेल का दाम टूटने के कारण देश के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के भाव गिरावट के साथ बंद हुए. वहीं हल्की त्योहारी मांग की वजह से बिनौला तेल के दाम में मामूली तेजी रही. बाजार सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन तेल का दाम समीक्षाधीन सप्ताह में घटकर 993 डॉलर टन रहा जबकि इससे पिछले सप्ताह में यह 1,010-1,015 डॉलर प्रति टन था. लेकिन पिछले सप्ताह जिस सीपीओ का भाव 993-995 डॉलर प्रति टन था वह बढ़कर लगभग 1,000 डॉलर प्रति टन हो गया. यानी सॉफ्ट आयल (सोयाबीन तेल), पामोलीन (हार्ड आयल) के मुकाबले सस्ता हो चला है तो क्या उपभोक्ताओं को देश के बाजारों में सोयाबीन तेल, पामोलीन से सस्ता मिल रहा है? सूत्रों ने कहा कि पहले बोने की वजह से सांगली मंडी में खरीफ सोयाबीन पहले आ जाती है. बाकी स्थानों पर अक्टूबर में आवक बढ़नी शुरु होती है. सांगली मंडी में आने वाली नयी फसल का भाव 4,000 रुपये क्विन्टल लगाया जा रहा है जबकि सोयाबीन का नया न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 4,892 रुपये क्विंटल है. इसके अलावा केवल महाराष्ट्र सरकार ने किसानों को सोयाबीन और कपास का उत्पादन बढ़ाने को प्रोत्साहित करने के मकसद से प्रति एकड़ फसल के लिए 5,000 रुपये की सहायता राशि (सब्सिडी) दी है. लेकिन इस प्रोत्साहन राशि के बावजूद किसानों की लागत कम निकल रही है.

सोयाबीन की नई फसल की आवक और बढ़ेगी

इसकी तुलना में मध्य प्रदेश में सोयाबीन का उत्पादन कहीं अधिक होता है और वहां ऐसी कोई सहायता राशि नहीं दी गई है तो उनकी लागत वसूली तथ अन्य सोयाबीन उत्पादन राज्यों में लागत वसूली की स्थिति के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में मंडियों में सोयाबीन के नये फसल की आवक और बढ़ेगी उस समय क्या होगा इसके बारे में अभी से कुछ कहना मुश्किल है. लेकिन इतना तो तय है कि सस्ता सोयाबीन का आयात बना रहा तो पहले के सोयाबीन फसल की तरह इस बार भी सोयाबीन को गोदामों में ही रखे रहना होगा. सूत्रों ने कहा कि किसी को इस स्थिति के बारे में सोचना होगा और कोई रास्ता भी निकालना होगा कि देशी तेल तिलहन खपें, किसानों को पर्याप्त धन मिले और तिलहन उत्पादन बढ़ाने के प्रति उनका भरोसा और मजबूत हो.

इंजीनियरों के लिए वार्षिक वेतन 4-12 लाख रुपये

नयी दिल्ली । प्रमुख आईटी कंपनी कॉग्निजेंट ने रविवार को कहा कि वह नए इंजीनियरिंग स्नातकों को चार से 12 लाख रुपये का वेतन देती है और सोशल मीडिया पर जिस वेतन का जिक्र किया जा रहा है, वह गैर-इंजीनियरिंग स्नातक डिग्री धारकों के लिए है. गौरतलब है कि कंपनी को नये भर्ती होने वालों के लिए 2.52 लाख रुपये वार्षिक वेतन की पेशकश करने पर सोशल मीडिया में आलोचना का सामना करना पड़ रहा है. कंपनी को महज एक प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि करने के लिए भी सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा. हालांकि, यह 1-5 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि का निचला दायरा है, जिसे कंपनी ने व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर दिया है. कॉग्निजेंट हर साल विभिन्न भूमिकाओं के लिए नए इंजीनियरों और गैर-इंजीनियरिंग स्नातकों को नियुक्त करती है.कॉग्निजेंट अमेरिका के अध्यक्ष सूर्य गुम्मादी ने कहा, गैर-इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि की प्रतिभाओं के लिए हमारी हाल की भर्ती सूचना को बहुत गलत तरीके से पेश किया गया. लगभग 2.52 लाख रुपये प्रति वर्ष के वेतन वाली यह नौकरी केवल तीन वर्षीय स्नातक डिग्री वाले उम्मीदवारों के लिए थी, इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए नहीं.

भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन

अगले पांच साल में 1.7 लाख करोड़ रुपये करेगा निवेश

एजेंसी । नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) के चेयरमैन जी कृष्ण कुमार ने कहा है कि कंपनी की अगले पांच साल में 1.7 लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजना है. कंपनी यह निवेश अपने मुख्य कारोबार तेल शोधन और ईंधन विपणन को बढ़ाने के साथ-साथ पेट्रोरसायन तथा हरित ऊर्जा जैसे नये क्षेत्रों में करेगी. बीपीसीएल के पास वर्तमान में देश की कुल तेल शोधन क्षमता का लगभग 14 प्रतिशत और ईंधन खुदरा नेटवर्क का लगभग एक चौथाई हिस्सा है. कंपनी नये क्षेत्रों में दस्तक देने के साथ अपने मुख्य कारोबार को बढ़ाने की योजना बना रही है. कंपनी के चेयरमैन ने सालाना रिपोर्ट में कहा है कि बीपीसीएल अब 'प्रोजेक्ट एस्पायर' के रूप में कई दशक की आकांक्षी यात्रा के पहले चरण को लागू कर रही है. इसका पांच साल का रणनीतिक ढांचा दो मूलभूत स्तंभों पर आधारित है. इसमें मुख्य कारोबार को बढ़ावा और दूसरा भविष्य की परियोजनाओं में निवेश है. कृष्ण कुमार ने कहा, हमारी मध्यम अवधि की रणनीति जारी है. इसके तहत एक एक तरफ जहां हम अपने मुख्य कारोबार...पेट्रोलियम उत्पादों की रिफाइनिंग और विपणन... तथा खोज और उत्पादन गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पेट्रोरसायन, गैस, हरित ऊर्जा, गैर-ईंधन खुदरा और डिजिटल जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर समान रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. उन्होंने कहा, प्रोजेक्ट एस्पायर के तहत पांच साल में लगभग 1.70 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया जाएगा. यह निवेश हमें आने वाली पीढ़ी के लिए वातावरण को संरक्षित रखते हुए हमसे जुड़े विभिन्न पक्षों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने में मदद करेगा. कंपनी ने 2040 तक अपने परिचालन से शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है. चेयरमैन ने कहा, बीपीसीएल ने शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिए खाका तैयार किया है. इसमें नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, कॉम्प्रेस्ड बायोगैस, कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस), दक्षता में सुधार आदि शामिल हैं.

टीवीएस मोटर

घरेलू, वैश्विक बाजारों में उद्योग से बेहतर प्रदर्शन का भरोसा

नयी दिल्ली । टीवीएस मोटर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के एन राधाकृष्णन ने कहा कि नए उत्पादों की पेशकश और प्रमुख क्षेत्रों में परिचालन को मजबूत करने के साथ चालू वित्त वर्ष में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उद्योग के मुकाबले कंपनी के तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि घरेलू बाजार में कंपनी को सामान्य मानसून के साथ ग्रामीण बाजारों को मजबूती मिलने की संभावना के चलते वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है. अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो राधाकृष्णन ने इस साल अफ्रीका जैसे प्रमुख बाजारों में बेहतर प्रदर्शन और पश्चिम एशिया तथा लातिन अमेरिका जैसे अन्य क्षेत्रों में परिचालन का विस्तार करने की उम्मीद जताई. राधाकृष्णन ने विश्लेषकों के साथ एक वार्ता में कहा, हमारे मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो उपभोक्ताओं, नए उत्पादों, आकर्षक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकी पर हमारे अटूट जोर के चलते हमें विश्वास है कि हम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में उद्योग से बेहतर प्रदर्शन करेंगे. उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करने वाले बजट बताया.

शेयर समीक्षा पिछले सप्ताह हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई, मगर इसमें पक्षपात से भरे आरोप अधिक थे, शेयर मार्केट पर भी बड़ा असर नहीं देखा गया

भारतीय शेयर मार्केट ने जैसी परिपक्वता और शक्ति दिखाई,यह अत्यंत शुभ संकेत

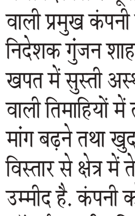
शशांक भारद्वाज
वीपी च्वॉइस ब्रोकिंग

पिछले कुछ दिनों से भारतीय शेयर मार्केट में कुछ नकारात्मक समाचारों और भविष्य की श्रेष्ठ आर्थिक संभावनाओं के मध्य एक संघर्ष, द्वंद्व चल रहा है. इसका मुख्य प्रारंभ भाजपा को लोकसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत न मिलने से हुआ. फिर अमेरिका में मंदी की आशंका, बजट में शेयर लाभ पर कर वृद्धि, बांग्लादेश में हिंसक सत्ता परिवर्तन आदि घटनाक्रम हुए. पिछले सप्ताह हिंडनबर्ग की रिपोर्ट भी आई जिसने सेबी प्रमुख पर पक्षपात जैसे कुछ आरोप लगाए गए. यद्यपि ये आरोप आधारविहीन थे, खिसयानी बिल्ली खंभा नोचे से थे, षड्यंत्र से अधिक थे, इसलिए भारतीय शेयर मार्केट ने आरोप के बाद के पहले व्यापारिक सत्र में सोमवार को स्थिरता दिखी. हिंडेनबुर्गी कचरे को कूड़े डब्बे में फेंक दिया. वो तो सोमवार को अमेरिका ईरान के तनाव का समाचार आ गया नहीं तो निफ्टी 100 अंकों से अधिक ऊपर बंद होता. जिस प्रकार से भारतीय शेयर मार्केट ने इस प्रकरण पर परिपक्वता, शक्ति दिखाई, यह एक अत्यंत शुभ संकेत है तथा यह एक बड़ा लाभ प्राप्त हुआ है. अमेरिका में जुलाई माह के जीविका के दुर्बल आंकड़े तथा जीडीपी में कमी आने से वहां मंदी की संभावना जताई जाने लगी थी. इसने भी वैश्विक शेयर मार्केट में उथल पुथल मचाई. परंतु इस अमेरिकी मंदी के लक्षण से वहां अब शीघ्र ही ब्याज दरों के कटौती की संभावना भी प्रबल हो उठी.फिर खुदरा बिक्री व सीपीआई के डेटा आए, जिसमें खुदरा बिक्री बढ़ी तथा सीपीआई में कमी आई. इससे कुछ प्रमुख विश्विक वित्तीय संस्थानों गोल्डमैन साक्स ने मंदी की संभावना को नकारा तथा शेयर मार्केट का मनोभाव भी ठीक हुआ. यूएस मार्केट में पिछले सप्ताह पांचों व्यापारिक सत्रों में बढ़त रही, डाउ 1162 अंक चढ़ा. अंतिम दो दिनों में तो सबसे अधिक 651 अंकों की तेजी आई.

बांग्लादेश में भी स्थिति कुछ सुधरी जिससे वहां को लेकर भी भारतीय शेयर मार्केट की चिंता कुछ कम हुई.

अतः नकारात्मक कारकों की तीव्रता कम होने से भारतीय शेयर मार्केट भी संभलें. विगत सप्ताह निफ्टी 24099 का निचला स्तर छूने के बाद सप्ताह अंत में 24541 पर बंद हुआ. शुक्रवार को तो 398 अंकों की तेजी रही. निफ्टी ने 24050 के महत्वपूर्ण स्तर का बचाव किया तथा जिस प्रकार से शुक्रवार को तेजी दिखी. लगता है मार्केट पुनः तेजी की ओर बढ़ सकता है. इसका एक संकेत यह भी है कि लगातार बिकवाली कर रहे विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 16 अगस्त की नकद और फ्यूचर में कुल मिलाकर 9408 करोड़ रुपए का क्रय किया. यद्यपि साप्ताहिक आधार पर पिछले सप्ताह भी विदेशी संस्थागत निवेशक बिकवाल रहे. नकद संभाग में उन्होंने 8617 करोड़ रुपए के अगस्त में एफआईआई अभी तक 29876 करोड़ रुपए के शेयर बेच चुके हैं, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक लगातार तथा बड़े क्रेता बने हुए हैं तथा उन्होंने 34060 करोड़ रुपए के शेयर क्रय किए.

एक बहुत अच्छी बात यह भी है कि एफआईआई की बिकवाली डीआईआई सहजता से आत्मसात करते में सफल हैं. दैनिक आधार से ले कर साप्ताहिक, मासिक आधार पर भी. भारत में जुलाई में थोक महंगाई दर गिरकर 2.04 प्रतिशत रही. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक भी पांच वर्षों में पहली बार 4 प्रतिशत से नीचे आया है. इससे भारत में भी ब्याज दरों में कमी का मामला बनता है, परंतु आरबीआई बैंकजमा में अपेक्षाकृत कमी से चिंतित है, अतः यहां दर में कटौती की संभावना अभी थोड़ी धूमिल है. फिर भी यूएस में सितंबर की ब्याज दरों में कमी की संभावना है. ऐसा होता तो बड़ी राशि शेयर मार्केट में निवेशित हो सकती है और इसका एक अतिरिक्त अच्छा लाभ भारतीय शेयर मार्केट को भी आने वाले समय में मिल सकता है. भारत में अच्छी वृद्धि दर, शेयर मार्केट में नए ग्राहकों तथा धन का प्रवाह तो बना हुआ ही है .

प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में भारत के विकास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है. भारतीय अर्थव्यवस्था के बड़े विस्तार तथा विश्व तीसरी प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने की संभावना पर एकराय है. ऐसे में दीर्घ अवधि में भारतीय शेयर मार्केट में अच्छी वृद्धि बनी ही रहेगी और कोई नई बहुत बड़ी नकारात्मक बात नहीं आती तो लघु अवधि में भी तेजी की ही संभावना है.बीच बीच में जो गिरावट आती है,उससे तकनीकी सुधार की प्रक्रिया भी पूरी हो जाती है तथा यह मार्केट के लिए अच्छा ही है. निफ्टी 24050 नहीं तोड़ता तो बड़ी मंदी नहीं लग रही है. इंडिया विक्स भी 14.40 के सामान्य स्तर पर है अर्थात मार्केट में कोई अधिक भय आशंका का भाव नहीं है.

सरकार की प्राथमिकता की देखते हुए कृषि से संबंधित क्षेत्र खाद, चीनी, रक्षा,औषधि इत्यादि क्षेत्रों के शेयरों को इकट्ठा किया जा सकता है. भारतीय वित्तीय जगत के एक प्रमुख व्यक्तित्व रिद्धम देसाई ने भारतीय अर्थव्यवस्था के आने वाले समय में बहुत सुदृढ़ हो जाने की बात कही है. भारत में पारिश्रमिक दर अब चीन की तुलना में आधी है. भारत की औसत आयु 27 वर्ष है. अभी के 450 बिलियन डॉलर से विनिर्माण क्षेत्र बढ़कर 1500 बिलियन डॉलर हो जायेगा तथा यह जीडीपी का 21 प्रतिशत होगा. ऋण वृद्धि दर अगले 10 वर्षों में प्रतिवर्ष 15 से 20 प्रतिशत रहेगी जो तीव्र आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी. भारत में उच्च आय वर्ग की संख्या 2.5 करोड़ तथा मध्यम वर्ग 17 करोड़ होगा जो घरेलू खपत की एक सुदृढ़ आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का आधार सुदृढ़ करेगा.

अरब ने तनाव के बाद भी ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के नीचे है. भारत का व्यापार घाटा थोड़ा बढ़ा है. डॉलर की तुलना में रुपए में गिरावट है, परंतु ये अभी कोई बहुत बड़ी चिंता की बात नहीं है.

सलाह : बांग्लादेशी राजनीतिक विश्लेषकों और विदेशी संबंध एवं सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञों का आग्रह, भारत को इतिहास के सही पक्ष की तरफ होना चाहिए

देशहित में बांग्लादेश में सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया में सहयोग करे भारत सरकार

एजेंसी। ढाका

कई राजनीतिक विश्लेषकों और विदेशी संबंध एवं सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञों ने रविवार को कहा कि अगर भारत बांग्लादेश में हो रही सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया का समर्थन करता है और 'किसी एक व्यक्ति और पार्टी पर ध्यान केंद्रित करने' के बजाय अन्य राजनीतिक दलों के साथ भी संबंध बनाने की दिशा में आगे बढ़ता है, तो इससे उसे फायदा होगा.

विश्लेषकों का यह भी मानना है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के साथ व्यवहार दोनों देशों के संबंधों में एक महत्वपूर्ण कारक होगा. अग्रणी थिंकटैंक 'बांग्लादेश एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट' के प्रमुख हुमायूं कबीर ने 'पीटीआई' से कहा कि बांग्लादेश का पड़ोसी होने के नाते भारत 'मुश्किल समय में हमेशा हमारे साथ रहा है और बदलाव की मौजूदा प्रक्रिया के दौरान भी यदि वह हमारा समर्थन करता है तो मुझे लगता है कि बांग्लादेश के लोग भारत को एक मित्र के रूप में देखेंगे.

कबीर ने कहा कि भारत यदि बांग्लादेश में जारी सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया का 'सकारात्मक तरीके से समर्थन' करता है और इस बदलाव की 'विशिष्टता' को ध्यान में रखते हुए 'किसी एक व्यक्ति और पार्टी पर ध्यान केंद्रित करने' के बजाय अन्य राजनीतिक दलों के साथ संबंध बनाने की दिशा में आगे बढ़ता है तो इससे उसे लाभ होगा. बांग्लादेश शांति एवं सुरक्षा अध्ययन संस्थान के अध्यक्ष सेवानिवृत्त मेजर जनरल मुनीरुज्जमां ने कहा कि भारत को 'बांग्लादेश की वास्तविकता देखनी चाहिए, जहां जन क्रांति हुई है. भारत को इतिहास के सही पक्ष की तरफ होना चाहिए और बांग्लादेश के लोगों के साथ सहयोग करने की इच्छा व्यक्त करनी चाहिए.

किसी विशेष राजनीतिक दल का बंधक नहीं रहे भारत

बांग्लादेश के 'सेंटर फॉर पॉलिसी डायलॉग' के अर्थशास्त्री देबप्रिय भट्टाचार्य ने कहा कि शांति, सुरक्षा और विकास के दृष्टिकोण से बांग्लादेश और भारत के संबंध दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं. बांग्लादेश ने भारतीय जनता के फैसले का सम्मान करते हुए कांग्रेस के सत्ता से हटने के बाद भाजपा की सरकार को सहयोग दिया और इससे उसे लाभ हुआ. भारत को भी अब ऐसा ही करना चाहिए, क्योंकि छात्र-नागरिक विद्रोह के माध्यम से अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटा दिया गया है. आगामी दिनों में भारत को विश्वास और आपसी हित के आधार पर संबंधों का पुनर्निर्माण करना होगा और उसे संबंधित देश के किसी विशेष राजनीतिक दल का बंधक नहीं रहना चाहिए, क्योंकि यह संबंध द्विदलीय सहमति पर आधारित होना चाहिए और दोनों देशों को इस दिशा में काम करने की जरूरत है.

एक महीने तक बंद रहने के बाद शैक्षिक संस्थान खुले

ढाका। बांग्लादेश में विश्वविद्यालयों, माध्यमिक स्कूलों और कॉलेजों समेत सभी शिक्षण संस्थान रविवार को खोल दिए गए. इन्हें छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा होने के कारण एक महीने से अधिक समय पहले बंद कर दिया गया था. विरोध प्रदर्शनों के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर जाना पड़ा था. नौकरियों में आरक्षण को लेकर हुए आंदोलन के दौरान हिंसा भड़कने पर छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेश में 17 जुलाई को शिक्षण संस्थान अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिए गए थे.

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ सामूहिक हत्या के आरोप में वाद दायर

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत में रविवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 33 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए एक अर्जी दायर की गई, जिसमें उन पर 2013 में 'हिफाजत-ए-इस्लाम' द्वारा आयोजित एक रैली पर अंधाधुंध गोलीबारी करके सामूहिक हत्या करने का आरोप लगाया गया है. 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, बांग्लादेश पीपुल्स पार्टी (बीपीपी) के अध्यक्ष बाबुल सरदार चखारी ने ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में याचिका दायर की है. याचिका में हसीना और अन्य लोगों पर

पांच मई, 2013 को मोतीझील के शापला छत्तर में रैली के दौरान 'सामूहिक हत्या' करने का आरोप लगाया गया है. अदालत ने वादी का बयान दर्ज किया और कहा कि वह इस मुद्दे पर बाद में आदेश पारित करेगी. बांग्लादेश में अब हसीना पर 11 मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या के आठ, अपहरण का एक, मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार के दो मामले शामिल हैं.

ब्रीफ खबरें

मालदा में दो वाहनों के बीच टक्कर में छह मरे

मालदा। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में गौर रेलवे स्टेशन के निकट एक वाहन (एसयूवी) के ट्रक से टकराने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. यह दुर्घटना शनिवार आधी रात को राष्ट्रीय राजमार्ग 12 पर उस समय हुई जब वाहन जिले के कालियाचक से मालदा शहर आ रहा था. पुलिस ने बताया कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति ने रविवार को अस्पताल में दम तोड़ दिया.

दिल्ली में तेज रफ्तार कार ने एक को कुचला

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में एक तेज रफ्तार कार ने 35 वर्षीय एक व्यक्ति को कथित तौर पर कुचल दिया जिससे उसकी मौत हो गई. पुलिस ने रविवार को बताया कि बाद में कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया. उसने बताया कि काम पर जा रहे व्यक्ति को आश्रम क्षेत्र में भोगल फ्लाईओवर के पास कार ने कुचल दिया. पुलिस ने बताया कि व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कार चालक प्रदीप गौतम (45) अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया.

तीन घंटे की नाकेबंदी से रेल सेवाएं प्रभावित

कोलकाता। पूर्वी रेलवे के सियालदह दक्षिण खंड के सुभाषग्राम में रविवार को तीन घंटे से अधिक समय तक रेल रोको आंदोलन के कारण कम से कम 11 उपनगरीय रेलगाड़ियां रद्द करनी पड़ीं और कई अन्य को गंतव्य से पहले रोकना पड़ा. यात्रियों के एक समूह ने ट्रेन के परिचालन में देरी पर रोक लगाने और उपनगरीय ट्रेन सेवाओं की आवृत्ति बढ़ाने की मांग को लेकर नाकाबंदी की. अधिकारी ने बताया कि नाकाबंदी सुबह 11 बजे खत्म हो गई. कम से कम 11 उपनगरीय ट्रेन रद्द कर दी गईं.

सूडान के एक गांव में 85 लोगों की हुई हत्या

काहिरा। सूडान में अर्धसैनिक समूह के लड़ाकों ने एक गांव में तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी के बाद महिलाओं एवं बच्चों समेत कम से कम 85 लोगों की हत्या कर दी. प्राधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. देश में 18 महीने से जारी विनाशकारी संघर्ष में रक्तपात की यह ताजा घटना है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' ने जुलाई में सेन्नार प्रांत के गलगानी में हमले शुरू किए और पिछले सप्ताह 'गांव के निहत्थे निवासियों पर गोलीबारी की.'

फ्रांस के मशहूर अभिनेता एलेन डेलन का निधन

पेरिस। फ्रांस के मशहूर अभिनेता एलेन डेलन का 88 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. फिल्मों में खलनायक और पुलिसकर्मी की भूमिकाओं से उन्हें दुनियाभर में काफी सराहना मिली. डेलन ने कई फिल्मों का निर्माण किया, नाटकों में काम किया और बाद के वर्षों में टेलीविजन फिल्मों में भी नजर आए. डेलन के परिवार ने रविवार को 'फ्रांस-प्रेस' को एक बयान में उनके निधन की घोषणा की. उन्होंने 1960 और 1970 के दशक में प्रख्यात फिल्मकार लुचिनो विस्कोन्टी से लेकर जोसेफ लोसी तक, दुनिया के शीर्ष निर्देशकों के साथ काम किया. डेलन को पहली बार 1960 में रेने क्लेमेंट द्वारा निर्देशित 'प्लेन सोलेइल' से सराहना मिली.

देहरादून : बस में हुई खौफनाक वारदात, पांच आरोपी गिरफ्तार

आईएसबीटी पर नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म

एजेंसी। देहरादून

देहरादून आईएसबीटी में दिल्ली से देहरादून आयी एक बस में उत्तर प्रदेश की एक नाबालिग लड़की से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने रविवार को पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया. देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने यहां बताया कि 12 अगस्त को हुई घटना की जानकारी शनिवार शाम को मिली, जिसके बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को खंगालते हुए वारदात में इस्तेमाल बस की पहचान की और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया.

उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तराखंड के हरिद्वार के बुग्गावाला निवासी धर्मेंद्र कुमार (32) और राजपाल (57), हरिद्वार जिले के ही भगवानपुर निवासी देवेंद्र (52), देहरादून के पटेलनगर निवासी राजेश कुमार सोनकर (38) तथा उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के नवाबगंज के रहने वाले रवि कुमार (34) के रूप में हुई है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना में प्रयुक्त उत्तराखंड रोडवेज की बस को कब्जे में ले लिया गया है तथा फॉरेंसिक टीम बस से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कार्रवाई कर रही है.

पुलिस को घटना की जानकारी 5 दिन बाद मिली

जानकारी के अनुसार, 16-17 साल की नाबालिग लड़की को 12 अगस्त की देर रात आईएसबीटी देहरादून के प्लेटफार्म नंबर 12 पर एक बेंच पर बैठे देखकर इसकी सूचना देहरादून बाल कल्याण समिति को दी गयी जिसने उसे सुरक्षा की दृष्टि से राजकीय बालिका निकेतन भेज दिया. बाल निकेतन में काउंसलिंग के दौरान नाबालिग लड़की ने अपने साथ कथित दुष्कर्म की बात बताई, जिसके बाद समिति की सदस्य प्रतिभा जोशी ने शनिवार शाम पुलिस को तहरीर दी, जिसके आधार पर पटेलनगर पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 70(2) तथा पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने घटना की जांच के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन करने के अलावा स्वयं पीड़ित बालिका से मिलकर घटना की जानकारी ली तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया. पुलिस ने बताया कि बालिका ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि उसके माता-पिता नहीं हैं और वह पंजाब की रहने वाली है. बाद में उसने पुलिस को बताया कि वह उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद की रहने वाली है और वह पहले मुरादाबाद से दिल्ली गयी और फिर दिल्ली में कश्मीरी गेट से बस पकड़कर देहरादून आयी जहां उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया.

ट्रेनी डॉक्टर के रेप और हत्या मामले में टीएमसी सांसद को किया तलब

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और हत्या मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सुखेंदु शेखर रे को नोटिस भेजा है. बताया जा रहा है कि पुलिस ने उन्हें इस मामले में गलत सूचना फैलाने के आरोप में ये नोटिस जारी किया है. टीएमसी सांसद पर आरोप हैं कि उन्होंने घटना स्थल पर डॉग स्क्वायड को भेजे जाने को लेकर गलत सूचना का प्रचार किया था. आपको बता दें कि टीएमसी सांसद रे ने कुछ दिन पहले दिए अपने एक बयान में कहा था कि स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर तीन दिन बाद डॉग स्क्वायड लेकर पहुंची थी. खास बात ये है कि कोलकाता पुलिस ने रविवार को ही आरजी कर अस्पताल के दो डॉक्टर और बीजेपी सांसद लॉकेट चटर्जी को भी इस मामले में नोटिस जारी किया था .आपको बता दें कि टीएमसी सांसद सुखेंदु शेखर रे ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप एवं हत्या की घटना को लेकर रविवार सुबह एक्स पर एक पोस्ट किया.

कुवैत पहुंचने पर विदेश मंत्री अल-याह्या ने जयशंकर का किया स्वागत

विदेश मंत्री ने कुवैत के युवराज से की मुलाकात

एजेंसी। कुवैत सिटी

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कुवैत के युवराज शेख सबा अल-खालिद अल-सबा से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उनसे चर्चा की. जयशंकर रविवार को एक दिवसीय यात्रा पर कुवैत पहुंचे. विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या ने उनका स्वागत किया.

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'कुवैत के युवराज शेख सबा अल-खालिद अल-सबा से मुलाकात करके गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं. भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की तरफ से उन्हें शुभकामनाएं दीं. भारत और कुवैत के बीच सद्भावना और मित्रता के सदियों पुराने संबंध हैं. हमारी समकालीन साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है. हमारे संबंधों को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने से जुड़े उनके विचार और मार्गदर्शन के लिए उनका धन्यवाद.'' विदेश मंत्रालय ने यात्रा से पहले एक बयान में कहा कि उनकी यात्रा से दोनों देशों को राजनीतिक मसलों, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, सुरक्षा, सांस्कृतिक, वाणिज्य दूतावास समेत भारत-कुवैत द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत करने का मौका मिलेगा और आपसी हितों के जुड़े क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान भी होगा. कुवैत की एक इमारत में लगी भीषण आग में 45 भारतीयों की मौत की घटना के करीब दो माह बाद विदेश मंत्री यहां की यात्रा पर आये हैं. मंगाफ में जून में सात मंजिला इमारत में आग लगने से 49 विदेशी कामगार मारे गए थे.

नेपाल की नयी विदेश मंत्री राणा ने भारत की पांच दिनी यात्रा शुरू की, जयशंकर से करेंगी मुलाकात

काठमांडू। नेपाल की नवनियुक्त विदेश मंत्री आरजू देउबा राणा ने रविवार को भारत की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा शुरू की और इस दौरान वह द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने तथा सहयोग को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगी. विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि जयशंकर के निमंत्रण पर राणा भारत की यात्रा कर रही हैं. यह पदभार संभालने के बाद राणा की विदेश की पहली आधिकारिक यात्रा है. इसमें कहा गया है, 'इस यात्रा के दौरान विदेश मंत्री राणा भारत के अपने समकक्ष जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी और नेपाल-भारत संबंधों को मजबूत करने तथा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए परस्पर हित के मामलों पर चर्चा करेंगी.'

बयान में कहा गया है कि नेपाल और भारत के बीच आए दिन उच्च स्तरीय यात्राओं के तहत राणा की यात्रा से दोनों पड़ोसी देशों के बीच दशकों पुराने, गहरे तथा बहुआयामी संबंध और मजबूत होंगे. नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत नेपाल उसका एक प्राथमिक साझेदार है. आगामी यात्रा से दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने तथा उसमें प्रगति की समीक्षा करने का अवसर मिलेगा तथा हमारे संबंधों को और मजबूत करने में मदद मिलेगी.' नेपाल के संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने पहले बताया था कि नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा की पत्नी राणा की यात्रा प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद हो रही है जिसमें विदेश मंत्री के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा का समर्थन किया गया.

कर्नाटक के मंत्री बोले-कांग्रेस ने प्रतिशोध के तहत किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, उसकी पहली प्राथमिकता सुशासन

अगले छह महीनों में भाजपा के आधे नेता जेल में होंगे : प्रियंक खरगे

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने रविवार को कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आधे नेता अगले छह महीने में या तो जेल में होंगे या जमानत के लिए चक्कर लगाएंगे, क्योंकि कांग्रेस नीत सरकार पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के मामलों की तह तक जाएगी.

मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में भूखंड आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा अनुमति दिए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रियंक ने कहा कि कांग्रेस ने प्रतिशोध के तहत किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की,

क्योंकि उसकी पहली प्राथमिकता सुशासन है. खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'सरकार के तौर पर हमारी पहली प्राथमिकता कुशल शासन देना है, न कि प्रतिशोध में कार्रवाई करना, लेकिन हां, यह भी कहा जा सकता है कि पिछली सरकार में काफी अनियमितताएं हुई थीं.' मंत्री ने कहा कि भाजपा नेताओं के खिलाफ 35 से अधिक मामले हैं और तीन से चार मामलों में अंतरिम रिपोर्ट पेश की गई है. उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने आपराधिक जांच विभाग की एक विशेष जांच टीम गठित की है. खरगे ने कहा, 'हम इन मामलों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं. हम इन मामलों की तह तक पहुंचेंगे. इसमें समय लगता है. पिछली सरकार में बहुत भ्रष्टाचार हुआ था. हम इस पर काम कर रहे हैं. मैं आपको फिर से आश्वस्त करना चाहता हूं कि अगले छह महीनों में भाजपा के आधे नेता जेल में होंगे या जमानत के लिए चक्कर लगाएंगे.' एक सवाल पर खरगे ने कहा कि सिद्धरमैया के खिलाफ मामले को भाजपा नेता तार्किक अंजाम तक नहीं ले जा सकते क्योंकि उनके पास कोई सबूत नहीं है.

एमयूडीए प्रकरण : मुख्यमंत्री ने 22 को कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने 22 अगस्त को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक बुलाई है. राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में कथित भूखंड आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने के बाद यह बैठक बुलाई गयी है. मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी बयान के अनुसार, बैठक विधान सौध सम्मेलन कक्ष में होगी. सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक खरगे ने यह जानकारी दी.

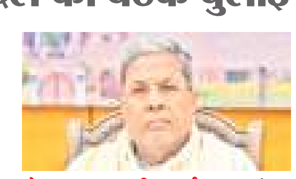

होगा राज्यव्यापी प्रदर्शन : कर्नाटक कांग्रेस ने एमयूडीए प्रकरण में राज्यव्यापी प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है. उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से तालुक और जिला स्तर के कार्यालयों तक एक किलोमीटर लंबा मार्च निकालने और राज्यपाल के इस कदम के खिलाफ राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपने का आह्वान किया.

श्रीलंका ने भारत के साथ संबंधों को प्रगाढ़ बनाने पर दिया जोर

एजेंसी। कोलंबो

- राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने तीसरे 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' शिखर सम्मेलन को किया संबोधित

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने आर्थिक संकट से उबर रहे अपने देश के भारत के साथ संबंध प्रगाढ़ बनाने पर जोर दिया है. विक्रमसिंघे ने शनिवार को उत्तर-मध्य शहर अनुराधापुरा से 'सतत भविष्य के लिए सशक्त ग्लोबल साउथ' विषय पर आयोजित तीसरे 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' शिखर सम्मेलन के राष्ट्राध्यक्ष सत्र को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए कही. 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने हिस्सा लिया. भारत-श्रीलंका संबंधों पर विचार व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने दोनों देशों के बीच साझा किए गए दृष्टिकोण वक्तव्य पर जोर दिया. उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस दृष्टिकोण से विभिन्न क्षेत्रों में श्रीलंका और भारत के बीच मजबूत एकीकरण होगा. राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने एशिया में आर्थिक साझेदारी का विस्तार करने के लिए विशेष रूप से बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) के माध्यम से श्रीलंका की रणनीतिक प्रतिबद्धता का उल्लेख किया.

फैसला शीर्ष अदालत पर 'सेंसरशिप' लागू करने का लगाया आरोप

ब्राजील में अपना संचालन बंद करेगा 'एक्स'

एजेंसी। मेक्सिको सिटी

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' ने ब्राजील में अपना संचालन बंद करने की शनिवार को घोषणा की. कंपनी ने आरोप लगाया कि ब्राजीलियाई उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे डि मोरेज ने 'सेंसरशिप' से जुड़े आदेशों का अनुपालन न करने पर ब्राजील में 'एक्स' के न्यायिक प्रतिनिधि को गिरफ्तार करने की चेतावनी दी है.

'एक्स' ने कहा कि वह ब्राजील में अपने सभी शेष कर्मचारियों को "तत्काल प्रभाव" से हटा रहा है. हालांकि, कंपनी ने भरोसा दिलाया कि ब्राजील के लोगों के लिए साइट की सेवाएं जारी रहेंगी. 'एक्स' ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह ब्राजील में संचालन बंद करने के बाद देश के लोगों को साइट की सेवाएं उपलब्ध कराना कैसे जारी रखेगा. साल की शुरुआत में 'एक्स' पर अभिव्यक्ति की आजादी, धुर दक्षिणपंथी खातों और गलत सूचनाओं के प्रसार को लेकर कंपनी का न्यायमूर्ति डि मोरेज से मतभेद हुआ था. 'एक्स' ने आरोप लगाया कि न्यायमूर्ति डि मोरेज का हालिया आदेश 'सेंसरशिप' के समान है. उसने 'एक्स' संबंधी आदेश की प्रति भी साझा की.

न्यायमूर्ति डि मोरेज न्याय पर बड़ा कलंक हैं : मस्क

न्यायमूर्ति डि मोरेज ने पिछले कुछ महीनों में ऐसे कई कठोर आदेश पारित किए हैं, जिन्हें वह लोकतंत्र की रक्षा के लिए जरूरी मानते हैं. इनमें पूर्व राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच से लेकर उनके धुर दक्षिणपंथी सहयोगियों के सोशल मीडिया खातों पर प्रतिबंध लगाना और आठ जनवरी 2023 को सरकारी इमारतों पर धावा बोलने वाले समर्थकों की गिरफ्तारी का आदेश देना शामिल है.

'एक्स' ने एक बयान में कहा, "डि मोरेज ने कानून या उचित प्रक्रिया का सम्मान करने के बजाय ब्राजील में हमारे कर्मचारियों को धमकाने का विकल्प चुना है." वहीं, मस्क ने पोस्ट किया कि डि मोरेज "न्याय पर बड़ा कलंक हैं."

उच्चतम न्यायालय के मीडिया कार्यालय ने मामले में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी. उसने 'एक्स' द्वारा साझा किए गए दस्तावेजों की प्रमाणिकता की भी पुष्टि नहीं की. न्यायमूर्ति डि मोरेज ने अप्रैल में 'एक्स' पर मानहानिकारक फर्जी खबरों के प्रसार को लेकर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे. उन्होंने 'एक्स' पर आपराधिक समूहों की कथित गतिविधियों, संभावित व्यवधानों और उकसावे वाले पोस्ट की जांच करने को भी कहा था. ब्राजील के दक्षिणपंथी दल न्यायमूर्ति डि मोरेज पर अभिव्यक्ति की आजादी पर लगाम कसने के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने और राजनीतिक उत्पीड़न में शामिल होने का आरोप लगाते आए हैं.

संघर्ष विराम के लिए पश्चिम एशिया रवाना हुए ब्लिंकन

गाजा पर इजराइली हमले में 19 लोगों की मौत

एजेंसी। दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)

गाजा में बीती रात इजराइल के हमलों में एक महिला और उसके छह बच्चों समेत 19 लोगों की मौत हो गई. वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन महीनों से जारी जटिल वार्ताओं के बाद एक संघर्ष विराम समझौता कराने के उद्देश्य से रविवार को पश्चिम एशिया के लिए रवाना हो गए.

दोहा में दो दिन की वार्ता के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी मध्यस्थ देश मिस्र और कतर समझौता कराने के करीब पहुंचते दिख रहे हैं. अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों ने समझौते को लेकर सावधानीपूर्वक आशा व्यक्त की है, लेकिन हमास ने लड़ाई जारी रखने के संकेत दिए हैं. अल अक्सा अस्पताल के अनुसार इजराइल ने नए सिरे से

बमबारी करते हुए रविवार तड़के दीर अल-बलाह में एक मकान पर हमला किया जिसमें एक महिला और उसके छह बच्चों की मौत हो गई. 'एसोसिएटेड प्रेस' के एक संवाददाता ने अस्पताल में शवों की गिनती की है. स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी शहर जबालिया में एक रिहायशी इमारत के दो अपार्टमेंट पर हमला हुआ, जिसमें दो पुरुषों, एक महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई. अवदा अस्पताल के अनुसार मध्य गाजा में हुए एक और हमले में चार लोगों की मौत हो गई. नासिर अस्पताल के मुताबिक शनिवार देर रात दक्षिणी शहर खान यूनिस के निकट हमले में दो महिलाओं समेत एक परिवार के चार लोगों की मौत हो गई.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)